आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.11
सूर्यास्त 06.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी 01:50 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 25 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 119, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले शख्स हरीश राणा का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का 13 साल से अधिक समय तक कोमा में रहने के बाद एम्स-दिल्ली में मंगलवार को निधन हो गया। राणा (32) को 14 मार्च को गाजियाबाद स्थित उनके घर से एम्स के डॉ. बीआर आंबेडकर इंस्टिट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल की उपशामक देखभाल इकाई में स्थानांतरित किया गया था। वह 2013 से कोमा में थे।

एम्स ने कहा, हरीश राणा का 24 मार्च को शाम चार बजकर 10 मिनट पर दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह डॉक्टरों की एक विशेष टीम की देखरेख में थे और उन्हें ऑन्को-एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन विभाग की प्रमुख डॉ. सीमा मिश्रा के नेतृत्व वाली पैलिएटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट में भर्ती कराया गया था। इस कठिन समय में एम्स उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

- 13 साल से थे कोमा में, शाम 4:10 बजे दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस

शीर्ष कोर्ट ने 11 मार्च को ऐतिहासिक फैसले में हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। राणा पंजाब विश्वविद्यालय में बीटेक के छात्र थे। वह 2013 में चौथी मंजिल की बालकनी से गिर गए थे और उन्हें सिर में गंभीर चोटें आई थीं। तब से वह कोमा में। अदालत ने माता-पिता निर्मला राणा और अशोक राणा का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, अपने बेटे के प्रति अपार स्नेह और देखभाल के लिए उनकी सराहना व्यक्त की। कहा था, उनके परिवार ने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा। इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश अदालत के 2018 के कॉमन कॉज मामले में निर्णय के अनुरूप है, जिसे 2023 में संशोधित किया गया था और गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग के मामले में इच्छामृत्यु के लिए याचिका दायर करने वाली पत्रकार और कार्यकर्ता पिंकी विरानी ने एम्स के डॉक्टरों व नर्सों को करुणापूर्वक निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को लागू करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आग्रह किया कि यदि कोई व्यक्ति इस अधिकार का प्रयोग करना चाहता है, तो उसे अपने परिवार के सदस्यों को बता देना चाहिए। कोर्ट ने शानबाग की ओर से विरानी की याचिका खारिज कर दी थी, जो नवंबर 1973 में हुए बर्बर यौन हमले के बाद से मुंबई के अस्पताल में कोमा जैसी स्थिति में बिस्तर पर पड़ी थीं। मुंबई की नर्स शानबाग की अंततः 2015 में निमोनिया से मृत्यु हो गई।

पोषण संबंधी सहायता धीरे-धीरे की गई थी बंद

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद राणा की पोषण संबंधी सहायता धीरे-धीरे बंद कर दी गई। राणा की मृत्यु के बाद, उनके परिवार ने उनका कॉर्निया और हृदय वाल्व दान कर दिए, जिन्हें अस्पताल द्वारा प्राप्त किया गया। कोर्ट के फैसले के बाद राणा के परिवार ने कहा था कि कृत्रिम जीवनरक्षक सहायता हटाने से परिवार को व्यक्तिगत रूप से कोई लाभ नहीं होगा, लेकिन व्यापक जनहित में यह निर्णय समान परिस्थितियों का सामना कर रहे अन्य लोगों की मदद कर सकता है। हरीश राणा के पिता अशोक राणा ने कहा था कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु से वर्षों के अपूरणीय कष्ट से हरीश को मुक्ति मिलेगी।

हवाई हमले में तेहरान का गैस प्लांट उड़ाया, ईरान ने भी खाड़ी देशों व इजराइल पर दागे बम

दुबई, एजेंसी

- खाड़ी देशों में कम दूरी वाली हवाई रक्षा प्रणालियां तैनात करेगा ब्रिटेन
- जोलघाद्र ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के नए सचिव नियुक्त

ईरान पर मंगलवार को किए गए हवाई हमलों ने राजधानी तेहरान में भारी तबाही मचाई और गैस प्लांट के साथ पाइपलाइन उड़ा दी, लेकिन ईरानी मिसाइलों और ड्रोन ने भी इजराइल के तेल अवीव और पश्चिम एशिया के कई ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए इस्लामिक गणराज्य के साथ बातचीत कर रहा है। हजारों और अमेरिकी मरीन सैनिकों के खाड़ी क्षेत्र की ओर रवाना होने, दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर तीव्र हमला जारी रहने और ईरान द्वारा किसी भी प्रकार की बातचीत से इनकार करने के बीच युद्ध तेज होता दिखा। वहीं, ब्रिटेन खाड़ी देशों में कम दूरी वाली हवाई रक्षा प्रणालियां तैनात तैनात करेगा।

हालांकि, इसके एक दिन पहले ट्रंप ने ईरान को दी गई वह समयसीमा भी आगे बढ़ा दी, जिसके तहत होर्मुज को जहाजों के लिए नहीं खोलने पर ईरान के ऊर्जा संयंत्रों को हवाई हमलों में निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी।

पाकिस्तान ने राजनयिक वार्ता की मेजबानी की पेशकश की, लेकिन ईरान अपने रुख पर अड़ा रहा और पूर्ण विजय प्राप्त होने तक लड़ने की कसम खाई। ईरान ने मंगलवार को एक ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड के पूर्व कमांडर को देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का नया सचिव नियुक्त किया, जिन्होंने हवाई हमले में मारे गए अली लारीजानी की जगह ली। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने नए सचिव की पहचान मोहम्मद बागेर जोलघाद्र के रूप में की है

होर्मुज स्ट्रेट से आने को किसी अनुमति की जरूरत नहीं: भारत

नई दिल्ली। पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि तेल समृद्ध फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ने वाले एकमात्र समुद्री मार्ग होर्मुज से गुजरने के लिए किसी भी देश की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नौवहन नियमों के अनुसार जलडमरूमध्य में आवागमन की स्वतंत्रता है। चूंकि जलडमरूमध्य संकरा है, केवल प्रवेश और निकासी मार्ग चिन्हित हैं, जिनका पालन सभी जहाजों को करना आवश्यक है। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत जलडमरूमध्य को पार करने से पहले सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं।

तेल का खेल

पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर सोशल मीडिया पर ईंधन की कमी की अफवाहों से घबराकर लोग वाहनों की टंकियां फुल कराने पहुंच गए। नागपुर में पेट्रोल पंप पर लगी लंबी कतार।

ब्रीफ न्यूज

लॉरेंस बिश्नोई और दो अन्य को जबरन वसूली के मामले में किया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने जबरन वसूली से संबंधित फोन कॉल के एक मामले में आरोप-मुक्त किए जाने के एक महीने बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और दो अन्य आरोपियों को तलब किया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल सिंह 20 फरवरी को एक अलग मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा आरोपमुक्त किए जाने के आदेश के खिलाफ सरकार की पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई कर रहे थे। अदालत ने 23 मार्च के अपने आदेश में कहा, जांच अधिकारी (आईओ) के माध्यम से प्रतिवादियों/आरोपियों को पुनरीक्षण याचिका को लेकर नोटिस जारी करें, जिसका जवाब सुनवाई की अगली तारीख तक देय होगा।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से बजट पेश किए जाने से कुछ घंटे पहले मंगलवार को विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस ने बताया कि विधानसभा परिसर की तलाशी के बाद अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है और तलाशी अब भी जारी है। उसने बताया कि सुबह सात बजकर 28 मिनट पर विधानसभा को बम की धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ और इसके बाद सुबह सात बजकर 49 मिनट पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को भी एक ईमेल भेजा गया।

प. एशिया जंग जारी रही तो यह भारत के लिए चिंताजनक : मोदी

राज्यसभा में कहा- संकट से निपटने के लिए 7 नए समूह गठित किए

- प्रधानमंत्री बोले- आने वाला समय देश की सबसे कड़ी परीक्षा लेगा
- पूरे भारत को टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

प्रधानमंत्री ने जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर वक्तव्य देते हुए कहा कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरक जैसे जरूरी सामान की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है। कहा, हमारी अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभ मजबूत हैं तथा सरकार पल पल बदलते हालात पर नजर रखे हुए है। सरकार इसके अल्पकालिक, मध्य कालिक एवं दीर्घकालिक प्रभावों पर नजर रखने के लिए एक रणनीति के तहत काम कर रही है। मोदी ने कहा कि सरकार ने एक अंतर मंत्रालयी समूह बनाया है जो नियमित बैठक कर आयात-निर्यात में आने वाली बाधाओं का आकलन करता है। जैसे कोरोना महामारी के दौरान अलग अलग क्षेत्रों की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के विभिन्न समूह बने थे, वैसे ही सोमवार को सात नए समूहों का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये समूह गैस, महंगाई आदि विषयों पर विचार कर समाधान के लिए काम करेंगे।

खाड़ी में एक करोड़ भारतीयों की आजीविका चिंता का कारण

मोदी ने कहा कि खाड़ी के देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं, वहां काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एवं आजीविका भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का कारण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दुनिया के कई जहाज फंसे हुए हैं। उनमें भारतीय चालक दल की संख्या भी बहुत अधिक है तथा यह भी भारत की एक बड़ी चिंता का विषय है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने मोदी को किया फोन होर्मुज सुरक्षा पर की बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा कि भारत पश्चिम एशिया में जल्द से जल्द तनाव कम करने और शांति बहाल करने का समर्थन करता है।

ईरान के लिए अमेरिका की ओर से समयसीमा पांच दिन बढ़ाए जाने के एक दिन बाद ट्रंप ने मोदी को फोन किया। मोदी ने कहा, भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। होर्मुज का खुला, सुरक्षित और सुलभ रहना पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है। हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की। इस संबंध में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण पोत परिवहन मार्ग को खुला रखने के महत्व पर विचार-विमर्श किया। गोर ने सोशल मीडिया पर कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की अभी बातचीत हुई। उन्होंने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने का महत्व भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोई विवरण साझा किए बिना यह भी कहा कि संघर्ष के पूर्ण और समग्र समाधान के लिए अमेरिका तथा ईरान के बीच सार्थक बातचीत हुई है।

अशोगापुर सामूहिक हत्याकांड में तीन दोषियों को उम्रकैद

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- पीड़ितों को 17 साल बाद मिला इंसाफ, अवैध संबंधों की रंजिश में दिया था सामूहिक हत्याकांड को

अमृत विचार : खीरी थाना क्षेत्र के अशोगापुर गांव में वर्ष 2008 में हुए दिल दहला देने वाले सामूहिक हत्याकांड में आखिरकार 17 साल बाद न्याय मिला है। अवैध संबंधों की रंजिश में घर को घेरकर दंपती, बेटा और दो बेटियों समेत छह लोगों की गला घोटकर हत्या के बाद छप्पर वाले घर में आग लगाकर शव फूंक देने के मामले में लखीमपुर की एडीजे (अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश) अशोक कुमार दुबे की अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक दोषी पर आठ-आठ हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए अभियुक्तों में मंगूलाल, सत्यनारायण और रमेश शामिल हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना के पीछे अवैध संबंधों को लेकर गहरी रंजिश थी। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से पीड़ित परिवार के छप्परनुमा मकान में रात के समय घेरकर उसमें मौजूद सभी छह लोगों की गला घोटकर हत्या के बाद सामूहिक हत्याकांड को हादसे का रूप देने के लिए घर में आग लगा दी थी। आग इतनी भीषण थी कि घर में मौजूद सभी छह लोगों के शव बुरी तरह से झुलस गए थे।

सामूहिक हत्याकांड के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था और पूरे जिले में आक्रोश फैल गया था। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। अभियोजन पक्ष ने ठोस साक्ष्य और गवाह पेश किए। इसके आधार पर अदालत ने तीनों को दोषी मानते हुए सख्त सजा सुनाई।

सामूहिक हत्याकांड में इनकी हुई थी मौत

- छन्नूलाल (घर का मुखिया)
- छन्नूलाल की पत्नी
- रोहित (छन्नूलाल का पुत्र)
- रोहिनी (छन्नूलाल की पुत्री)
- मोहिनी (छन्नूलाल की दूसरी पुत्री)
- रेखा (ओमप्रकाश की विधवा पत्नी)

प. एशिया पर सर्वदलीय बैठक आज

- रक्षामंत्री राजनाथ करेंगे बैठक की अध्यक्षता, राहुल गांधी नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली। सरकार ने प. एशिया संकट पर चर्चा करने के लिए बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक बुधवार शाम पांच बजे बुलाई गई है। उन्होंने बताया कि बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर सकते हैं और विदेश मंत्री एस जयशंकर के भी इसमें मौजूद रहने की उम्मीद है।

इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि वह सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि उनका केरल में एक कार्यक्रम पहले तय है। विपक्ष ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वक्तव्य के बाद इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक की मांग उठाई थी। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दल पश्चिम एशिया युद्ध और इसके भारत पर प्रभाव को लेकर सरकार से लगातार सवाल कर रहे हैं। राज्यसभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

रेलवे टिकट 8 घंटे पहले कैंसिल करने पर ही रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी

रेल मंत्री ने मंगलवार को टिकट क्षेत्र में सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि ट्रेन के प्रस्थान करने के आठ घंटे पहले तक कंफर्म टिकट रद्द करने पर कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा, जबकि वर्तमान में यह नियम चार घंटे का है। मंत्री ने बताया कि पुनर्भुगतान का नया नियम इस साल एक से 15 अप्रैल के बीच लागू होगा।

उन्होंने बताया कि टिकट रद्दीकरण के अन्य नियमों में भी बदलाव किया गया है। अब ट्रेन के प्रस्थान करने से 24 घंटे से आठ घंटे पहले टिकट रद्द करने पर केवल 50 प्रतिशत राशि का पुनर्भुगतान किया जाएगा जबकि वर्तमान में यह अवधि 12 घंटे से चार घंटे है। इसी प्रकार, ट्रेन के प्रस्थान करने के समय से 72 से 24 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर टिकट की कुल राशि में से 25 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। संशोधित नियमों के तहत ट्रेन के प्रस्थान से 72 घंटे से अधिक समय पहले किए गए टिकट रद्दीकरण पर प्रति यात्री एक निश्चित राशि काटने के बाद पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। वर्तमान नीति के तहत ट्रेन के प्रस्थान करने से 48 से 12 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर कुल राशि में 25% की कटौती होती है, जबकि 48 घंटे से अधिक पहले किए गए रद्द करने पर पूरी राशि वापस कर दी जाती है। वैष्णव ने कहा कि कालाबाजारी और एजेंटों द्वारा अंतिम समय में टिकट की बिक्री को हतोत्साहित करने के लिए पुनर्भुगतान नियमों में बदलाव किया जा रहा है।

- चार घंटे का नियम खत्म, ट्रेन छूटने के 30 मिनट पहले बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे

पारदर्शिता — योगी ने लांच किया निवेश मित्र 3 .0, उद्योगों को दिए 2781 करोड़ रुपये इंसेंटिव, कहा, 50 हजार रोजगार का मार्ग प्रशस्त

वैश्विक अनिश्चितता के बीच यूपी बना भरोसेमंद निवेश गंतव्य : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में उत्तर प्रदेश निवेश और उद्योग के लिए सबसे सुरक्षित व भरोसेमंद गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने निवेशकों के बढ़ते भरोसे को प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कहा कि बीते नौ वर्षों में पारदर्शी नीतियों, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते यूपी की छवि पूरी तरह बदली है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को लोकभवन में 'निवेश मित्र 3.0' सिंगल विंडो सिस्टम के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान 85 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कंफर्ट और एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट के आधार पर 2781 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई। साथ ही 62 कंपनियों को एलओसी जारी किए गए, जिनके माध्यम से करीब 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश और 50 हजार रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा। 'निवेश मित्र 3.0' उद्योग स्थापना को अधिक सरल, पारदर्शी और तेज बनाएगा। इसमें एआई चैटबॉट, रियल-टाइम ट्रैकिंग, जीआईएस लैंड बैंक और एंड-टू-एंड डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे निवेशकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी सेवाएं मिल सकेंगी। 43 से अधिक विभागों की 530 सेवाओं को समेकित कर 200 से कम सेवाओं में बदल दिया गया है, जिससे प्रक्रिया अधिक सुगम और समयबद्ध हो गई है। सीएम ने बताया कि प्रदेश में निजी बिजनेस पार्क नीति लागू कर औद्योगिक विकास को नई गति दी जा रही है। प्लग-एंड-प्ले मॉडल के तहत निवेशक आसानी से उद्योग स्थापित कर सकेंगे, जिसमें सरकारी भूमि उपलब्ध कराने के साथ पारदर्शी रेवेन्यू शेयर व्यवस्था लागू होगी। साथ ही 'स्किल कनेक्ट' और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल के माध्यम से उद्योगों को कुशल मानव संसाधन और नए उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह भी बताया, 2012 से 2017 के बीच जहां मात्र 16 एलओसी जारी हुए थे, वहीं पिछले नौ वर्षों में यह संख्या बढ़कर 3367 हो गई है, जो निवेश में आए बड़े बदलाव को दर्शाता है।

उद्योगों को 2781 करोड़ रुपये इंसेंटिव व लेटर ऑफ कंफर्ट देते मुख्यमंत्री योगी।

अपराधी-माफिया दुस्साहस करेगा तो यमराज का टिकट

कानून-व्यवस्था पर सख्त रुख दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उद्योगों के संचालन में किसी भी प्रकार की बाधा या अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराधी या माफिया यदि दुस्साहस करते हैं तो वे अपने लिए "यमराज का टिकट" स्वयं काटते हैं। मुख्यमंत्री ने कानपुर की 'लाल इमली' मिल का उदाहरण देते हुए कहा कि पूर्व में गलत नीतियों और ट्रेड यूनियन के भ्रष्टाचार के कारण उद्योग बंद हुए, वर्तमान सरकार ने सकारात्मक माहौल दिया।

न्यूज ब्रीफ

मां-बेटी और बेटे को पीटा, एफआईआर

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम बिठौराकलां निवासी पुष्पा देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 23 मार्च को सुबह छह बजे गांव के ही आनंद,विनोद व कौशल्या,रामेश्वर गाली गलौज कर रहे थे। उसकी पुत्री ज्योति व कमलेश ने विरोध किया तो आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट की। बचाने पर आरोपियों ने उसकी भी पिटाई कर दी। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर ली रंगदारी

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी निवासी अजीत गुप्ता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका 18 वर्षीय पुत्र यश गुप्ता को सुशांत धवन एससीएसटी एक्ट के मुकदमे का भय दिखाकर रूपये ऐंठता है। आरोप है कि 15 हजार रुपये की मांग की और धमकी दी। डर के कारण उसने 15 हजार रूपये सुशांत के दोस्त निशांत को दे दिए। 18 मार्च को दोपहर दो बजे आरोपियों ने सात हजार रूपये की मांग की। आरोपियों को उसके पुत्र ने सात हजार रुपये दे दिए। पुलिस ने सुशांत,अनमोल और निशांत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला को पीटा

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव अलकथान की रहने वाली उषा देवी पत्नी विकास ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी एक वर्ष पूर्व विकास पुत्र सुरेश से हुई थी। विकास उसकी मां और बहन अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। आए दिन मारपीट की गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कोतवाली बीसलपुर के गांव बढ़ैपुरा निवासी रजनीश पुत्र धर्मपाल ने एक गिरोह बना रखा है। वह स्वयं गैंग का लीडर है, जबकि उसके गैंग के सदस्य थाना क्षेत्र के गांव उमरिया निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू व थाना बिलसंडा के गांव कैचुआ निवासी योगेंद्र है। यह तीनों अपराधिक प्रवृत्ति के हैं। उनकी आम शोहरत ठीक नहीं है।

चौकी इंचार्ज हटे न ही एफआईआर निरस्त, आश्वासन पर हुए संतुष्ट

व्यापारी और भाजपाई एसपी से मिले, जांच के बाद कार्रवाई का मिला आश्वासन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: नगर महामंत्री पर धोखाधड़ी की एफआईआर और दरोगा द्वारा अभद्रता किए जाने के विरोध में एक दिन पूर्व कोतवाली में भाजपा व व्यापारी नेताओं का धरना प्रदर्शन देर रात तक चला। दूसरे दिन भी इस मामले में न तो चौकी इंचार्ज पर कोई विभागीय कार्रवाई, न ही एफआईआर को निरस्त करने की मांग पूरी हुई। एसपी से हुई मुलाकात के बाद जांच कर कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर भाजपाई व व्यापारी नेता संतुष्ट हो गए। इधर, एसपी ने मामले की जांच के निर्देश भी दे दिए हैं।

बता दें कि सदर कोतवाली में एक ग्रामीण की ओर से भाजपा के नगर महामंत्री एवं व्यापारी नेता पीयूष अग्रवाल के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। आरोप था कि इस मुकदमे को लेकर जानकारी करने पर ठेका चौकी इंचार्ज ने नगराध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान से अभद्रता कर दी। नगर महामंत्री पर हुई एफआईआर निरस्त करने और चौकी इंचार्ज पर कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा व व्यापारी नेताओं का कोतवाली में धरना प्रदर्शन देर रात तक चला था। दूसरे दिन इस मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों से मुलाकात के बाद कार्रवाई के कयास लगाए जा रहे थे। मंगलवार को भाजपा नगराध्यक्ष और व्यापार मंडल संग एक प्रतिनिधि मंडल एसपी सुकीर्ति माधव से मुलाकात करने के लिए पहुंचा। इस दौरान कुछ साक्ष्य भी नगर महामंत्री की ओर से दिए गए और खुद को बेकसूर बताया। एसपी ने मुलाकात लगाए जा रहे समस्त आरोपों को लेकर निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। फिलहाल पूरे मामले की जांच एसपी के निर्देश पर शुरू करा दी गई है।

एसपी से मुलाकात करने पहुंचे भाजपा नगराध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह टहलानी व अन्य। ● अमृत विचार

नगर महामंत्री ने सौंपी पूर्व की आख्या

धोखाधड़ी के आरोप में घिरे भाजपा के नगर महामंत्री पीयूष अग्रवाल ने खुद को बेगुनाह बताते हुए कुछ प्रपत्र भी पुलिस अधिकारियों को दिए। उनका कहना है कि इस मामले में पूर्व में जब आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। उस वक्त ठेका चौकी इंचार्ज भी यही थे। उस वक्त जो जांच आख्या उनकी ओर से लगाई गई थी, उसमें साफ दर्शाया गया था कि आवेदन द्वारा लिखित में दिया गया है कि वह कोई कार्रवाई नहीं चाहता। अब अचानक एफआईआर दर्ज कर दी गई है। उन्होंने इसके पीछे कोई साजिश और छवि धूमिल करने की भी आशंका जताई।

- नगर महामंत्री पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद कोतवाली में हुआ था हंगामा

"इस पूरे मामले को लेकर मंगलवार को एसपी से मुलाकात की गई है। इसमें सभी बिंदुओं को अधिकारियों के समक्ष रखा गया है। हमें 48 घंटे के भीतर निष्पक्ष जांच कराते हुए कार्रवाई का आश्वासन मिला है।
– **इंद्रेश सिंह चौहान**, नगराध्यक्ष भाजपा

मामला संज्ञान में है। प्रतिनिधि मंडल ने आकर मुलाकात की है। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर अग्रिम निर्णय लिया जाएगा।
– **सुकीर्ति माधव**, एसपी

क्रिकेट को लेकर मारपीट मामले में रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : क्रिकेट को लेकर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस दूसरे पक्ष की तहरीर पर जांच कर रही है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चंदोई निवासी दो पक्षों में क्रिकेट को लेकर मारपीट हुई थी। मारपीट में दोनों पक्षों के तीन लोग घायल हो गए थे। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया था। इस मामले में एक पक्ष के कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिरसा निवासी हरप्रीत कौर पत्नी गुरसेवक ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें कहा कि 23 मार्च को उसके पति घर के बाहर खाली प्लाट में बच्चों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे। तभी चंदोई गांव निवासी इसरार अहमद,इकरार अहमद,इरफान अहमद व मुन्ना लाठी,डंडे,बांका और सब्बल लेकर आ गए और गाली गलौज करने लगे। क्रिकेट खेलने का विरोध करने लगे। विरोध करने पर आरोपी उसके पति गुरसेवक पर हमलावर हो गए। बीच बचाव करने पर आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। भीड़ एकत्र होने पर आरोपी परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

माखन चोरी लीला का प्रसंग सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

कथा सुनने के लिए पहुंचे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बिलसंडा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव जादौपुर नथा में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। पांचवें दिन मंगलवार को कथा व्यास सदगुरू देव महाराज ने भक्तों को श्री कृष्ण जन्मोत्सव और माखन चोरी की लीला का प्रसंग सुनाया।

बताया कि भगवान कृष्ण का जन्म जनकल्याण और मथुरा के अधर्मी राजा कंस के उद्धार के लिए हुआ था।भगवान कृष्ण ने बाल रूप में कई लीलाएं की।जिसने वह सभी का मन मोह लिया करते थे। माखन चोरी की लीला मनमोहक वर्णन सुन भक्त भाव विभोर हो उठे। भगवान श्रीकृष्ण को मारने के लिए कंस ने जितने भी राक्षसों को भेजा उनका भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल्यकाल में ही उद्धार कर दिया। बृजवासियों को गोवर्धन पर्वत पूजा करने के लिए भगवान कृष्ण ने मनाया। जिस पर इंद्र नाराज हो जाते है और बृज में घनघोर मूसलाधार बरसात करते हैं।बृजवासी घबराकर भगवान कृष्ण को याद करते हैं। भगवान कृष्ण अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लेते हैं। सभी बृजवासी पर्वत के नीचे शरण लेते है। इस प्रकार भगवान कृष्ण देवराज इंद्र का घमंड तोड़ते हैं। पांचवें दिन भागवत पूजन के बाद प्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन हुआ। इस मौके पर ग्राम प्रधान संजय पांडेय, धीरज शर्मा, राकेश शर्मा, महेश चंद्र, बैजनाथ, छोटेलाल, विनोद कश्यप, सीताराम, भगवान दास, राकेश, मोहित, रजनीश, अभिषेक, हरिओम आदि मौजूद रहे।

मलखम्ब-पाइका अखाड़ा का किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : गोस्वामी मॉम्स प्राइड स्कूल में मंगलवार को वार्षिक परीक्षा फल वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल, प्रबंधक निशांत गोस्वामी, संरक्षिका सोनिया गोस्वामी ने मां शारदा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई।

कक्षा छह से ग्यारह तक के बच्चों ने हमारा देश हमारा अभिमान विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। मलखम्ब और पाइका अखाड़ा का प्रदर्शन किया गया। दीक्षांत समारोह की ड्रेस पहनकर बच्चों ने रैंप वॉक की। कक्षा छह में श्रेया सिंह, अलीजा नूर, हर्षिका सिंह, वैष्णवी मिश्रा, अनामिका सिंह, मोहम्मद कैफ अंसारी, कक्षा सात में अयान उल हक, कनिष्क सिंह, मिनहाज हुसैन अंसारी, पाखी लोधी, मेहुल गंगवार, वैष्णवी, कक्षा आठ में सारिका शर्मा, कंगना शर्मा, आराध्या, ओझा, जायबा, तजमीन फातिमा, पूजा सिंह, कक्षा नौ कॉमर्स में निगाह फातिमा, अलिश्बा, अनमता, आदि का उत्कृष्ट स्थान रहा। संरक्षिका सोनिया गोस्वामी ने कहा कि परिणाम केवल अंक नहीं होते, बल्कि मेहनत और प्रयास का प्रतीक होते हैं। जो छात्र सफल हुए हैं, वे आगे भी मेहनत जारी रखें। इस मौके पर जया घोष, विष्णु प्रिया, अक्षांशी, सारिका, इशिता, अपाला आदि मौजूद रहे।

छात्राओं के साथ सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल। ● अमृत विचार

कैंपों में बताए सुरक्षा और स्वावलंबन के गुर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मिशन शक्ति 5.0

- मैदना गांव में लगा कैंप, हेल्पलाइन नंबरों और कल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

अमृत विचार : मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत चल रहे अभियान के तहत मंगलवार को गांव मैदना समेत विभिन्न कार्यालयों में स्वावलंबन कैंपों का आयोजन किया गया। जिसमें आम जनमानस को विभिन्न हेल्प लाइन नंबरों की जानकारी देने के साथ महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जनपद में महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। डीएम और विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में महिला कल्याण विभाग द्वारा मंगलवार को गांव मैदना समेत विभिन्न स्थानों पर स्वावलंबन कैंपों का आयोजन किया गया। इन कैंपों में न केवल सुरक्षा के लिहाज से हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित होने के तरीके भी बताए गए। महिला कल्याण विभाग की हब टीम के जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह एवं अजीत सिंह के नेतृत्व में गांव मैदना में आयोजित शिविर में ग्रामीण महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। टीम ने उपस्थित जनसमूह को हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1098, 181, 1930 और 112 की उपयोगिता समझाई। जेंडर स्पेशलिस्ट ने जोर देकर कहा कि किसी भी विषम परिस्थिति में घबराने के बजाय इन नंबरों का सहारा लें। कैंप के दौरान पात्र लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में सखी वन स्टॉप सेंटर, डीसीपीयू, चाइल्ड लाइन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें भी सक्रिय रहीं।

गांव मैदना में महिलाओं एवं बालिकाओं को जानकारी देतीं हब टीम की सदस्याएं।

बुलडोजर चलाने के बजाय पुनर्वास की करें व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपीसीडा को औद्योगिक हब के लिए दी गई जगह पर बसे लोगों को घर खाली करने के लिए कराए गए अनाउंसमेंट के बाद से खलबली मची हुई है। पांच घरों पर चलाए गए बुलडोजर और 179 परिवारों को एक सप्ताह मे वहां से हटने के लिए कराई गई मुनादी का मामला उजागर होने के बाद मंगलवार को भाकपा माले का चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भरा पचपेड़ा पहुंचा और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

बता दें कि अमरिया तहसील क्षेत्र के भरा पचपेड़ा में करीब दो हजार एकड़ जमीन सरकार ने उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (यूपीसीडा) को दी है। उस जमीन के कुछ हिस्से में कई दशकों से भूमिहीन लोग बसे हुए हैं। उनको पिछले साल भी हटाने की कवायद शुरू हुई थी लेकिन कई परिवार हाईकोर्ट चले गए थे। इसके बाद बीते दिनों यूपीसीडा की ओर से एक सप्ताह में जगह खाली कराने के लिए मुनादी कराई गई थी। आरोप है कि पांच घरों पर बुलडोजर भी चला। हालांकि एसडीएम ने बाद में मुनादी बंद करा दी थी। मंगलवार को भाकपा माले के नेता पहुंचे। जिला सचिव देवाशीष राय ने कहा कि वहां लोग चार दशक से बसे हैं। 179 परिवार वहां ऐसे हैं जो पूरी तरह भूमिहीन हैं। उनके पास रहने की कोई दूसरी जगह नहीं है। मांग की गई कि औद्योगिक विकास गरीबों के घरों पर बुलडोजर चला कर नहीं किया जाना चाहिए। उन्हें पहले दूसरी जगह बसाया जाना चाहिए। अगर बिना दूसरी जगह बसाए किसी को हटाया जाता है तो भाकपा माले आन्दोलन करेगी। बुधवार को इसे लेकर पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल डीएम से मुलाकात करेगा। इस मौके पर पार्टी जिला अफरोज आलम, एडवोकेट शम्स विकास, सुभाष आदि थे।

भरा पचपेड़ा के परिवारों से मुलाकात करते भाकपा माले नेता। ● अमृत विचार

- भरा पचपेड़ा पहुंचकर परिवारों से मिले भाकपा माले नेता, आज डीएम से होगी मुलाकात

दो किशोरियां और एक युवती लापता

पीलीभीत, अमृत विचार : अलग अलग स्थानों से दो किशोरियां और युवती लापता हो गई। थाना जहानाबाद क्षेत्र की महिला ने सदर कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री 19 मार्च की शाम पांच बजे अपनी मौसी के घर से अपने घर जाने की बात कहकर निकली थी। उसे शाहजहांपुर के फुलवा गांव का सुदीप फुसलाकर ले गया। उधर, शहर की एक महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 17 मार्च को उसकी 18 वर्षीय पुत्री को अज्ञात युवक ले गया है। पुत्री घर में रखे जेवरात भी ले गई। वहीं, अमरिया थाने में क्षेत्र की महिला ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री को 14 जनवरी को गांव का अजय फुसलाकर ले गया। आरोपी के पिता रमेश,मां मुनिया व संजू ने सहयोग किया। पुत्री घर से 35 हजार रुपये और जेवरात ले गई है। पुलिस ने तीनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज की है।

न्यूज डायरी

बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने का करें प्रयास

पीलीभीत, अमृत विचार : स्प्रिंगडेल कॉलेज में पेरेंट्स टीचर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य स्कूल और अभिभावकों के बीच बेहतर तालमेल बिठाना और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक साझा रणनीति तैयार करना रहा। निदेशक डॉ. हेमन्त जगोता, प्रधानाचार्या प्रिया आनंद, उपप्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार यादव शामिल हुए। कहा कि बच्चे के विकास में घर और स्कूल दोनों की भूमिका बराबर होती है। शिक्षिका उपमा सक्सेना, मुस्कान, तनिष्क, तसविया, वर्षा ने अभिभावकों को नए सत्र के पाठ्यक्रम, मूल्यांकन पद्धति और आधुनिक शिक्षण विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों को मोबाइल से दूर रखने का प्रयास करें।

किशोरियों को बताए तनाव से निपटने के उपाय

अमरिया, अमृत विचार : सुचेतना समाज सेवा संस्था के आशादीप सेंटर अमरिया द्वारा उड़ान परियोजना के अंतर्गत अमरिया एवं तुमड़िया क्षेत्र की किशोरियों के लिए तनाव प्रबंधन विषय पर एक जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें किशोरियों को व्यक्तिगत जीवन में तनाव के कारणों, उसके प्रभाव और उससे निपटने के प्रभावी तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सिस्टर नेन्सी ने बताया कि किस प्रकार तनावग्रस्त व्यक्ति स्वयं को इस समस्या से बाहर निकाल सकता है। उन्होंने मानसिक संतुलन बनाए रखने, आत्मविश्वास बढ़ाने और दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलावों के माध्यम से तनाव मुक्त रहने के उपाय भी साझा किए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कम्युनिटी मोबिलाइज़र अशोक कुमार, बाबूराम, करीब 45 किशोरियों ने प्रतिभाग किया।

स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल घोषित कर किया वितरण

पीलीभीत, अमृत विचार : बल्लभनगर कॉलोनी स्थित लॉर्ड कृष्णा स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल घोषित व वितरित किया गया। प्रबंधक सनी दीक्षित, प्रधानाचार्य रोजी दीक्षित ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया। नन्हे मुन्ने छात्रों ने खूब आनंद उठाया। सभी कक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए। कक्षा एक में अथर्व गंगवार ,अपूर्व आरव ,आनंद सिंह, लव गंगवार, कक्षा दो में अरुण गंगवार, जानवी राजपूत ,इशिता मौर्य, फरमान खान, कक्षा तीन में रितिक मौर्य, प्रिंस वर्मा, कक्षा चार में जानवी ,अनाया, सूर्य प्रताप सिंह, कक्षा पांच में अनुष्का मौर्य, सिद्धि शर्मा, शोभित गंगवार, कक्षा छह में अमृत कुमार प्रजापति, आराध्या राठौर, कक्षा सात में रश्मि सिंह, काव्या गंगवार, कक्षा आठ में अभय प्रताप, श्रेयांश शर्मा प्रथम रहे। सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

विजेता छात्र-छात्राओं को मिली बेंगलुरू ट्रिप

पीलीभीत, अमृत विचार : राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने पर बेसिक शिक्षा परिषद के दो स्कूलों के छात्र छात्राओं को बैंगलोर की सैर पर शासन स्तर से भेजा गया। इसे लेकर छात्र ऋतिक, छात्रा प्रशा के घर में खुशी का माहौल रहा। ललौरी खेड़ा ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल बरहा के छात्र रितिक और बिलसंडा ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल नौगवां संतोष की छात्रा प्रशा के लिए यह गर्व की बात रही। दोनों ने जिला स्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दोनों विजेताओं को बेंगलुरु में चार दिवसीय अंतरिक्ष ऐजेंसी इसरो (भारतीय आंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) व अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के भ्रमण के लिए भेजा है। शैक्षिक भ्रमण के लिए शिक्षक संतोष कुमार खरे के साथ 24 मार्च को इंडिगो फ्लाइट द्वारा ले जाया गया। बीएसए रोशनी सिंह ने छात्र रितिक और छात्रा प्रशा व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बाल वाटिका कार्यक्रम में दी रंगारंग प्रस्तुति, पुरस्कृत

कार्यक्रम में पुरस्कृत किए गए बच्चे। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बे में स्थित पीएमश्री प्राथमिक विद्यालय नंबर दो में मंगलवार को बाल वाटिका कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत बाल विकास परियोजना अधिकारी मूर्ति देवी एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय बरखेड़ा की प्रधानाध्यापिका पूनम पांडेय के द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की गई।

प्रधानाध्यापिका गीता रानी, शालिनी वर्मा के द्वारा अतिथियों को बैच लगाकर सम्मानित किया गया। बच्चों के द्वारा वाल वाटिका मे गीत, कविता एवं टीएलएम के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी। नन्हे मुन्ने बच्चों के कार्यक्रम को सभी ने खूब सराहा। विद्यालय प्रबंध समिति उपाध्यक्ष श्याम सिंह, वार्ड सभासद प्रवेश कुमार जोशी, बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया। प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत कर विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने भरी हुंकार, 21 अप्रैल को कोषागार के सामने देंगे धरना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक में आठवें वेतन आयोग से पेंशनर्स को अलग रखने के प्रस्ताव पर पुरजोर विरोध किया गया है। इसको लेकर प्रधानमंत्री को हस्ताक्षरयुक्त सामूहिक याचिका फार्म भेजने और 21 अप्रैल को कोषागार के सामने धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

विकासखंड मरौरी के सभागार में मंगलवार को संघ अध्यक्ष हशमुद्दीन खां की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में वक्ताओं ने आठवें वेतन आयोग से पेंशनर्स को अलग रखने के प्रस्ताव पर कड़ा रोष जताया। कहा गया कि सरकार पेंशनर्स के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि आठवें वेतन आयोग का लाभ पेंशनर्स को मिलना उनका हक है, जिससे उन्हें वंचित रखना अन्यायपूर्ण है। पेंशनर्स ने अपनी मांगों के समर्थन में एकजुटता दिखाते हुए आगामी 21 अप्रैल को प्रस्तावित अखिल भारतीय धरने को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान सभी पेंशनर्स ने एक सामूहिक याचिका फॉर्म पर हस्ताक्षर किए। इस विरोध पत्र को प्रधानमंत्री जी को भेजा जाएगा, जिसमें पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं और वेतन आयोग से जुड़ी मांगों का उल्लेख किया गया है। पदाधिकारियों ने सभी से आह्वान किया कि 21 अप्रैल को कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार के सामने होने वाले धरने में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद करें। बैठक को हरदेव शर्मा, इरफान सागर, विद्युत विभाग के सेवानिवृत्त जेई अशोक शर्मा आदि ने संबोधित किया। संचालन मंत्री कप्तान सिंह ने किया। इससे पूर्व सेवानिवृत प्रधानाचार्य रमाकांत शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

मरौरी सभागार में बैठक को संबोधित करते पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी।

- आठवें वेतन आयोग से पेंशनरों को अलग रखने पर जताया विरोध

सप्तम कालरात्रि

मां दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की उपासना का विधान है। इस दिन साधक का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। देवी कालरात्रि को व्यापक रूप से माता देवी – काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, रुद्रानी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। देवी कालरात्रि की पूजा से शनिदोष खत्म होता है।

बीज मंत्र...

माँ कालरात्रि: क्लीं ऐं श्री कालिकायै नमः

शहर में आज

- नगर पालिका पीलीभीत समेत तीन स्थानों पर नामित सभासदों का शपथ ग्रहण सुबह 11 बजे से।
- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- गांधी प्रेक्षागृह में सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम दोपहर 03 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

पति समेत तीन के खिलाफ एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार : जनपद बरेली के थाना भुता क्षेत्र के गांव अंगदपुर खमरिया निवासी कलावती पत्नी अशोक शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री ममता देवी की शादी वर्ष 2011 में थाना बरखेड़ा क्षेत्र के गांव बर्रामऊ निवासी ओमकार पुत्र सुम्मेरलाल से हुई थी। दामाद ओमकार आए दिन मारपीट करता है। दो लाख रुपये और बाइक की मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित करते रहे। 20 मार्च को पति ओंमकार, सास राजकुमारी, देवर हरीश ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

महिला से छेड़छाड़ मामले में रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 मार्च को वह घर पर नहीं थे। उसकी मां पत्नी मौजूद थीं। रात करीब 12 बजे जब उसकी पत्नी सो रही थी, तभी गांव का ही युवक छत के रास्ते घर में घुस आया। पत्नी से छेड़छाड़ की। विरोध करने पर मारपीट की। आरोप है कि उसकी पत्नी के कुछ आपत्तिजनक फोटो भी युवक ने खींच लिए। कार्रवाई करने पर फोटो वायरल करने की धमकी दी। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

टाइगर रिजर्व में भी दिखने लगा पश्चिम-एशिया तनाव का असर

143 दिन के पर्यटन में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पहुंचे सिर्फ 160 विदेशी सैलानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पश्चिम-एशिया देशों के बीच चल रहे तनाव का असर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी दिखने लगा है। दरअसल, टाइगर रिजर्व में सात समंदर पार देशों से आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या घटने लगी है। टाइगर रिजर्व के 143 दिन के पर्यटन में अब तक 160 विदेशी सैलानी यहां पहुंचे हैं। हालांकि पर्यटन सत्र के शुरुआती 30 दिन विदेशी सैलानियों की आमद के लिहाज से काफी बेहतर रहे थे। इन 30 दिनों में 73 विदेशी सैलानी टाइगर रिजर्व आए थे। वन अफसर भी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं। हालांकि इसके पीछे कहीं न कहीं पर्यटन नियमों में बढ़ाई गई सख्ती को भी वजह माना जा रहा है।

तराई की गोद में बसा पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी जैवविविधता के लिए देश-दुनिया में मशहूर है। इस बार टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र बीते 01 नवंबर से शुरू हुआ था। पर्यटन सत्र के शुरुआती दौर में ही टाइगर रिजर्व सैलानियों से गुलजार है। जंगल की हरी-भरी वादियों के बीच स्थित इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच हर साल की तरह इस बार सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। पिछले पर्यटन सत्र की बात करें तो सैलानियों की आमद ने पिछले सारे पर्यटन सत्रों के रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। वहीं विदेशी सैलानियों की संख्या भी पिछले पर्यटन सत्रों की अपेक्षा सबसे ज्यादा रहीं थी। वर्तमान पर्यटन सत्र की बात करें तो विदेशी सैलानियों के आमद के लिहाज से शुरुआत काफी बेहतर रही। इटली समेत विभिन्न देशों से आने वाले सैलानियों की संख्या में काफी तेज से बढ़ोत्तरी देखी गई है। बीते 01 नवंबर से लेकर 30 नवंबर तक विभिन्न देशों के 73 विदेशी सैलानियों ने टाइगर रिजर्व पहुंचकर जंगल सफारी के साथ बाघों समेत अन्य वन्यजीवों के दीदार किए थे। दिसंबर में यह संख्या घटकर 20 पर पहुंच गई। जनवरी माह में महज 11 विदेशी सैलानी ही पहुंचे। हालांकि फरवरी में विदेशी सैलानियों की संख्या बढ़कर 45 पर पहुंच गई। इधर चालू माह मार्च की बात करे तो अब तक टाइगर रिजर्व में 11 विदेशी सैलानी यहां पहुंचे हैं। विदेशी सैलानियों की संख्या में कमी को कहीं न कहीं पश्चिम-एशिया देशों में चल रहे तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। फ्लाइटों पर रोक, रद्द आदि के चलते और तनाव की स्थिति के बीच सैर सपाटा करने से विदेशी सैलानी कतराने लगे हैं। वन अफसर भी इस बात को स्वीकारते हैं। हालांकि इसके पीछे पर्यटन नियमों में सख्ती की वजह भी माना जा रहा है। टाइगर रिजर्व में मोबाइल फोन ले जाने पर सख्ती के साथ प्रतिबंध लगाया जा चुका है। फिलहाल वन अफसरों को उम्मीद हैं कि पर्यटन सत्र की समाप्ति तक विदेशी सैलानियों की संख्या में इजाफा होगा।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भ्रमण को पहुंचे विदेशी सैलानी। (फाइल फोटो)।

- **पिछले सत्र में बाघों के दीदार को पहुंचे थे 452 विदेशी सैलानी**

> पीटीआर में विदेशी सैलानियों की संख्या में कमी आई है। यह स्थिति अन्य टाइगर रिजर्वों में भी हैं। उम्मीद हैं कि पर्यटन सत्र की समाप्ति होने तक इसमें बढ़ोत्तरी होगी। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

पर्यटन सत्र 2023-24 में 189 विदेशी सैलानी आए थे

पीलीभीत टाइगर रिजर्व बाघों की संख्या और टाइगर साइटिंग को लेकर विदेशी धरती पर अपनी अलग पहचान बन चुकी है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पीलीभीत टाइगर में आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में साल दर साल इजाफा देखा जा रहा है। बीते पर्यटन सत्र की बात करें तो 452 विदेशी सैलानियों ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचकर यहां की खूबसूरती देखने के साथ बाघ समेत वन्यजीवों के दीदार किए थे। जबकि पर्यटन सत्र 2023–24 में 189 विदेशी सैलानी यहां आए थे।

युवकों ने बाघ के पीछे दौड़ा दी कार घटना का वीडियो वायरल, मचा हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सुरक्षा और नियमों को ताक पर रखकर वन्यजीवों के साथ खिलवाड़ करने का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। पिछले दिनों बाघ को सफारी वाहन से घेरने का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि पूरनपुर-खटीमा मार्ग पर रात के अंधेरे में कुछ लोगों ने बाघ को न केवल परेशान किया, बल्कि उसके पीछे कार तक दौड़ा दी। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग के आला अधिकारियों में खलबली मच गई और मामले की जांच कराने की बात कही है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मंगलवार को वायरल हो रहा वीडियो पूरनपुर-खटीमा जंगल मार्ग का होना बताया जा रहा है। रात के अंधेरे में बाघ सड़क किनारे झाड़ियों से निकलकर मार्ग पार कर रहा था। इसी दौरान वहां से कुछ कार सवार भी गुजरे। बाघ को करीब से देखने और वीडियो बनाने की होड़ में कार सवारों ने वाहन को बाघ के बिल्कुल नजदीक सटा दिया। अचानक रोशनी और वाहन के शोर से बाघ असहज हो गया और सड़क पर आगे की ओर भागने लगा। इस पर कार सवारों ने भी कार की स्पीड बढ़ा दी और काफी दूर तक बाघ को दौड़ाया। इस पूरी घटना का पीछे आ रहे एक अन्य वाहन सवार ने वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो रहा है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद वायरल वीडियो की जांच की जा रही है।

जंगल मार्ग पर दौड़ रही कार से बचने का प्रयास करता बाघ। ● अमृत विचार

- **वायरल वीडियो में परेशान बाघ बचने की कोशिश करता दिख रहा**
- **वन विभाग के अधिकारियों में हड़कंप, जांच कराने की कही बात**

पीटीआर: शिकार के लिए बाघ ने भरी हुंकार, हिरन ने फुर्ती से दी मात

पीलीभीत, अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में इन दिनों बाघों की बढ़ती सक्रियता सैलानियों के लिए रोमांचित कर रही है। मंगलवार की सुबह जंगल सफारी पर निकले सैलानियों को ऐसा दुर्लभ नजारा देखने को मिला, जिसे देख सबकी सांसें थम गईं। झाड़ियों में घात लगाकर बैठे एक बाघ ने हिरन पर हमला बोल दिया। हालांकि, मौत को सामने देख हिरन ने ऐसी छलांग लगाई कि बाघ का दांव खाली चला गया। इसके बाद बाघ हिरन के पीछे काफी दूर से दौड़ा भी, मगर हिरन बाघ को चकमा देकर अपनी जान बचाने में कामयाब हो गया। इस रोमांचक दृश्य को देखकर सैलानी रोमांचित हो उठे और उन्होंने इस पूरी घटना को अपने कैमरों में कैद कर लिया। सैलानियों द्वारा बनाया गया यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

विद्यार्थियों ने देखी चीनी उत्पादन की बारीकियां

चीनी मिल का भ्रमण करते बच्चे। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: लायंस बाल विद्या मंदिर के कक्षा सात के विद्यार्थियों का प्रथम बैच मंगलवार को एलएच शुगर फैक्ट्री के शैक्षणिक भ्रमण पर गया। विद्यालय सोसाइटी की सचिव नीता मोदी के मार्गदर्शन में भ्रमण संपन्न हुआ। प्रधानाचार्य डॉ. एसके शर्मा ने भ्रमण की प्लानिंग कराई थी। उनका मानना है कि वास्तविक औद्योगिक परिवेश में जाकर सीखना बच्चों के मानसिक विकास के लिए अनिवार्य है। भ्रमण के दौरान बच्चों ने गन्ने की कटाई से लेकर चीनी के सूखने, छंटाई और एक से 50 किग्रा तक की पैकिंग प्रक्रिया को बारीकी से देखा। नक्षत्र गंगवार, आयुष शाक्य, अक्षत वर्मा, सक्षम वर्मा, हर्ष वर्मा, पीयूष आदि रहे।

1.25 लाख से अधिक कॉपियां चेक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपी बोर्ड की कॉपियों के मूल्यांकन ने रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को जीजीआईसी में करीब पांच विषयों की टेबिल समाप्त हो गई। दोनों केंद्रों पर मंगलवार को 26,925 कॉपियों का मूल्यांकन पूर्ण कर लिया गया है। अब दोनों केंद्रों पर सिर्फ 56,465 कॉपियां मूल्यांकन के लिए शेष रह गई है। एक अप्रैल तक मूल्यांकन समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

बता दें कि यूपी बोर्ड की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद 19 मार्च से मूल्यांकन शुरु कर दिया गया है। मूल्यांकन के लिए हर साल की तरह इस बार भी ड्रमंड कॉलेज में इंटरमीडिएट और जीजीआईसी में हाईस्कूल की कॉपियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। यहां दो मंडलों की कॉपियों भेजी गई है। हालांकि पिछले साल की तुलना इस बार कॉपियों की संख्या कम रही। इंटरमीडिएट की 77,852 कॉपियां अलॉट की गई थी। जिसमें से केंद्र पर 73,886 कॉपियों की खेप पहुंची। जिनका मूल्यांकन चल रहा है। मंगलवार को इस केंद्र पर 186 परीक्षक और 37 डीएचई ने 10,154 कॉपियों का मूल्यांकन पूर्ण किया।

अब इस केंद्र पर 48,661 कॉपियों का मूल्यांकन पूर्ण कर रिपोर्ट बनाकर बोर्ड को भेज दी गई है, जबकि यहां अभी 25,225 कॉपियां शेष बची है। जिनका मूल्यांकन एक अप्रैल तक पूरा करना होगा। इसी तरह जीजीआईसी केंद्र पर मंगलवार को 16,771 कॉपियों का मूल्यांकन पूर्ण कर लिया गया। इस केंद्र पर अभी तक कला, उर्दू, संगीत, सिलाई, गणित और सामाजिक की टेबिल समाप्त हो चुकी है। जिसकी सूचना भी बनाकर भेज दी गई है। इस केंद्र पर कुल 108042 कॉपियां अलॉट हुई थी। 76,802 कॉपियों का मूल्यांकन पूरा कर लिया गया। जबकि 31240 कॉपी शेष रह गई है। इधर, बोर्ड ने स्टेप मार्किंग लागू की गई है।

जिसमें गणित और विज्ञान जैसे विषयों में कई बार छात्र पूरा सवाल सही हल कर लेते हैं लेकिन आखिरी जोड़-घटाव या किसी छोटे स्टेप में गलती होने से उत्तर गलत आ जाता है। पहले इस पर पूरे नंबर कट जाते थे लेकिन अब नए नियम के बाद ऐसा नहीं होगा। अब सवाल पूरा गलत होने पर भी सही स्टेप के नंबर मिलेंगे। हालांकि अंग्रेजी और हिंदी की कॉपियों के मूल्यांकन में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। ताकि कोई कमी न रह जाए। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह की ओर से भी केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है।

- **मूल्यांकन ने पकड़ी रफ्तार, दोनों केंद्रों पर 26,925 कॉपियों का हुआ मूल्यांकन**

पति समेत नौ ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का केस

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने ससुरालियों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत नौ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली में दी गई तहरीर में मोहल्ला पटेलनगर निवासी श्रद्धा रानी पुत्री महेशचंद्र ने बताया कि उसकी शादी 27 नवंबर 2025 को तिलहर शाहजहांपुर के मधुवन कॉलोनी निवासी दीपांशु आर्य से हुई थी। ससुरालियों ने रिश्ता तय होने के दौरान पचास लाख रुपये की मांग रखी थी। वार्ता चली और फिर 30 लाख में रिश्ता करने को तैयार हुए। कुछ समय बाद ही ससुरालियों ने बीस लाख रुपये प्लॉट के लिए लाने की मांग रख दी। 3 फरवरी को मारपीट कर प्रताड़ित किया। तलाक देने की धमकी दी गई। चार फरवरी को मारपीट कर कार से लाए और फिर धक्का देकर चले गए। बीस फरवरी को मायके वाले ससुराल गए और सुलह का प्रयास किया। मगर ससुरालियों ने इनकार कर दिया। कोतवाली पुलिस ने मामले में मोहल्ला बनवारीपुर मधुवन कॉलोनी के निवासी दीपांशु आर्य, दीपरतन आर्य, शशिप्रभा आर्य, सोनम, दीपमाला, अजीत कुमार, आर्यन, रामलाल और बीएसएनएल कॉलोनी बरेली निवासी अजय कुमार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज की है।

- **20 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को बेघर करने का मामला**

धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

पीलीभीत, अमृत विचार : मरौरी ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल टाहपौटा में मंगलवार को वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसकी शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई गई। बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद के प्रतिनिधि हरेंद्र कुमार बतौर अतिथि शामिल हुए।

बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। इसे देख स्टाफ और अभिभावक ने सराहना की। ग्राम प्रधान रामबेटी, विधायक प्रतिनिधि और प्रधानाध्यापक अजय कुमार ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले नौ छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। शैक्षिक सत्र 2025- 26 में स्कूल में शत प्रतिशत उपस्थिति देने वाले 18 छात्र, छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। पुरातन छात्रों को भी आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की बेहतरीन प्रस्तुति देने पर स्कूल प्रबंधन की ओर से पुरस्कार बांटे गए। इस मौके पर एआरपी सोमेश वर्मा, राकेश कुमार, सोनू वर्मा, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष दयाराम, उपाध्यक्ष सोमवती, अरुण शर्मा, सत्येंद्र कुमार, गौरव गुप्ता, रविंद्र कुमार, आशारानी, मीनाक्षी, वंदना देवी, प्रगति जैसवार, विनीता देवी, मनीष आदि मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती छात्राएं। ● अमृत विचार

निरीक्षण में लापरवाही मिलने पर नोटिस जारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: डीएम के गोशाला निरीक्षण के दौरान मिली लापरवाही पर प्रधान सचिव समेत चार को नोटिस जारी किया गया है।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बीते सोमवार को पूरनपुर ब्लाक की हरीपुर मुस्तकिल फुलहर स्थित मां गोमती आदर्श पर्यटन गोशाला का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अधिकांश गोवंशों की हालत बेहद कमजोर पाई गई। पाया गया कि संबंधित पशु चिकित्सक द्वारा गोवंशों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण नहीं किया जा रहा है। हरे चारे की जगह गोवंशों को सूखा चारा खिलाया जा रहा था। जानकारी पर पता चला कि हरा चारा बोने के लिए जमीन ही नहीं है। गोशाला परिसर में सफाई व्यवस्था भी बेहतर नहीं पाई गई थी। जिस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। इधर गोशाला में मिली अनियमितताओं पर संबधित ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, लेखपाल और संबंधित पशु चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जारी नोटिस में निर्धारित समयावधि के अंदर जवाब दाखिल करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि गोवंशों के हरा चारा बोने के लिए जमीन चिन्हित करने, तीन शेड का निर्माण कराने और गोशाला की सफाई व्यवस्था विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

जनपदीय शूटिंग प्रतियोगिता 29 से

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनपद में दो साल बाद जिला राइफल क्लब की जनपद स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता होने जा रही है। पुलिस लाइन शूटिंग रेंज में 29 मार्च से शुरू होने वाली इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में पहली बार 12 वर्ष से कम आयु के बच्चे भी एयरगन के माध्यम से भाग ले सकेंगे। शूटिंग प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। यह जानकारी सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने मंगलवार को हुई प्रेस कांफ्रेस में दी।

सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता 29 मार्च से शुरू होगी। इसमें .22 बोर राइफल प्रतियोगिता, .32 बोर रिवाल्वर-पिस्टल प्रतियोगिता, 12 बोर ट्रेप शूटिंग प्रतियोगिता होगी। शूटिंग में पहली बार अंडर-12 बच्चों को भी शामिल किया जा रहा है। जो एयरगन के माध्यम से प्रतिस्पर्धा में शामिल हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता कैटेगरी वाइज होगी। पहली कैटागिरी में जनप्रतिनिधियों एवं राजपत्रित अधिकारी होंगे। इसके अलावा खुली स्पर्धा, सीनियर सिटीजन, बालक-बालिकाएं एवं महिलाएं हिस्सा ले सकेंगी। इसमें गेस्ट के लिए भी एक कैटागिरी बनाई गई हैं। प्रत्येक इवेंट में प्रतिभाग करने के लिए 500 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। जबकि छात्र-छात्राओं, अंडर-12 बच्चों एवं महिलाओं के लिए 100 रुपये एवं राइफल क्लब के सदस्यों के लिए 200 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों के लिए इंट्री फार्म के साथ आधार कार्ड की फोटो कॉपी जमा करना अनिवार्य किया गया है, साथ ही प्रतियोगिता से संबंधित शर्तों का अनुपालन किया जाना अनिवार्य होगा। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर शूटिंग रेंज में तैयारियां शुरू करा दी गई हैं।

प्रेस कांफ्रेंस में शूटिंग प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते सिटी मजिस्ट्रेट।

- **पुलिस लाइन शूटिंग रेंज में होगी तीन दिवसीय प्रतियोगिता, सिटी मजिस्ट्रेट ने की प्रेस कांफ्रेंस**

बर्खास्त संविदा कर्मी के खिलाफ दो और एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सीएमओ कार्यालय से बर्खास्त संविदा कर्मी अरुण कुमार मौर्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। बर्खास्ती के बाद दो मुकदमें दर्ज होने के बाद अब सुनगढ़ी में दो और एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिसमें एक शिकायतकर्ता ने प्लाट दिलाने के नाम पर पिता-पुत्र पर 10.80 लाख की ठगी का आरोप लगाया, जबकि दूसरी में सीएमओ कार्यालय के सहायक शोध अधिकारी ने पारिवारिक समस्या बताकर पूरे परिवार पर 15 लाख करने का आरोप लगाया है। दोनों मामलों में एसपी के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई है।

सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला छत्रपति शिवाजी कॉलोनी निवासी प्रशांत गंगवार ने एसपी के आदेश पर सुनगढ़ी में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शहर के मोहल्ला नई बस्ती मौर्या मेडिकल स्टोर के स्वामी रमाकांत मौर्य और उनके बेटे अरुण कुमार मौर्य ने प्लाट दिलाने का सौदा तय हुआ है। इसके एवज 50 हजार रुपये ऑनलाइन के माध्यम से दिए गए थे। इसके बाद उसके पिता रमाकांत मौर्य के कहने पर पीड़ित ने उसे किस्त के माध्यम से कुल 10.80 लाख रुपये दे दिए। मगर इसके बाद भी आरोपियों ने प्लाट उनके नाम नहीं किया। कई माह तक आरोपी टालमटोल करते रहे। इसके बाद पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई तो आरोपियों ने थाने में रुपये वापस करने का एग्रीमेंट दे दिया। मगर इसके बाद भी रुपये वापस नहीं किए गए। इतना ही नहीं अब आरोपियों ने धमकाना शुरु कर दिया। अब इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं दूसरी एफआईआर सीएमओ कार्यालय में तैनात सहायक शोध अधिकारी पीयूष कुमार सिंह ने भी दर्ज कराई गई।जिसमें कहा गया कि विभाग में कार्यरत होने के दौरान आरोपी अरुण कुमार मौर्य ने पारिवारिक समस्या बातते हुए 15 लाख रुपये उधार लिए थे। इसके बाद आरोपी टाल मटोल करने लगा। जब विरोध किया तो आरोपी ने 7.52 लाख रुपये जून 2025 तक वापस कर दिए। उसके बाद बहाना बताकर टाल दिया। शेष 7.47 लाख रुपये मांगे तो आरोपी टाल मटोल कर दी गई। 20 अगस्त 2025 के उसके मेडिकल स्टोर पर गया तो उसकी पत्नी नीतू मौर्य ने अप्रैल मई तक पूरा पेमेंट करने का आश्वासन दिया। पेमेंट न देने पर उसके पिता रमाकांत मौर्य और भाई अभिनव मौर्या ने कृष्ण लोक कॉलोनी में स्थित प्लाट दे देंगे या फिर अलीगंज रोड पर स्थित प्लाट बेचकर रुपये चुका देंगे। आरोपी अरुण की पत्नी बरेली के फरीदपुर में शिक्षिका के पद पर कार्यरत है। इसके बावजूद भी आरोपी उसके नाम से नीतू इंटरप्राइजेज से फर्म खोलकर कई विभाग में काम भी किया है। इस ठगी में परिवार षडयंत्र में शामिल है। पीड़ित की तहरीर पर पिता रमाकांत मौर्य, अरुण कुमार मौर्य, पत्नी नीतू मौर्य और भाई अभिनव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि दोनों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की है। विवेचना करा रहे हैं।

- **कार्यालय के साथी से 15 लाख रुपये की ठगी का आरोप**
- **एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज पिता, पत्नी और भाई भी शामिल**

जिला जजी में रामनवमी का अवकाश 27 को

पीलीभीत, अमृत विचार : उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल ने जनपद के सभी न्यायाधीशों को मंगलवार को पत्र भेज कर अवगत कराया है कि जनपद न्यायालय में रामनवमी पर्व का अवकाश अब शुक्रवार 27 मार्च को रहेगा। 26 मार्च गुरुवार को जिला जजी में विधिवत अदालती कामकाज होगा। जनपद न्यायाधीश रविंद्र कुमार ने उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में 26 मार्च को जिला जजी, मुंसिफ न्यायालय बीसलपुर एवं ग्राम न्यायालय पूरनपुर में कार्य दिवस एवं 27 मार्च को अवकाश घोषित किया है।

दहेज उत्पीड़न के तीन मामलों में रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : दहेज उत्पीड़न के तीन मामलों में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भूरे खां की निवासी उमरा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी आठ अप्रैल 2025 को मोहल्ले के ही आमिर खां पुत्र साबिर खां से हुई थी। पति, सास नूर अफसां,ससुर साबिर खां,देवर जरताब,देवरानी फारिया ने दहेज में कार और 10 लाख रूपये की मांग पूरी न होने पर मारपीट कर 10 मार्च को ससुराल से निकाल दिया। उधर, मोहल्ला बाग गुलशेर खां निवासी सुधा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह 2007 में मोहल्ले के सुमित कुमार से हुआ था। 11 मार्च को पति ने कारोबार करने के लिए 10 लाख रुपये की मांग की। मांग पूरी न होने पर पीटा। इसके अलावा मोहल्ला फीलखाना की परवीन ने बताया कि उसका निकाह तीन साल पूर्व इमरान से हुआ था। पति समेत अन्य ससुरालियों ने 20 मार्च को मारपीट कर घर से निकाल दिया। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि तीनों मामलों रिपोर्ट दर्ज कर जांच करा रहे हैं।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

टेंडर का खेल : शासन ने कमिश्नर को बनाया गया जांच अधिकारी

जिला स्तर पर कराई कमेटी की जांच में मिल चुकी है गड़बड़ी, निरस्त हुए थे टेंडर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिला अधिकारी की ओर से भेजी गई जांच रिपोर्ट का अब शासन स्तर ने लिया संज्ञान

अमृत विचार : जिला पंचायत में बीते साल हुए टेंडर के खेल का मामला एक बार फिर गरमाता दिख रहा है। डीएम की ओर से भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर अब शासन स्तर से प्रक्रिया को गति दी गई है। शासन ने आयुक्त बरेली मंडल को जांच अधिकारी नामित किया गया है। ऐसे में खलबली मच गई है। फिलहाल अब जल्द ही एएमए पर शासन स्तर से शिकंजा कसने की उम्मीद जताई जा रही है।

बता दें कि बीते साल जिला पंचायत से करीब 25 करोड़ लागत के 95 कार्यों से जुड़े टेंडर को लेकर ई-निविदाएं आमंत्रित की गई थी। इस टेंडर प्रक्रिया पर उस वक्त सवाल उठ गए थे जब 27 नवंबर को जिला पंचायत के दर्जनों पंजीकृत ठेकेदारों ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से संयुक्त रूप से शिकायत की। आरोप लगाया था कि नियम शर्तों का उल्लंघन किया गया। चंद मिनट के भीतर ही टेक्निकल और फाइनेंशियल बिड खोल दी गई। जिस इंजीनियर के डोंगल का इस्तेमाल किया गया, वह उस दिन अवकाश पर था। शासन स्तर पर भी इसकी शिकायत की गई थी। डीएम के निर्देश पर सीडीओ की अगुवाई में गठित कमेटी ने जांच की। कमेटी की जांच में सामने आया था कि जिला पंचायत द्वारा टेंडर की प्रक्रिया में अभियंता जिला पंचायत के अवकाश पर होने के उपरांत भी 25 नवंबर 2025 को वित्तीय बिड खोलने के लिए संबंधित अभियंता का डोंगल लगाया गया, जोकि नियम विरुद्ध है। 95 निर्माण कार्यों की ई-निविदा की तकनीकी बिड बिना परीक्षण किए ही तत्समय ही स्वीकृत करते हुए वित्तीय बिड खोल दी गई। जबकि 95 निर्माण कार्यो की तकनीकी बिड के परीक्षण के लिए पर्याप्त समय लगता। कम समय में ही परीक्षण करना, कमेटी ने संदेहास्पद प्रतीत होना बताया। ठेकेदार द्वारा पांच लेबर का पंजीकरण लगाकर शपथ पत्र दिया गया है, जबकि 10 लेबर का पंजीकण होना चाहिए, जो औचित्यपूर्ण न होने की बात कही। इतना ही नहीं ये भी निकलकर सामने आया कि ई-निविदा से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रिया का जो सारांश प्रस्तुत किया गया, उसमें समिति के सदस्यों के हस्ताक्षर न होकर मात्र अपर मुख्य अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। टेंडर प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण मानते हुए निरस्त कर दिया गया था और फिर पुनः टेंडर हुए थे। इस मामले में अपर मुख्य अधिकारी धर्मेंद्र पर कार्रवाई की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। अब इस मामले में शासन स्तर से कार्रवाई को गति जल्द मिल सकती है। विशेष सचिव जय प्रकाश पांडेय ने डीएम की ओर से भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर अपर मुख्य अधिकारी धर्मेंद्र कुमार पर उत्तर प्रदेश जिला पंचायत सेवा नियमावली 170 के सुसंगत नियमों के तहत अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित करने और जांच कार्यवाही के संपादन के लिए आयुक्त बरेली मंडल को जांच अधिकारी नामित किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि जल्द ही इस मामले में शासन स्तर से एक्शन लिया जा सकेगा। फिलहाल मामले को लेकर खलबली मची है।

एक ठेकेदार ने फरवरी माह में कराई थी एफआईआर

जिला पंचायत में उक्त टेंडरों में किए गए खेल की नवंबर माह में शिकायत जिला प्रशासन से लेकर शासन स्तर तक कर दी गई थी। वहीं, एसपी के आदेश सदर कोतवाली में पूरनपुर के मथना जप्ती के रहने वाले ठेकेदार पवनदीव सिंह की ओर से एफआईआर भी दर्ज की गई थी। जिसमें संबंधित ठेकेदार का आरोप था कि टेंडर प्रक्रिया में खेल करने और चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए फर्जी हस्ताक्षर के स्टांप का भी इस्तेमाल किया गया था।

एग्जीबिशन में लगाए स्टॉल, खेल प्रतियोगिताएं भी हुई

पीलीभीत, अमृत विचार : नारी शक्ति क्लब पूरनपुर की ओर से एक बरात घर में एग्जीबिशन का आयोजन किया। एक ही छत के नीचे खरीदारी, मनोरंजन और संस्कृति का अनूठा अनुभव प्रदान किया।

बनारस, लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, रामपुर, रुद्रपुर, पीलीभीत और लखीमपुर सहित विभिन्न शहरों से आए वेंडर्स ने स्टॉल लगाए। समर बुटीक कलेक्शन, आकर्षक ज्वैलरी, भगवान के वस्त्र, घरेलू मसाले एवं विविध प्रकार के स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों की भरपूर वैरायटी रही। इसकी शुरुआत राष्ट्रगान के साथ कराई। इस मौके पर सविता खंडेलवाल, मोनिका गुप्ता, अर्चना सिंघल, स्मिता गुप्ता, दीपिका गुप्ता ने फन गेम्स आयोजित किए और विजेता पुरस्कृत किए गए। नगर पालिका अध्यक्ष पूरनपुर शैलेन्द्र गुप्ता, उनकी पत्नी कल्पना गुप्ता, क्लब की संस्थापक मिंटी मंडेर, डॉ. सुगंध अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

गोकशी : हल्का इंचार्ज पर गिरी गाज, निलंबित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बीसलपुर कोतवाली में दर्ज की गई एक और एफआईआर

अमृत विचार: बीसलपुर में गोकशी की घटनाओं को लेकर लापरवाही सामने आने पर दरोगा पर गाज गिरी। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हल्का इंचार्ज को निलंबित कर दिया है। वहीं, एक अन्य एफआईआर भी कोतवाली बीसलपुर में दर्ज की गई है।

बता दें कि बीते दिनों बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चौसरा से होकर गुजरी रजवाहा के पास खेत में गोवंशीय पशु के अवशेष मिले थे। इसकी सूचना सोशल मीडिया पर किए गए ट्वीट के माध्यम से मिली थी। 22 मार्च को पुलिस ने कुछ अवशेष बरामद किए थे और उनके पुराना होने की बात कही गई थी। इस मामले में बीसलपुर कोतवाली में दरोगा पुष्पेंद्र सिंह की ओर से अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। दूसरे दिन कुछ संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता पहुंचे और सादिया वादिया लाडपुर गांव में गन्ने के खेत में गोवंश के अवशेष पड़े होने की बात कही। इसे लेकर नाराजगी जताई गई। वहीं, पुलिस पूर्व में मिले अवशेषों का हवाला देकर कार्रवाई की बात कहती रही। इसे लेकर कुछ बहस भी हुई। जिसके बाद कोतवाली बीसलपुर में बिलसंडा के ग्राम बमरौली निवासी गौरव शुक्ला की ओर से अज्ञात के खिलाफ दूसरी रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इधर, गोकशी की घटना को लेकर पुलिस की लापरवाही भी उजागर हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने हल्का प्रभारी दरोगा पुष्पेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है। एसपी ने बताया कि इस मामले में हल्का प्रभारी को निलंबित किया गया है। मामले में कार्रवाई कराई जा रही है।

महिला के सिर में ईंट मारकर घायल करने के मामले में एफआईआर दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव मरौरी निवासी सुमन पत्नी धर्मेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 मार्च की सुबह आठ बजे वह अपना पानी वाला मोटर चला रही थी। तभी परिवार की ही देवरानी गगन पत्नी लखविंदर ने गाली गलौज की। विरोध करने पर सिर में ईंट मार दी। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

नगरिया के पास देवहा नदी किनारे मगरमच्छ दिखने से ग्रामीणों में दहशत

अमरिया, अमृत विचार : क्षेत्र की नगरिया कॉलोनी के पास देवहा नदी किनारे विशाल मगरमच्छ निकला। कुछ ही देर में लोग जमा हो गए। मगरमच्छ का फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वहीं, कुछ देर बाद मगरमच्छ नदी किनारे बैठा दिखा और फिर वापस नदी में चला गया। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है।

नौवां ग्रेजुएशन डे मनाया, दिखा उत्साह

कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : शैमरॉक किरन स्कूल में नौवां ग्रेजुएशन डे मनाया गया, जिसमें प्राइमरी क्लास में जाने वाले बच्चों को डिग्री के साथ सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के फाउंडर किरन सक्सेना , डॉ .पीएन सक्सेना, डॉ .आस्था कंचन, डायरेक्टर हर्ष कंचन और प्रधानाचार्या अदिति सक्सेना थे। डायरेक्टर हर्ष कंचन ने कहा कि फाउंडेशन ही बच्चों का बेस है और इसी में बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने बच्चों को आगे आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। प्रधानाचार्या अदिति सक्सेना ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया। बच्चों को सर्टिफिकेट्स देकर सम्मानित किया गया।

छठे नवरात्र पर की मां कात्यायनी की आराधना

संवाददाता, पीलीभीत

निरंजन कुंज कॉलोनी स्थित माता महा मातेश्वरी देवी मंदिर में भजन करतीं महिलाएं।

- यशवंतरी देवी मंदिर में भी उमड़ने लगी भीड़, शुरू होगा झंडी का सिलसिला

अमृत विचार : नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना को लेकर शहर से लेकर देहात तक श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और जयकारों व मंत्रोच्चार से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना की।

मंगलवार को नवरात्र के छठे दिन मां दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। घरों और देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने साफ-सफाई कर माता की ज्योति प्रज्वलित की और विधिवत पूजन किया। मातारानी की कृपा प्राप्ति के लिए भक्तों ने काले तिल अर्पित कर जलाभिषेक किया। सुबह होते ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लग गया। माता यशवंतरी देवी मंदिर, निरंजन कुंज कॉलोनी स्थित माता महामातेश्वरी देवी मंदिर और गोदावरी स्टेट कॉलोनी के दुर्गा मंदिर में दर्शन के लिए लंबी कतारें देखी गईं। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए मां कात्यायनी का पूजन किया। पूजा-अर्चना के दौरान मंदिरों में मां के जयकारे और मंत्रों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने सच्चे मन से मां की आराधना कर अपनी मनोकामनाएं मांगीं। शाम के समय मंदिरों और घरों में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जहां महिलाएं भजनों पर झूमती नजर आईं। इसके बाद विधिवत आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया। जैसे-जैसे दुर्गा अष्टमी नजदीक आ रही है, मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और बाहरी जिलों के श्रद्धालुओं की भीड़ तेजी से बढ़ रही है। इसको लेकर मंदिर कमेटी ने भी तैयारियां पूरी कर ली है। साथ ही झंडी का सिलसिला भी शुरु हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ी संख्या में श्रद्धालु झंडी चढ़ाने के लिए मइया के दरबार पहुंच रहे हैं। इधर,पंडित यशराज मिश्रा ने बताया कि इस बार 26 मार्च को अष्टमी और नवमी 27 मार्च को मनाई जाएगी।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
डॉ. दीपक माहेश्वरी MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

एआई पर आधारित कार्यशाला हुई

पीलीभीत, अमृत विचार : उपाधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में करियर काउंसलिंग सेल के तत्वावधान में नाइलिट द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव और भविष्य की संभावनाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता नाइलिट से विशेष मिश्रा रहे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि वर्तमान युग तकनीक का है। एआई हमारे जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने भविष्य में रोजगार के अवसरों और एआई के माध्यम से कौशल विकास की बारीकियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर प्राचार्य डॉ.दुष्यंत कुमार, डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्रा, डॉ. अनुपम कुमार, डॉ. दिवाकर सिंह, डॉ. राखी मिश्रा, डॉ. कविता कनौजिया, मुकुल कुमार आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में 11 बिंदुओं पर किया विचार

बैठक में मौजूद क्षेत्र पंचायत सदस्य। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचार : ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक मंगलवार को हुई। पूर्व मंत्री रामशरन वर्मा, ब्लॉक प्रमुख अशोक शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके शुरुआत कराई। 11 बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया।

ब्लॉक सभागार में हुई बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रगति पर विचार, पेयजल हैंड पंप मरम्मत रिवर नलकूपों के संचालन एवं अन्य जल स्रोतों की स्थिति, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की गति, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की गति व स्वास्थ्य बाल विकास पशुपालन विभाग शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति पर विचार किया गया। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी राहुल गंगवार, संतोष वर्मा, सचिन कुमार, जाकिर अली, राहुल पुष्कर आदि मौजूद रहे।

लोकतंत्र की रक्षा सबका कर्तव्य संवैधानिक मूल्यों को न भूलें

कार्यक्रम में मौजूद अतिथि, प्रवक्ता व अन्य। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचार : विकसित भारत युवा संसद के तहत युवा संगम महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने आपातकाल पर गहन चिंतन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्षा श्रुति गंगवार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके कराई।

श्रुति गंगवार ने कहा कि युवा पीढ़ी ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की कुंजी है। अपनी आवाज़ को मजबूत कीजिए और संविधान के मूल्यों को कभी न भूलिए। एक उच्चकोटि का निर्णायक मंडल गठित किया गया था। इसमें डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. पूनम सक्सेना, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. विपिन नीरज और मोहित शर्मा शामिल रहे। महाविद्यालय की प्राचार्य अलका मेहरा ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

लखनऊ में कार्यशाला में शामिल हुए स्काउट-गाइड

लखनऊ में कार्यक्रम में शामिल पीलीभीत के स्काउट-गाइड।

पीलीभीत, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में हुआ। इसकी शुरुआत राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कराई। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश के प्रादेशिक मुख्यायुक्त डॉ. प्रभात कुमार, उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त किन्जर सिंह,विशेष सचिव लोक निर्माण विभाग अमित आश्रय, अध्यक्ष आईटीआरसी राहुल बलुजा व अपर आयुक्त परिवहन विभाग उपस्थित रहे। इसमें जनपद से जिला संगठन आयुक्त गाइड शालिनी पांडे,जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट सचिन सक्सेना व आईटी कॉर्डिनेटर अभिषेक प्रजापति ने प्रतिभाग किया।

दिव्या बनीं एक दिन की डीआईओएस

डीआईओएस कार्यालय में पद पर आसानी छात्रा दिव्या। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत मंगलवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की कक्षा 12 की छात्रा दिव्या को एक दिन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) बनाया गया।

मिशन शक्ति फेज-05 के द्वितीय चरण के अंतर्गत बालिकाओं को प्रमुख पदों पर बैठाकर उन्हें प्रशासनिक कार्यों का अनुभव कराने की योजना चलाई जा रही है। इसी क्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार ने छात्रा दिव्या को एक दिन के लिए अपने पद पर आसीन किया। दिव्या ने डीआईओएस कार्यालय पहुंचकर विभिन्न पटलों का निरीक्षण किया और शिक्षा विभाग के काम-काज की जानकारी ली। साथ ही कार्यालय में आने वाली समस्याओं को भी सुना। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझते हुए अपने अनुभव साझा किए। छात्रा ने बताया कि एक दिन के लिए अधिकारी बनना उनके लिए गर्व का क्षण रहा और यह अनुभव उनके जीवन में प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने इस पहल के लिए प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जीजीआईसी की प्रधानाचार्या अनीता देवी सहित कार्यालय के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

चोरी की बाइक के साथ दो युवक गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि बिना नंबर प्लेट की संदिग्ध बाइक पर दो युवक रामपुर की ओर आ रहे हैं और उसे बेचने की योजना बना रहे हैं। पुलिस टीम ने रपटा पुल के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर दोनों को बाइक समेत पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम कलामुद्दीन (19) निवासी धोबहा बाजार और सहबाज (20) निवासी दिनपुरवा कोतवाली सदर बताया। सख्ती करने पर स्वीकार किया कि उन्होंने बाइक करीब चार माह पहले हरियाणा के पानीपत से चोरी की और अब बेचने के लिए निकले थे। जांच पर पता चला कि वाहन पानीपत निवासी सुनील पुत्र इंदर सिंह का है, जिसकी चोरी की रिपोर्ट थाना सिटी पानीपत में दर्ज है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया।

बैंकों में रुकीं फाइलें, कैसे हों उद्योग स्थापित

युवा उद्यमी विकास अभियान का हाल: 579 आवेदकों की फाइलें किसी न किसी वजह से बैंकों में लंबित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से युवाओं को रोजगार की स्थापना कराने पर प्रदेश सरकार जोर दे रही है। आवेदक भी आगे आए, लेकिन बैंकों में फाइलें लटक रही हैं। जिले में 945 लाभार्थियों के आवेदनों की फाइलें बैंक को भेजी जा चुकी हैं। इसमें बैंक ने 367 को स्वीकृति देते हुए 176 को लोन दे दिया है, जबकि 579 फाइलें किसी न किसी वजह से बैंकों में लंबित हैं। बैंकों से फाइलों में कमियां निकालकर उसे निरस्त कर देते हैं, जिससे उद्योग स्थापना की मंशा से आगे आए आवेदक मायूस हो रहे हैं।

जिले में रोजगार की स्थापना के लिए प्रदेश सरकार ने योजना के तहत एक हजार युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य दिया है। इस अभियान के तहत बिना ब्याज पांच लाख रुपये तक का लोन देने की सुविधा है। कोई भी युवा इस योजना के तहत लोन लेकर अपना कारोबार शुरू कर सकता है। योजना की जानकारी लगते ही आवेदन आने लगे। 945 आवेदन आए, जिन पर विचार करने के बाद ये फाइलें संबंधित बैंकों को भेज दी गईं।

बैंक के अधिकारियों के अनुसार, इन आवेदनों में जो व्यवसाय अंकित किया जाता है, आवेदक उससे इतर दूसरे मद में रुपये खर्च करने की अनुमति चाहते हैं। इसके अलावा ज्यादातर आवेदन एजेंटों के माध्यम से भरवाए गए होते हैं, जिससे वह सभी कॉलम आवेदक के हिसाब से नहीं, बल्कि अपने हिसाब से जानकारी भर देते हैं। यही वजह है कि आवेदन निरस्त अथवा पेंडिंग कर दिया जाता है।

यही वजह है कि 945 आवेदनों में से सिर्फ 367 आवेदन स्वीकृत किए गए, जबकि 176 को लोन दे दिया गया। लोन मिलने के बाद इन लोगों ने अपना अपना कारोबार भी शुरू कर दिया है। करीब 579 फाइलें बैंक में लंबित हैं। इन फाइलों को मंजूरी मिले तो रोजगार की स्थापना हो सकेगी।

जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र भवन।

स्वीकृत फाइलों का जल्द होगा ऋण वितरण

विभागीय जानकारों की मानें तो मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जो फाइलें स्वीकृत हुई हैं, उनको ऋण वितरण इस सप्ताह किया जा सकता है।

- जिले में रोजगार की स्थापना के लिए प्रदेश सरकार ने एक हजार युवाओं को लाभान्वित करने का दिया है लक्ष्य

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से एक हजार लोगों को लाभ देने का लक्ष्य है। लक्ष्य के सापेक्ष 945 आवेदन आ चुके हैं। सभी फाइलें बैंक भेजी जा चुकी हैं, जिन फाइलों में कुछ कमियां हैं, उन्हें दुरुस्त कराकर जल्द ही लोन स्वीकृत कराया जाएगा। – **उज्ज्वल सिंह**, जिला उद्योग अधिकारी।

युवा उद्यमी हों या फिर किसी योजना के लाभार्थी, उनकी फाइलों को प्राथमिकता के आधार पर कमियां दूर कराकर ऋण दिलाने के लिए लीड बैंक मैनेजर सहित सभी शाखा प्रबंधकों से वार्ता की गई है। कुछ आवेदकों को इसी सप्ताह लोन बांटे जा सकते हैं। –**अभिषेक कुमार**, सीडीओ।

किसी वजह से ही आवेदन निरस्त किया जाते हैं। यदि आवेदक की सिविल खराब है या जांच पड़ताल में यह बात सामने आई कि लोन लेने की मंशा कुछ और दर्शाई गई हैं, जबकि है कुछ और तो उसे निरस्त कर दिया जाता है। ऐसे आवेदनों पर पुन: विचार भी नहीं हो पाता। यदि पत्रावली संबंधित कोई कमी है तो उसे दुरुस्त कराकर लोन स्वीकृत कर दिया जाता है। –**अजय पांडेय**, एलडीएम।

छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेले की तैयारियां तेज

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: 28 मार्च से शुरू होने वाले ऐतिहासिक चैती मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। नगर पालिका का कार्यालय अस्थाई रूप से 26 मार्च गुरुवार को मेला मैदान स्थित कार्यालय में शिफ्ट हो जाएगा, जहां से चैती मेला तक नगर पालिका परिषद और मेले का संचालन होगा। मेला मैदान में तमाम प्रकार के झूले, दुकाने लगने लगी हैं।

छोटी काशी के 121वें ऐतिहासिक चैती मेला की तैयारी तेजी से हो रही हैं। मेला मैदान में दुकानदारों को व्यवस्थित ढंग से स्थान आवंटित किया जा रहा है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, जिला और तहसील स्तरीय अधिकारियों के साथ मेला स्थल का पहले ही निरीक्षण कर सुरक्षा और सुगमता पर ध्यान केंद्रित कर लिया है।

28 मार्च शनिवार को मेले का उद्घाटन होना है, उससे पूर्व 26 मार्च गुरुवार को नगर पालिका का कार्यालय अस्थायी रूप से मेला मैदान स्थित कार्यालय में पूजन कर शिफ्ट हो जाएगा, जहां से चैती मेला तक नगर पालिका परिषद और मेले का संचालन किया जाएगा।

मेला मैदान में आकाशी झूला, मौत का कुआं, नाव वाला झूला, ड्रैगन झूला सहित विभिन्न प्रकार के झूले लगना शुरू हो गए हैं। 16 अप्रैल गुरुवार तक इस बार 20 दिन तक चलने वाले ऐतिहासिक चैती मेले के लिए पर्यटन एवं संस्कृति विभाग से 40 लाख रुपए का बजट पास किया गया है, जिससे मेले की व्यवस्थाएं अब और अधिक व्यवस्थित, आकर्षक और दर्शनीय होंगी। ऐतिहासिक चैती मेला को लेकर नगर के साथ दूर दराज से आने वाले लोगों में उत्साह है।

गोला के मेला मैदान में आकाशी झूला की फिटिंग करते कारीगर।

- मेला मैदान कार्यालय से संचालित होगी नगर पालिका
- 26 मार्च को पूजन कर अस्थायी रूप से होगा संचालन

रसोई गैस पर दोहरी मार, न घर पहुंचाने की सेवा न छूट का लाभ

संवाददाता, संपूर्णानगर

- संपूर्णानगर में उपभोक्ताओं से मनमानी वसूली के आरोप

अमृत विचार: क्षेत्र में रसोई गैस उपभोक्ताओं पर इन दिनों दोहरी मार पड़ रही है। एक ओर गैस की किल्लत और मारामारी है, तो दूसरी ओर एजेंसी संचालक उपभोक्ताओं को मिलने वाली छूट राशि भी नहीं दे रहे हैं। इससे आम लोगों में भारी नाराजगी है।

मामला संपूर्णानगर स्थित भारत गैस एजेंसी का है, जहां उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी नहीं मिल रही है। लोगों को मजबूरन एजेंसी या गोदाम तक जाकर सिलेंडर लेना पड़ रहा है। इसके बावजूद उन्हें नियमों के अनुसार मिलने वाली लगभग 23 रुपये की छूट राशि भी वापस नहीं की जा रही है। ग्राहकों का कहना है कि घंटों लाइन में लगने के बाद भी उन्हें पूरा भुगतान करना पड़ता है और छूट का लाभ नहीं मिलता। इससे साफ है कि छूट की यह राशि एजेंसी संचालक की जेब में जा रही है। रोजाना सैकड़ों सिलेंडर की बिक्री होने से यह रकम काफी बड़ी हो जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, एजेंसी की ओर से घर-घर गैस पहुंचाने की व्यवस्था लगभग बंद कर दी गई है। एक स्थान पर वाहन खड़ा कर वहीं से सिलेंडर वितरण किया जा रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी असुविधा हो रही है। बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एजेंसी पर कार्यरत कर्मचारी भी उपभोक्ताओं की समस्याओं के प्रति उदासीन नजर आ रहे हैं। फोन करने पर जवाब नहीं दिया जाता, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ रही है।

एजेंसी के सामने गाड़ी खड़ी कर सिलेंडर वितरित करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

138 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त, प्रधान सम्मानित

स्वास्थ्य कर्मचारी को पुरस्कृत करते सीडीओ अभिषेक कुमार व सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- विश्व क्षयरोग दिवस पर कलेक्ट्रेट में हुआ सम्मान समारोह

अमृत विचार: राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने की, जिसमें 138 ग्राम पंचायतों के प्रधानों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

समारोह में सदर विधायक योगेश वर्मा, धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता, एसीएमओ डॉ. आरएम गुप्ता एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. प्रमोद रावत सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान 138 ग्राम पंचायतों के प्रधानों को उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि 5 टीबी मरीजों को पोषण पोटली दी गईं। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि शासन की योजनाओं को गांव-गांव पहुंचाने के लिए प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। निश्चय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को इलाज अवधि तक प्रतिमाह हजार रुपये उनके खाते में दिए जा रहे हैं।

अधिवक्ता संघ चुनाव की नामांकन प्रक्रिया पूरी

पलिया कलां, अमृत विचार: तहसील अधिवक्ता संघ के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अब चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। 6 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए 23 और 24 मार्च को नामांकन दाखिल किए गए।

अध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट श्रीष द्विवेदी, अफसर अली खान और जीवन प्रकाश मेनरो के बीच मुकाबला होगा। वहीं कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कमलेश कुमार और राजीव सिंह आमने-सामने हैं। मंत्री पद के लिए सतीश कुमार सिंह और अरुण कुमार अवस्थी के बीच सीधी टक्कर है।संयुक्त मंत्री पद पर शेखर नाग, शशिकांत और परविंदर भार्गव चुनाव मैदान में हैं। कोषाध्यक्ष पद के लिए उपेंद्र राणा और मनोज कुमार राठौर आमने-सामने हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर संजय कुमारी और बसंत कुमार प्रजापति चुनाव लड़ रहे हैं। गवर्नर काउंसिल कनिष्ठ के दो पदों के लिए हेमंत कुमार मानक, दुर्गा प्रसाद तिवारी और आमिर हुसैन मैदान में हैं।

परिवहन विभाग ने 48 बसों का पंजीयन किया निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- 15 साल पुराने स्कूली वाहनों पर की सख्त कार्रवाई
- विद्यालयों को नोटिस जारी कर संचालन पर लगाई रोक

अमृत विचार: बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। एआरटीओ शांति भूषण पांडे ने 15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके स्कूली वाहनों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए उनके पंजीयन निलंबित कर दिए हैं। साथ ही संबंधित विद्यालयों को नोटिस जारी कर तत्काल प्रभाव से इन वाहनों के संचालन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

एआरटीओ शांति भूषण पांडे ने जांच में पाया कि विभिन्न स्कूलों के कुल 48 स्कूली वाहन निर्धारित आयु सीमा पार कर चुके थे। नियमों के अनुसार 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों का स्कूली परिवहन में उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है, क्योंकि इससे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा बना रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने यह कार्रवाई की है। एआरटीओ ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों का पंजीयन निलंबित किया गया है, उनका संचालन किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए। यदि इसके बावजूद कोई विद्यालय ऐसे वाहनों को सड़क पर चलाता हुआ पाया गया, तो संबंधित प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए हैं कि वे मानकों के अनुरूप सुरक्षित और फिटनेस प्रमाणित वाहनों का ही उपयोग करें। साथ ही सभी स्कूली वाहनों की नियमित जांच, ड्राइवरों के दस्तावेजों की वैधता और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

निलंबित वाहनों का संचालन हुआ तो प्रबंधन पर होगी रिपोर्ट दर्ज

एआरटीओ शांति भूषण पांडे का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों का पंजीयन निलंबित किया गया है, उनका संचालन किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए। यदि इसके बावजूद कोई विद्यालय ऐसे वाहनों को सड़क पर चलाता हुआ पाया गया, तो संबंधित प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

इन स्कूलों के वाहनों का पंजीयन किया गया निलंबित

अजमानी इंटरनेशनल स्कूल के दो वाहन, एलीड मिशन पब्लिक स्कूल, कॅरियर कान्वेंट स्कूल, डीडीजी डीन मेमोरियल स्कूल, दून इंटरनेशन एसएस स्कूल, दून पब्लिक स्कूल, डॉ. भीमराव आंबेडकर टीके महाविद्यालय, इरा बाल विद्या मंदिर, फैथ एकेडमी, गौतम बुद्ध पब्लिक स्कूल, गोल्डेन फ्लावर पब्लिक स्कूल, गुरु हरिकिशन एजूकेशनल इंस्टीट्युट, हसनैन इंटर कॉलेज, इंडियन एकेडमी, केदार सिंह मेमोरियल, एजूकेशनल, महाराजा अग्रसेन एकेडमी, महारानी पब्लिक स्कूल, आक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के तीन वाहन, पीटीआई क्रिष्ट एकेडमी, पॉल इंटरनेशनल स्कूल, एडमॉन्टन पब्लिक स्कूल, आरबीएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल, आरएन इंटरनेशनल स्कूल, एस बाबा सिंह पब्लिक स्कूल, सरदार पाल सिंह कॉनवेंट आदि स्कूलों की 48 बसों का पंजीयन निलंबित किया।

न्यूज ब्रीफ

विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी

मोहम्मदी, अमृत विचार : कम्पोजिट विद्यालय शिवनगर के प्रधानाध्यापक ने बताया कि सोमवार की रात चोरों ने पहले मुख्य गेट का ताला तोड़ने का प्रयास किया। जब गेट का ताला नहीं टूटा तो चोर दीवार कूदकर अंदर दाखिल हुए और कार्यालय का ताला तोड़कर वहां रखी इन्वर्टर बैटरी समेत अन्य सरकारी सामान चोरी कर ले गए। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी विद्यालय में कई बार चोरी हुई है और असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की है। पुलिस ने तहरीर लेने के बाद जांच शुरू कर दी है।

स्कूल में हुआ मिशन शक्ति कार्यक्रम

पसगवां, अमृत विचार : प्राथमिक विद्यालय उदयपुर में मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कोतवाली पसगवां से उप निरीक्षक कमला प्रसाद सरोज, कांस्टेबल देवेश कुमार, महिला कांस्टेबल रेनू और कविता ने बच्चों व महिलाओं को मिशन शक्ति से जुड़ी हुई अनेक सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। सभी से सभ्य, स्वस्थ ,सबल और निर्भीक नागरिक बनकर मिशन शक्ति को सफल बनाने के लिए अनुरोध किया। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ हरेंद्र वर्मा, एकता अग्रवाल, आनंद सिंह ,रसोइया एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहे। बच्चों ने कविताएं भी सुनाईं।

श्री मद्भागवत कथा का समापन

बिलहरी, अमृत विचार : कुंभी ब्लॉक के गांव नौगमा में नवरात्र के उपलक्ष्य में माता दुर्गा जी के पौराणिक मंदिर पर सात दिवसीय श्री मद्भागवत व दुर्गा सप्तशती की कथा का समापन हो गया। नौगमा मंदिर पर फर्खाबाद की कथा व्यास साध्वी रश्मी सरस्वती और कथा व्यास शिव सिंह ने सात दिवसीय संगीतमयी श्री मद्भागवत व माता दुर्गा के जन्म और महिशासुर के वध की कथा भक्तो को श्रवण करायी। कथा के आयोजक ग्राम प्रधान सुशील वर्मा और राम सिंह यादव ने कन्याओं को भोज के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया, जिसमें तमाम लागों ने प्रसाद ग्रहण किया।

दो मजदूरों पर झपटा तेंदुआ, ग्रामीणों ने बंधक बनाया

गन्ने के खेत में काम कर रहे थे दोनों मजदूर, ग्रामीणों की बहादुरी से बची बबलू व रामनरेश की जान

संवाददाता, मझगईं

घटना स्थल पर लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

तेंदुए के हमले में घायल मजदूर।

तेंदुए के हमले में घायल मजदूर।

अमृत विचारः वन रेंज मझगई क्षेत्र के बेला कलां में मंगलवार दोपहर गन्ने के खेत में काम कर रहे दो मजदूरों पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। इससे दोनों घायल हो गए। हमले से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि, ग्रामीणों की बहादुरी और एकजुटता के चलते न सिर्फ दोनों मजदूरों की जान बचाई जा सकी, बल्कि तेंदुए को भी मौके पर ही काबू कर लिया गया। इस दौरान वन विभाग और ग्रामीणों के बीच काफी नोकझोंक भी हुई। वन विभाग ने घायलों को उपचार के लिए 10-10 हजार रुपये दिए हैं।

गांव बेलाकलां में वेदराम मौर्य के खेत के पास लोहरा निवासी बबलू (38) पुत्र सुन्दर और रामनरेश (44) पुत्र पूरन गन्ने की गुड़ाई कर रहे थे। दोपहर के समय खेतों के पास घनी झाड़ियों में छिपा तेंदुआ अचानक बाहर निकला और दोनों मजदूरों पर झपट पड़ा। हमले की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि दोनों मजदूर संभल नहीं पाए और गंभीर रूप से घायल हो गए। मजदूरों की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे अन्य लोगों में भगदड़ मच गई। कुछ लोग जान बचाकर भागे, तो वहीं कई ग्रामीण हिम्मत जुटाकर मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने पहले लाठी-डंडों और शोर-शराबे के जरिए तेंदुए को मजदूरों से दूर किया और फिर घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद ग्रामीणों ने संगठित होकर तेंदुए को घेरने की योजना बनाई।

रस्सी से बांधा गया तेंदुआ। ● अमृत विचार

सैकड़ों की संख्या में जुटे ग्रामीणों ने चारों ओर से घेराबंदी कर दी। काफी देर तक चले इस जोखिम भरे प्रयास में कई बार तेंदुआ हमलावर होने की कोशिश करता रहा, लेकिन ग्रामीण पीछे नहीं हटे। अंततः रस्सियों की मदद से उसे काबू में कर बांध दिया गया। इस दौरान मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस दोनों घायलों को सीएचसी पलिया ले गई। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें गहरे जख्म आए हैं। इसी बीच वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। टीम को ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना था कि वन्यजीव वन विभाग की लापरवाही से ही नहीं पकड़े जा रहे हैं। पिछले कई दिनों से तेंदुआ हमले कर रहा है, लेकिन वन विभाग ने धरातल पर कुछ नहीं किया।

पुलिस की मदद से वन विभाग की टीम काफी मशक्कत के बाद तेंदुए को अपने कब्जे में लिया और उसे रेंज कार्यालय ले जाया गया। वहां उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया जाएगा और उसके बाद उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। इस पूरी घटना ने यह साफ कर दिया है कि अगर समय रहते वन विभाग सक्रिय होता, तो न तो मजदूरों को घायल होना पड़ता और न ही ग्रामीणों को अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती। फिलहाल, इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है, और ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग करते हुए क्षेत्र में वन्यजीवों की निगरानी बढ़ाने और तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुका तेंदुआ

बेला कलां और आसपास के क्षेत्रों में तेंदुए का आतंक कोई नई बात नहीं है। बीते कुछ महीनों में कई ग्रामीण इसके हमले का शिकार हो चुके हैं। 10 जनवरी को बेला निवासी वाजिद पर हमला हुआ था, वहीं रिंकी पुत्री धर्मेंद्र, रिजवान पुत्र लियाकत और अरविंद समेत कई अन्य लोग भी घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद वन विभाग की ओर से लगातार अनदेखी की जा रही थी। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत और सूचना देने के बावजूद वन विभाग की टीम समय पर नहीं पहुंचती। यही कारण है कि इस बार लोगों को खुद अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। घटना के बाद क्षेत्र में वन विभाग के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि विभाग सिर्फ कागजों में योजनाएं बनाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं। मझगईं रेंजर अंकित सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिला, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई।

> तेंदुए को कैद करने वालों को वीडियो के माध्यम से शिनाख्त कर वन्यजीव अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। लोगों से अपील है कि वन्य जीवों के साथ ऐसा बर्ताव न करे। -**कीर्ति चौधरी**, डीएफओ बफरजोन

ईख में बाघ होने की अफवाह से अफरा-तफरी मची

● वन विभाग की टीम ने किया मौका मुआयना

बिलहरी, अमृत विचारः महेशपुर रेज की बिलहरी बीट के गांव कपरहा और देवरिया मार्ग पर कपरहा निवासी राजीव शुक्ला के गन्ने मे गन्ना की छिलाई कर रहे एक दर्जन मजदूरों ने गन्ने में बाघ बैठा देखकर रेख दंग रह गये। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे वनकर्मियों ने कांबिंग की है। कपरहा गांव के खेतों में बाघ दिखने की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई, जिसको देखने के लिये हजारो की संख्या में भीड़ मौके पर जमा हो गई। ग्रामीणो की सूचना पर वन विभाग की टीम में बाघ मित्र सचिव वर्मा, वाचर रोहित ने ग्रामीणों के साथ खेत का मौका मुआयना किया, लेकिन बाघ मौके से निकल चुका था। वन विभाग की टीम ने आसपास खेतों में बाघ के पग चिन्ह होने के चलते ग्रामीणों को सचेत करते हुये जागरुक किया है।

कपरहा के खेतों में कांबिंग करते वनकर्मी।

शुगर मिल ने बनाया गन्ना पेराई का नया रिकॉर्ड

● गोविंद चीनी मिल ने 150 लाख क्विंटल से अधिक गन्ना पेराई की

संवाददाता, खमरिया

अमृत विचारः गोविंद शुगर मिल, ऐरा ने गन्ना पेराई कर कीर्तिमान स्थापित किया है। मिल प्रशासन के अनुसार इस सत्र में 150 लाख क्विंटल से अधिक गन्ने की पेराई की है, जो मिल के इतिहास का सर्वाधिक आंकड़ा है। इससे पहले 2022-23 में 149.32 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का रिकॉर्ड दर्ज किया था।

कार्यकारी निदेशक आलोक सक्सेना ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता केवल मिल प्रबंधन की नहीं, बल्कि क्षेत्र के किसानों, कर्मचारियों, सरकारी अधिकारियों और स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने सहयोगियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी सभी ने जो समर्पण दिखाया वही उपलब्धि की असली ताकत बना।

तीसरे चरण के दूसरे दिन 3 गैंडे जंगल में स्वछंद विचरण को आजाद

● दुधवा में गैंडों की पुनर्स्थापना को चल रहे अभियान ने पकड़ी रफ्तार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः दुधवा टाइगर रिजर्व में गैंडों की पुनर्स्थापना को लेकर चल रहे तीसरे चरण के अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। दूसरे दिन दोनों प्रहरों में कुल तीन गैंडों को सफलतापूर्वक ट्रैंकुलाइज कर खुले जंगल में स्वच्छंद विचरण के लिए छोड़ दिया गया।

इस चरण में तारबाड़ के भीतर संरक्षित गैंडों में से कुल छह गैंडों को प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाना प्रस्तावित है। सोमवार को पहले प्रहर में महावतों और चाराकटरों की टीम ने सबसे पहले हर्ष नामक नर गैंडे को चिन्हित किया। राजकीय हाथियों की मदद से गैंडे की घेराबंदी कर पशु चिकित्सकों और विशेषज्ञों की टीम ने उसे ट्रैंकुलाइज किया। इसके बाद लॉजिस्टिक टीम ने सुरक्षित तरीके से उसे केज में शिफ्ट किया। पहले गैंडे की प्रक्रिया पूरी होते ही टीम ने दूसरे गैंडे की खोज शुरू की और जल्द ही सुषमा नामक मादा गैंडे को चिन्हित कर लिया गया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे भी ट्रैंकुलाइज कर सुरक्षित बाहर लाया गया। दोनों गैंडों को पूर्व निर्धारित स्थान एसडी सिंह मचान फांटा पर उच्चाधिकारियों और विशेषज्ञों की मौजूदगी में जंगल में छोड़ दिया गया। टीम के उत्साह का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दूसरे प्रहर में कम समय में ही तीसरी मादा गैंडा राशी को भी चिन्हित कर लिया गया।

दुधवा टाइगर रिजर्व में स्वच्छंद छोड़े जा रहे गैंडे। ● अमृत विचार

उसे भी सफलतापूर्वक ट्रैंकुलाइज कर निर्धारित स्थल पर अवमुक्त कर दिया गया। तीन गैंडों की सफल रिहाई के बाद भी टीम का उत्साह बना रहा, हालांकि लगातार अभियान में लगे राजकीय हाथियों को आराम देने के उद्देश्य से शेष गैंडों को छोड़ने की प्रक्रिया अगले दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

पूरा अभियान मुख्य वन संरक्षक एवं फील्ड निदेशक डॉ. एच. राजामोहन के निर्देशन में तथा उपनिदेशक जगदीश आर. की उपस्थिति में संचालित हुआ। इस दौरान पद्मश्री से सम्मानित वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. केके शर्मा सहित कई विशेषज्ञ, पशु चिकित्सक, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के प्रतिनिधि, वन विभाग की टीम, महावत, चाराकटर एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। इस अभियान को दुधवा में गैंडों के दीर्घकालिक संरक्षण और प्राकृतिक आवास में उनकी सुरक्षित वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पलिया कलां। मंगलवार को चलाए गए अभियान में दीपा गैंडा का प्रथम बच्चा मादा गैंडा पकड़ कर खुले जंगल में अवमुक्त किया गया। इस प्रकार तीसरे चरण के अभियान में अभी तक कुल चार गैंडा पकड़कर अवमुक्त किए जा चुके हैं।इनमें से एक नर और तीन मादा गैंडा हैं। पिछले वर्ष पकड़ कर छोड़े गए चार गैंडों को मिलाकर अवमुक्त किए गए कुल गैंडों की संख्या अब आठ पहुंच गई है। जबकि पूर्व चिन्हित किए गए दो गैंडों को पकड़कर खुले जंगल में छोड़ा जाना अभी बाकी है।

पीड़ित लोगों को समाजसेवी ने दी राहत सामग्री

● प्रशासन ने भी पीड़ितों को हर संभव सहायता देने का दिया आश्वासन

संवाददाता, मितौली

अमृत विचारः ग्राम पंचायत बजरखा के मजरा चेदनपुर में सोमवार को अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही पूरा घर जलकर राख हो गया।

एक ही घर में रह रहे करीब चार लोगों का सारा सामान आग की भेंट चढ़ गया। पीड़ितों में अहिवरन लाल के 5000 रुपये नकद जल गए, वहीं अरुण, मनोज भार्गव, पन्नू, हेमनाथ और अनिल के अलग-अलग राशन व चारपाई भी जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलते ही समाजसेवी रामदास वर्मा मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों की मदद के लिए करीब 20 हजार रुपये की राहत सामग्री उपलब्ध कराई। इस सामग्री में आटा, चावल, दाल, साबुन, बिस्कुट सहित अन्य जरूरी सामान शामिल था। वहीं प्रशासन ने भी पीड़ितों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। जल्द ही सरकारी मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

राहत सामग्री देते समाजसेवी रामदास वर्मा। ● अमृत विचार

बच्चों को निःशुल्क बांटी शैक्षणिक सामग्री

● बैंक ऑफ इंडिया ने मोतीपुर विद्यालय में किया विशेष कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देते हुए बैंक ऑफ इंडिया की ओर से शिक्षा प्रोत्साहन हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय मोतीपुर में बैंक अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शैक्षणिक सामग्री वितरित की।

बैंक प्रबंधक अंशुल शुक्ला और अवनीश अवस्थी ने बच्चों से संवाद कर उन्हें शिक्षा का महत्व समझाया। कहा कि मेहनत, अनुशासन और लगन से ही उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है। अधिकारियों ने बच्चों को कॉपी, पेन एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की।

अंशुल शुक्ला ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा में सहयोग करना सभी की जिम्मेदारी है। अवनीश अवस्थी ने कहा कि ऐसे प्रयासों से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि और उत्साह बढ़ता है। अंत में विद्यालय के शिक्षकों ने बैंक की सराहनीय पहल के लिए आभार जताया। कहा इस प्रकार के सहयोग से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं बैंक कर्मचारी मौजूद रहे।

बच्चों को पाठ्य सामग्री देते बैंक कर्मचारी। ● अमृत विचार

सबसे पुराना स्थापित 1960

गुप्त रोगी रोजाना मिलें

हर जगह से परेशान रोगी मिले

नामर्दी, शीघ्रपतन, इच्छा की कमी

बिना ऑपरेशन दर्द रहित उपचार

बबासीर

खूनी, वादी, बवासीर, भगन्दर

कांच का बिना ऑपरेशन इलाज दर्द रहित

उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध टॉप नं. 1

डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक

निकट जिला पंचायत चौपुला कुतुबखाना रोड, बरेली

मो. 9259082174

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन की शुरुआत

गोला सीएचसी में फीता काटकर वैक्सीनेशन की शुरुआत करते धर्मेंद्र गिरि मोंटी।

सीएचसी में टीकाकरण के लिये बैठी किशोरी। ● अमृत विचार

किशोरी को टीका लगाते स्वास्थ्य कर्मचारी। ● अमृत विचार

● भाजपा युवा नेता ने फीता काटकर किया उद्घाटन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए सीएचसी में 14वां जन्मदिन पूर्ण करने वाली बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी, जिसका शुभारंभ मंगलवार को भाजपा युवा नेता धर्मेंद्र गिरि मोंटी ने फीता काटकर किया। पहले दिन केवल एक किशोरी का टीकाकरण हुआ।

नगर की पंजाबी कॉलोनी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण अभियान का शुभारंभ कर मुख्य अतिथि धर्मेंद्र गिरि मोंटी ने कहा कि यह टीकाकरण अभियान स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के विजन को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को पूरा करता है। डॉ आकांक्षा वर्मा ने बताया कि पहले दिन मंगलवार को हैदराबाद गांव की तान्या वर्मा का वैक्सीनेशन हुआ है।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. गणेश कुमार ने बताया कि ह्यूमन पेपिलोमावायरस एचपीवी से होने वाला सर्वाइकल कैंसर एकमात्र ऐसा कैंसर है, जिसकी समय पर टीकाकरण द्वारा प्रभावी रोकथाम की जा सकती है। इसके लिए यह वैक्सीन सबसे सुरक्षित व प्रभावी है। सीएचसी में बुधवार, शनिवार को छोड़कर प्रतिदिन टीका लगाया जाएगा। डॉ. अजय वर्मा, डॉ. अशोक बिहारी, सचिन सिंह, बृजेन्द्र गिरि, अजीत पांडे सहित सीएचसी स्टाफ मौजूद रहा।

फूलबेहड़ में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

फूलबेहड़, अमृत विचार : सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत सीएचसी में की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी एवं ब्लॉक प्रमुख विश्वनाथ सिंह ने फीता काटकर किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह अभियान बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों का समय से टीकाकरण कराएं, ताकि उन्हें सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाया जा सके। अभियान के पहले ही दिन पांच किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। ब्लॉक अधीक्षक डॉ. मनीष ने बताया कि यह टीकाकरण अभियान पहले जिला महिला अस्पताल से शुरू हुआ था, जिसे अब हर ब्लॉक स्तर तक विस्तार दिया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक किशोरियों को इसका लाभ मिल सके।

पसगवां में लगी दो किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन

पसगवां। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष पूरी कर चुकी किशोरियों को एचपीवी वैक्सीनेशन का आरंभ किया गया। दो किशोरियों को मंगलवार को पसगवां सीएचसी में वैक्सीन लगाई गई। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अश्वनी वर्मा ने बताया कि कुछ किशोरियां अकेले आईं, तो कुछ के साथ स्पष्ट आयु प्रमाण पत्र नहीं था। माता-पिता में से किसी एक की सहमति के बिना वैक्सीन नहीं लग सकती। बताया कि 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी लेकिन 15 वर्ष पूरे न होने वाली बालिकाओं में संभावित सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। टीका लगवाने के लिए आधार कार्ड साथ में लाना अनिवार्य है।

न्यूज ब्रीफ

संदिग्ध हालात में ग्रामीण की मौत

लखीमपुर, अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र के गांव कीरतपुर निवासी 50 वर्षीय उमाशंकर की गोरखपुर बस्तौली स्थित ईंट भट्टे पर संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन शव घर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना खीरी क्षेत्र के गांव कीरतपुर निवासी उमाशंकर चार दिन पहले 20 मार्च को गोरखपुर बस्तौली स्थित एक ईंट भट्टे पर काम करने गए थे। बेटे रविन्द्र ने बताया कि कटकुसमा गांव निवासी एक ठेकेदार उन्हें नौकरी करने के लिए लेकर गया था। पहले जब मजदूरी करने जाते थे, तो प्रतिदिन फोन से बात होती थी, इस बार बात भी नहीं की। रविवार की रात पिता की तबीयत खराब होने के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद सोमवार को उनका शव एंबुलेंस से गांव आया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महिला को प्रताड़ित कर घर से निकाला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर क्षेत्र के गांव पचासा निवासी अनीता पुत्री छन्नू ने बताया कि उसकी शादी करीब 6 वर्ष पहले दिनेश पुत्र श्रीकेशन निवासी कटैलापुरवा मजरा ओझापुरवा के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति दिनेश, विनोद, शिवप्रसाद, कौशल और विजई उसे 50 हजार रुपये दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते रहे। उसे खाना खर्च तक नहीं दिया जाता था और शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। रविवार की शाम करीब 4 बजे आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जंच शुरू कर दी है। पीड़ित महिला का मेडिकल परीक्षण भी कराया है।

पत्नी और सास को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव रसौरा निवासी काजल ने बताया कि उसका पति आकाश आए दिन शराब पीकर घर आता है और उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट करता है। जब उसने यह बात अपनी मां कमला निवासी सुंदरपुरवा थाना फूलबेहड़ को बताई, तो मां उसके घर पहुंच गईं। आरोप है कि इस दौरान आकाश ने उसकी मां के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। जब काजल ने बीच-बचाव किया तो उसे भी बुरी तरह पीटा गया। इस मारपीट में दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने काजल की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, आयुष्मान योजना के दावे फेल

डॉक्टरों की कमी, बंद पड़े आयुष्मान केंद्र और संसाधनों के अभाव में मरीज परेशान, करोड़ों की योजनाएं कागजों में सफल

संवाददाता, सिंगाही

सिंगाही में बंद पड़ा आरोग्य केंद्र। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सरकार की प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान कार्ड) और मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के तहत ग्रामीण इलाकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन सिंगाही कस्बे और उससे जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में इन दावों की हकीकत पूरी तरह उलट दिखाई दे रही है। करोड़ों की योजनाएं कागजों में सफल दिख रही हैं, जबकि जमीन पर मरीज इलाज के लिए भटकने को मजबूर हैं।

कस्बे और आसपास के दर्जनों गांवों के लिए एकमात्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगाही ही सहारा है, लेकिन यहां की स्थिति खुद बीमार नजर आती है। स्वास्थ्य केंद्र में न पर्याप्त डॉक्टर हैं और न ही जरूरी संसाधन। यहां न तो साफ पानी की व्यवस्था है और न ही शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं ठीक हालत में हैं। मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में यह स्वास्थ्य केंद्र संविदा पर तैनात डॉक्टर कृपांशु तिवारी, फार्मासिस्ट माया प्रसाद और स्टाफ नर्स प्रीति यादव के भरोसे चल रहा है, लेकिन डॉक्टर की ड्यूटी अक्सर अन्य स्थानों पर लगा दी जाती है, जिससे केंद्र अधिकांश समय बिना डॉक्टर के ही संचालित होता है।

● **प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की भी हालत बदहाल**

ऐसे में मरीजों को या तो बिना इलाज लौटना पड़ता है या फिर उन्हें निजी अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ता है, जहां उनका आर्थिक शोषण होता है। स्वास्थ्य केंद्र में केवल सामान्य प्रसव की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण यह भी सुरक्षित नहीं मानी जा रही। डिलीवरी रूम में न तो पानी की समुचित व्यवस्था है और न ही जरूरी उपकरण। कई बार आपात स्थिति में गर्भवती महिलाओं को तत्काल रेफर कर दिया जाता है, जिससे रास्ते में ही गंभीर हालात बन जाते हैं।

> अगर आरोग्य केंद्र नियमित नहीं खुलते हैं तो यह गंभीर बात है। इसकी जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।
> – डॉ. संतोष गुप्ता, सीएमओ।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या इमरजेंसी सेवाओं की कमी है। किसी भी गंभीर मरीज को तत्काल इलाज नहीं मिल पाता। एम्बुलेंस की कमी और दूरी के कारण मरीजों को निघासन या जिला मुख्यालय तक ले जाने में कीमती समय बर्बाद हो जाता है। कई मामलों में समय पर इलाज न मिलने से मरीजों की मौत तक हो चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे।

जनप्रतिनिधियों की चेतावनी, फिर भी कार्रवाई नहीं

नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद कयूम ने साफ कहा कि यदि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं हुआ तो यह एक बड़ी जनसमस्या बन सकती है। उन्होंने कस्बे में एक अतिरिक्त एम्बुलेंस, 24 घंटे इमरजेंसी सेवा और महिला डॉक्टर की तैनाती की मांग उठाई है। उन्होंने बताया कि इन मांगों को लेकर कई बार शासन-प्रशासन को पत्र भेजे गए, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

ग्राम पंचायत सिंगहा कला के प्रधान प्रतिनिधि श्याम मोहन दीक्षित ने बताया कि निघासन की दूरी लगभग 13 किलोमीटर है, जबकि सिंगाही केवल 4 किलोमीटर दूर है। ऐसे में यदि सिंगाही स्वास्थ्य केंद्र को बेहतर बनाया जाए तो आसपास के गांवों के लोगों को राहत मिल सकती है और कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। विभाग को चाहिए कि वह पीएचसी की व्यवस्था भी दुरुस्त कराए।

खैरीगढ़ ग्राम पंचायत के प्रधान सुखदेव सिंह ने भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि निघासन सीएचसी की दूरी 16-17 किलोमीटर है। एंबुलेंस के आने-जाने में ही इतना समय लग जाता है कि कई बार मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देता है। पीएचसी पर भी कोई रिलीफ मरीज को नहीं मिल पाता है। आरोग्य केंद्रों का हाल तो बेहद खराब है। ऐसे में मरीजों की जिंदगी खतरे में पड़ी रहती है।

आयुष्मान केंद्रों पर लटके ताले

सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान योजना का हाल भी सिंगाही क्षेत्र में खराब है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास बना आयुष्मान केंद्र महीनों से बंद पड़ा है। यही स्थिति आसपास के अन्य केंद्रों की भी है, जहां या तो ताले लटके रहते हैं या फिर केंद्र समय पर नहीं खुलते। कई जगह डॉक्टर और स्टाफ की कमी के कारण कार्ड धारकों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। लोगों का कहना है कि कागजों में सब कुछ सही दिखाया जाता है, लेकिन जब जरूरत पड़ती है तो न कार्ड काम आता है और न ही केंद्र खुला मिलता है। इससे गरीब और जरूरतमंद मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। लोगों ने मांग की है सिंगाही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्थायी डॉक्टरों की तैनाती की जाए, 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं शुरू की जाएं, पर्याप्त एम्बुलेंस उपलब्ध कराई जाएं और आयुष्मान केंद्रों को नियमित रूप से संचालित किया जाए।

बस-कार हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः एसडीएम सदर ने बस-कार दुर्घटना के मामले में मजिस्ट्रियल जांच के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की है। यह हादसा 28 सितंबर 2025 को सुबह करीब 6 बजे थाना हैदराबाद क्षेत्र के ओयल नहर मोड़ पर हुआ था, जिसमें गोला डिपो की बस और ओमनी कार की टक्कर हो गई थी।

दुर्घटना में सुनील कुमार पुत्र सीताराम, निवासी पिपरिया, सरफराज निवासी नौरंगाबाद और एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हुई थी। वहीं सर्वेश पुत्र, दिलखुश, निशा पत्नी सलमान, सलमान, शारदा प्रसाद, संजय और भोला घायल हुए थे। मृतकों और घायलों को राहत देने के लिए प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच कराई जा रही है। डीएम के आदेश पर नामित जांच अधिकारी एसडीएम सदर मामले की जांच में जुटे हैं। एसडीएम सदर डॉ. अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि पहले 27 फरवरी 2026 को जांच की तिथि तय थी, लेकिन उस दिन कोई संबंधित व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ। अब 27 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे उप जिला मजिस्ट्रेट सदर कार्यालय, कलेक्ट्रेट लखीमपुर-खीरी में जांच की तिथि निर्धारित की गई है।

चीनी मिल में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

नेत्रों की जांच करतीं डॉक्टर आयुषी।

● **213 लोगों की आंखों की हुई जांच, 8 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित**

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः बजाज चीनी मिल के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 213 लोगों की आंखों की जांच की गई।

शिविर का उद्घाटन यूनिट हेड ओपी चौहान ने फीता काटकर किया। शिविर में सीतापुर आंख अस्पताल से आई डॉक्टर आयुषी, चीनी मिल के डॉक्टर मयंक गुप्ता एवं उनकी टीम ने मरीजों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया और आवश्यक दवाएं वितरित कीं। इस दौरान क्षेत्रीय किसान, महिलाएं, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य भी जांच के लिए पहुंचे। आयोजित शिविर में कुल लगभग 213 लोगों के नेत्रों की जांच की गई। जांच के दौरान 8 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिन्हें आगे इलाज के लिए सीतापुर आंख अस्पताल भेजा जाएगा।

यूनिट हेड ओपी चौहान ने बताया कि चीनी मिल समय-समय पर इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करती है। ताकि क्षेत्रीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस मौके पर आसवनी यूनिट हेड उदय प्रताप सिंह, महाप्रबंधक इंजीनियरिंग विकास मलिक, महाप्रबंधक गन्ना राजीव तोमर, आईटी हेड यूके पांडेय, मनोज मिश्र, सतीश श्रीवास्तव, तनवीर अहमद, वैभव सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

गर्म रस में झुलसे युवक की 12 दिन बाद मौत

बेहजम खीरी, अमृत विचारः थाना क्षेत्र के मलिकपुर गांव स्थित साजिद खान के गन्ना कोल्हू पर 11 मार्च को काम कर रहे कुलदीप कुमार गौतम की अचानक चप्पल फिसल गई, जिससे वह खौलते रस की कड़ाही में जा गिरा। वह बुरी तरह झुलस गया। कोल्हू मालिक साजिद खान ने घायल कुलदीप को जिला अस्पताल ओयल में भर्ती कराया, हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ के सिविल बर्न अस्पताल रेफर किया गया। बाद में परिजनों की सहमति से उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार शाम उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने कोल्हू मालिक पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। नीमगांव पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, कोल्हू मालिक साजिद खान का कहना है कि घायल युवक का इलाज परिजनों की सहमति और उनकी इच्छा के अनुसार ही कराया जा रहा था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बवाल के बाद तनाव, दूसरे दिन भी बाजार बंद

अछनिया में दूसरे दिन भी बंद बाजार। ● अमृत विचार

गांव में तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

संवाददाता, बेहजम

● **ई-रिक्शा और बाइक की भिड़ंत के बाद मारपीट, भारी पुलिस बल तैनात**

अमृत विचारः नीमगांव थाना क्षेत्र के अछनिया गांव में सोमवार को ई-रिक्शा चालक और बाइक सवार के बीच टक्कर के बाद हुई मारपीट के बाद बवाल हो गया था। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। मंगलवार को भी गांव की सभी दुकानें बंद रहीं और एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

बेहजम क्षेत्र के पिपरझला निवासी पंकज सिंह अपनी पत्नी कोमल और बेटी मान्या के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। अछनिया गांव के पास उनकी बाइक एक स्थानीय व्यक्ति से मामूली रूप से टकरा गई। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि स्थानीय लोगों ने पंकज, उनकी पत्नी और बेटी के साथ मारपीट की। इसके बाद दोनों पक्षों के लोग सड़क पर आए और जाम लगा दिया, जिससे हालात और बिगड़ गए। मितौली सीओ यादवेंद्र यादव, मितौली व नीमगांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए लाठियां फटकार कर भीड़ को खदेड़ कर स्थिति को नियंत्रण में किया था। पीड़ित पंकज सिंह की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। घटना के बाद से पुलिस लगातार कार्रवाई में जुटी है। 24 से अधिक संदिग्ध उपद्रवियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। बेहजम पुलिस चौकी प्रभारी संदीप यादव के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। घटना के बाद कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू भी मौके पर पहुंचे और घटना की निंदा की। उन्होंने क्षेत्राधिकारी को निर्देश दिए कि उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और किसी को भी बख्शा न जाए। तनाव को देखते हुए गांव में दूसरे दिन भी बाजार पूरी तरह बंद रहा और एहतियातन दूसरे दिन भी भारी पुलिस बल गांव में तैनात रहा।

अछनिया बवाल में आठ आरोपियों का चालान

बेहजम। अमृत विचार : नीमगांव थाना पुलिस ने अछनिया गांव में ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर के बाद हुए बवाल मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उपद्रवियों ने ई-रिक्शा चालक पंकज सिंह की पत्नी और बच्ची के साथ मारपीट की, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस चौकी इंचार्ज संदीप सिंह ने बताया कि अरमान पुत्र सरवर निवासी मुकरेहटा, अकील पुत्र खलीक, हसीब पुत्र जियाउल्ला, जिशान पुत्र शमसाद, आमिर पुत्र जबीउल्ला, सनाउल्लाह पुत्र आशिक इलाही, जैनुल पुत्र फकीरा निवासी अछनिया और माजिद पुत्र सईद खां निवासी मलिगंवा को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों का चालान कर एसडीएम मितौली की अदालत में पेश किया है।

शहीदों की प्रतिमाओं से छेड़छाड़ पर सपाइयों में आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

डीएम दफ्तर में ज्ञापन सौंपते सपाई। ● अमृत विचार

● **शाहजहांपुर की घटना को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम दफ्तर में सौंपा**

● **सरधना क्षेत्र में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त करने पर कार्रवाई की मांग**

अमृत विचारः शाहजहांपुर में शहीदों की प्रतिमाओं को बुलडोजर से तोड़कर डंपिंग ग्राउंड में मलबा फेंक दिए जाने से यहां के सपा कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त हो गया। सपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम दफ्तर में सौंपा। सपा कार्यकर्ताओं ने सरथना में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं से छेड़छाड़ की घटनाओं के विरोध में भी कार्रवाई की मांग की है। सपाइयों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। उधर, सपा जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह यादव में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि 23 मार्च, जो शहीदों के बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है, उसी रात शाहजहांपुर मुख्यालय स्थित चौराहे पर वर्षों से स्थापित शहीद ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान और पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की प्रतिमाओं को बुलडोजर से तोड़कर मलबा भी हटा दिया गया। मूर्तियों समेत मलबा डंपिंग ग्राउंड में फेंक दिया गया। आरोप है कि अज्ञात तत्वों ने मूर्तियों को उखाड़कर नुकसान पहुंचाया और वहां से अवशेष भी हटा दिए। उधर, सरधना क्षेत्र के भगवानपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना सामने आई है। ज्ञापन में इन घटनाओं को समाज में वैमनस्य फैलाने का प्रयास बताते हुए कड़ी निंदा की गई। ज्ञापन में शहीदों एवं डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं को उनके मूल स्थान पर पूर्ण सम्मान के साथ पुनः स्थापित कराने, दोनों घटनाओं की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे शांतिपूर्ण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

इस दौरान अजय सिंह, अमित वर्मा, हेमंत भार्गव, भूपेंद्र वर्मा, प्रख्याति खरे, जे.बी. सिंह, इसरार अहमद, हरजीत सिंह, यदुवेंद्र वर्मा, दिव्यांशु यादव, अशफाक अंसारी, अफजाल खान, दीपक रस्तोगी, आरती सिंह जनवार, सुभाष कश्यप, अभय प्रताप सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साले-बहनोई के साथ मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः कोतवाली धौरहरा के गांव माधौपुरवा मजरा रायपुर निवासी सूरज ने बताया कि वह सोमवार शाम भतीजे के मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने राम वाटिका धाम आया था। आरोप है कि इस दौरान नल पर पानी पिलाने से मना करने को लेकर मनिहार वार्ड निवासी शिवम और मोहल्ला कोरियाना निवासी विशाल कहार ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जब सूरज को बचाने उसके बहनोई विक्रम पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

दो बाइकों की टक्कर में युवक घायल

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचारः भीरा थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम दो बाइकों की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने घायल को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां से हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल लखीमपुरखीरी रेफर कर दिया है।

हादसा शाम करीब 5 बजे हाईवे से राजपुर जाने वाले लिंक मार्ग पर गांव के मंदिर के पास हुआ। घायल राजपुर निवासी प्रमोद गौतम (35) अपनी बाइक से अपनी ससुराल भानपुर से अपने घर राजपुर जा रहा था। तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एम्बुलेंस की मदद से घायल को सीएचसी बिजुआ भेजा, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, ग्रामीणों की सूचना पर यूपी 112 पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों बाइकों को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपनी पुत्री अंजली शर्मा पत्नी आयुष शर्मा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उससे अपने सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **नीलम उपाध्याय पत्नी ब्रिजेश निवासी 16 ब्रहमपुरा टायर मण्डी मालीबाड़ा थाना प्रेमनगर जिला बरेली**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5,6,7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

किराये हेतु
नैनीताल रोड घंगोरा रोड, बरेली में 50/65 प्लॉट बैंक हेतु उपलब्ध है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को प्राथमिकता।
संपर्क
8218906442

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसील गोला गोकर्णनाथ विकास खण्ड कुम्भी की न्याय पंचायत लन्दनपुर ग्रन्ट की ग्राम पंचायत सुहेला में प्रस्तावित बहु-उद्देशीय मत्स्य जीवी सहकारी समिति के गठन हेतु द्वितीय बैठक दिनांक 26.03.2026 को आयोजित की जा रही है। इच्छुक व्यक्ति प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। **रभित कुमार पता-ग्राम सुहेला गोला गोकर्णनाथ जिला लखीमपुर (खीरी) 9161895627**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैंने अपने पुत्र अमन उर्फ विक्की को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सूर्यकान्त शर्मा पुत्र श्री सुरेश चन्द्र निवासी ग्राम अमरेख परगना व तहसील फरीदपुर, बरेली।**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र महीपाल की दिनांक 22.7.2018 को मृत्यु हो चुकी है। मेरे पुत्र की मृत्यु के बाद से पुत्रवधू अनीता का व्यवहार ठीक नहीं है। वह गलत संगत में पड़ गई है। मुझे जान से मरवाने की धमकी देती है। मैंने उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। **ओमकार सिंह पुत्र गज्जू सिंह निवासी मोहल्ला जहांगीराबाद तहसील सहसवान जिला बदायूं।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्री नगमा नियाजी जो कि शादीशुदा है मैंने अपनी पुत्री को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **नाजमा बी पत्नी मोहम्मद ज़की नियाजी नि. ख्वाजा कुतुब बरेली**

सूचना
सर्वसाधारण का सूचित किया जाता है कि एल.आई.सी. के कागजात में मेरा नाम भूलवश Beenu पत्नी Satish Rishiwal दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम Vina है। भविष्य में मुझे Vina पत्नी Satish के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। बीना पत्नी सतीश निवासी 30, माधोबाड़ी, बरेली, उ.प्र.

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

धोखाधड़ी कर हड़पी चांदी,मुकदमा दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला आसफजान निवासी शरद कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह एक सराफा व्यापारी है। मोहल्ला मोहतसिम खां निवासी आशीष वर्मा,मनोज कुमार वर्मा को वह लंबे समय से जानते हैं। वर्ष 2021 में आशीष कुमार और मनोज ने उससे व्यापारिक आवश्यकता बताते हुए तीन किलो सात सौ ग्यारह ग्राम चांदी उधार ली थी। जिसकी कीमत करीब ढाई लाख रूपये थी। जब उसने चांदी वापस करने को कहा तो आरोपी टालमटोल करने लगे। 17 मई 2024 को शाम करीब चार बजे वह आरोपियों के घर शिकायत करने गए तो आरोपियों ने उसे धमकाया। 16 जनवरी को वह अपनी स्कूटी से घर जा रहा था। तभी नेहरू पार्क के पास आरोपियों ने उसको घेरकर गाली गलौज करते हुए मारपीट की। पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

चार अप्रैल को दिल्ली कूच करेंगे शिक्षक

पीलीभीत, अमृत विचार : टीईटी की अनिवार्यता को लेकर परिषदीय स्कूलों के शिक्षक लामबंद होना शुरू हो गए हैं। परिषदीय शिक्षक चार अप्रैल को दिल्ली रामलीला मैदान में अपनी आवाज को बुलंद करेंगे। दिल्ली कूच की तैयारी को लेकर जिले भर के शिक्षक पदाधिकारी की बैठक बेसिक शिक्षा विभाग के बहुउद्देशीय क्रीड़ा हाल में मंगलवार को हुई। शिक्षक नेताओं ने दावा किया है कि हर ब्लॉक से एक –एक बस से शिक्षक शिक्षिकाएं अपनी मांगों को मनवाने के लिए दिल्ली जाएंगे। मंगलवार को हुई बैठक में शिक्षक नेता भद्रपाल सिंह, मुकेश अवस्थी, दयाशंकर गंगवार, उमेश गंगवार, लाल करन, देवेंद्र कन्हैया, बाबूराम गंगवार, सूर्य प्रकाश गंगवार, रामौतार गंगवार, संतोष गंगवार, विमल कुमार ,अर्जुन गंगवार ,संजय गंगवार, राजेश मिश्रा, मोहम्मद अकरम, केके रजक आदि मौजूद रहे।

पांच रोगियों को वितरित की पोषण पोटली

बिलसंडा, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नि :क्षय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुंचे मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। पांच मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। उन्हें खाने पीने,स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। इस मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. छत्रपाल सिंह, डॉ. अखिलेश, सोमवीर, चीफ फार्मासिस्ट अवधेश गुप्ता, भूपेंद्र सिंह, चित्र कुमार, मथुरा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

नवरात्र विशेषः पिता ने आतंकियों से लड़ते हुए वीरगति पाई, मां एडीजी बरेली कार्यालय में तैनात, बेटी देवांशी यादव बनी मानवता की मिसाल

शिक्षा का दीप जलाकर शहीद की लाड़ली ने बदल दीं सैकड़ों जिंदगी

नवशक्ति

संजय शर्मा, बरेली

युगांडा के इन बच्चों की मदद कर रही हैं देवांशी।

जिले के इन बच्चों की पढ़ाई में देवांशी करती हैं मदद। ● अमृत विचार

युगांडा की रहने वाली सिरीन की शिक्षा की ली जिम्मेदारी।

मां संजू यादव के साथ बेटी देवांशी और उनकी बेटी वानमई।

अमृत विचार : आतंकियों से मोर्चा लेते शहीद हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी रामआसरे यादव की लाड़ली देवांशी यादव ने सेवा-सरोकार के ऐसे अध्याय लिख डाले हैं कि उनकी गूंज से देश बाहर भी सुनी जा रही है। गरीब, कमजोर,बेसहारा सैकड़ों बेटियों को न सिर्फ शिक्षित बनाने का काम किया, बल्कि उनके अंदर नर्सिंग, टाइपिंग जैसे कोर्स कराकर आत्मनिर्भरता का हुनर भी पैदा किया है। सेवा-संकल्प की राह पर वह जैसे-जैसे आगे जा रही हैं, अपने देश भारत से युगांडा तक उनकी ख्याति बढ़ती ही जा रही है।

देवांशी जब सिर्फ 9 माह की थीं, तब उनके पिता सीओ रामआसेर यादव ने उत्तराखंड के बाजपुर (उस समय यूपी) बाजपुर इलाके में आतंकियों से लड़ते हुए शहादत पाई थी। परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा था। पति की वीरगति के बाद देवांशी की मां संजू यादव ने पुलिस विभाग ज्वाइन किया था, जो इस समय एडीजी जोन बरेली कार्यालय में ओएसडी के पद पर तैनात हैं। उन्होंने बेटी देवांशी में बचपन से ही ऐसे संस्कारों भरे कि बड़ी होकर वह सेवा की राह चल पड़ी हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद देवांशी ने पिता की याद में संस्था बनाई और जरूरतमंद बेटियों की पढ़ाई का बीड़ा उठाया लिया।

देवांशी ने अपनी संस्था के जरिए लड़कियों को सिलाई-कढ़ाई सिखाना शुरू किया। उनको शिक्षित बनाने का काम भी करने लगीं। अभी तक वह 600 से ज्यादा बेटियों को टाईपिंग, कंप्यूटर कोर्स कराकर अपने पैरों पर खड़ी कर चुकी हैं। मौजूदा समय में 40 से अधिक बच्चे उनकी मदद से पढ़ाई कर रहे हैं। फीस, किताबें, डेस्क का खर्चा देवांशी उठाती हैं। उन्होंने

- **बरेली से युगांडा तक गरीब बच्चों के लिए काम कर रहीं देवांशी**
- **नर्सिंग, टाईपिंग और टेक्निकल कोर्स कराकर दे रहीं दिशा**

शारीरिक शोषण और घरेलू हिंसा की शिकार 200 से अधिक महिलाओं की काउंसलिंग कर उनके परिवार बिखरने से भी बचाया है। इसमें कई तो ऐसी थीं जो हालात से परेशान होकर आत्मघाती कदम उठाने तक की सोच रही थीं। देवांशी ने अमृत विचार से बातचीत में कहा कि वह भी जब किसी को वेबस-बेसहारा बेटी को देखती हैं तो उसकी मदद में उनके हाथ खुद आगे बढ़ जाते हैं। मां के साथ दोस्त भी इसमें मदद करते हैं।

युगांडा के बच्चों के लिए भी कर रहीं काम

शहीद पुलिस अधिकारी की बेटी देवांशी युगांडा की एक संस्था के साथ मिलकर वहां के बच्चों के लिए भी काम रही है। युगांडा की रहने वाली सिरीन की पढ़ाई का खर्च वह कई साल से उठा रही हैं। सिरीन अब कक्षा पांच में है। और हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करती है। युगांडा में संचारी रोगों का साया रहता है। देवांशी इसे लेकर भी मदद करती हैं।

देवांशी ने गोद ली दो माह की बच्ची

देवांशी ने कुछ साल पहले एक धर्मस्थल के पास मिली बच्ची को गोद लिया। बच्ची अब सात बरस की हो चली है और स्कूल में पढ़ाई कर रही है। वह मासूम देवांशी के लिए जैसे दुनिया बन गई है। उन्हें वह मां बुलाती है। देवांशी की मां संजू यादव कहती हैं कि बेटी को जो संस्कार दिए, वो समाज के काम आ रहे हैं। दूसरों का दर्द उससे देखा नहीं जाता और तुरंत मदद में उतर जाती है। देवांशी उनका सौभाग्य है।

17 साल की कानूनी लड़ाई के बाद मिला न्याय

अशोगापुर सामूहिक हत्याकांड : केस की सुनवाई के दौरान कई गवाह मुकरे, कई गवाह दबाव में आए

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः अशोगापुर सामूहिक हत्याकांड केवल एक जघन्य अपराध ही नहीं, बल्कि न्याय पाने की लंबी और कठिन लड़ाई की मिसाल भी बन गया। वर्ष 2008 में हुए इस हृदयविदारक कांड के बाद पीड़ित परिवार और गांव के लोगों ने न्याय के लिए वर्षों तक इंतजार किया।

घटना के बाद शुरुआती दौर में पुलिस जांच, साक्ष्य जुटाने और गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया चली। समय बीतने के साथ कई चुनौतियां भी सामने आईं-कुछ गवाहों का मुकरना, तो कुछ का दबाव में आना। इसके बावजूद अभियोजन पक्ष ने मामले को मजबूती से आगे बढ़ाया। करीब डेढ़ दशक तक चली सुनवाई के दौरान अदालत ने हर पहलू पर गहन विचार किया। अंततः साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया गया।

गला घोटकर हत्या के बाद फूंक दी थी झोपड़ी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी रमाशंकर सैनी ने अदालत में घटना की पूरी श्रृंखला प्रस्तुत की। उनके अनुसार, गांव निवासी ओमप्रकाश मौर्य की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी रेखा देवी का गांव के ही छन्नूलाल भुर्जी से मेलजोल बढ़ गया था। इस संबंध को लेकर परिवार में लगातार विवाद होता रहता था। रेखा देवी का बेटा धर्मेंद्र और अन्य परिजन इस रिश्ते का विरोध करते थे। इसको लेकर कई बार कहासुनी और विवाद भी हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया और शांति भंग की आशंका में चालान भी किया गया था, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ।

घटना 16 नवंबर 2008 की है, जब छन्नूलाल के बेटे रोहित का जन्मदिन मनाया जा रहा था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद रेखा देवी उसी झोपड़ी में रुक गईं। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। अभियोजन के अनुसार, सत्यनारायण, रमेश, मंगूलाल और अन्य साथियों ने झोपड़ी पर धावा बोल दिया और छन्नूलाल की पत्नी रामदेवी उर्फ कांती, पुत्र रोहित, बेटियां रोहिणी और मोहिनी के साथ रेखा देवी की गला घोटकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के इरादे से झोपड़ी में आग लगा दी गई, ताकि घटना को हादसा दिखाया जा सके। आरोप है कि आरोपी लाठी-डंडों से लैस होकर झोपड़ी के बाहर खड़े रहे और अंदर मौजूद किसी भी व्यक्ति को बाहर निकलने नहीं दिया, जिससे सभी छह लोगों की मौत हो गई।

घटना के बाद छन्नूलाल के भाई अमेरिका प्रसाद ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि सभी मृतकों की पहले गला घोटकर हत्या की गई थी, उसके बाद आग लगाई गई। इस मामले में अमेरिका प्रसाद सहित कई गवाह अदालत में पेश हुए, जिनमें डॉक्टर एचजी सिंह, इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह, एसआई खुशाल प्रसाद और अन्य शामिल थे।

सुनवाई के दौरान कई गवाह अपने बयानों से मुकर गए, लेकिन अदालत ने प्रारंभिक बयान, जिरह और वैज्ञानिक साक्ष्यों को आधार बनाकर सच्चाई तक पहुंच बनाई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट इस केस का अहम आधार बनी, जिसने यह साबित किया कि मौत आग से नहीं बल्कि गला घोटने से हुई थी।

अदालत ने दो आरोपियों को घटना के समय नाबालिग मानते हुए उनकी सुनवाई किशोर न्याय बोर्ड को सौंप दी है। वहीं मुख्य तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई गई। इस फैसले के साथ ही 17 साल से लंबित इस सनसनीखेज मामले में न्याय की उम्मीद पूरी हुई। निर्णय ने पीड़ित परिवार को राहत दी।

गांव में अब भी जिंदा हैं उस रात की यादें : अशोगापुर गांव में आज भी लोग उस भयावह रात को नहीं भूल पाए हैं। एक ही परिवार के छह लोगों की मौत ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया था। घटना के बाद लंबे समय तक गांव में सन्नाटा पसरा रहा और लोग भय के साये में जीते रहे।

नमाज प्रकरण : मैदान में उतरा विश्व हिंदू परिषद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : कैंट क्षेत्र के पालपुर गांव में नमाज का मामला फिर गरमाता दिखाई दे रहा है। मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया और एसएसपी दफ्तर पहुंचकर गांव में सामूहिक रूप से हो रही नमाज पर रोक लगवाने की मांग की।

अफसरों से मिलने पहुंचे विहिप जिलाध्यक्ष संजय सिंह भदौरिया ने शिकायत में कहा है कि पालपुर में मस्जिद नहीं बनी है। आरोप है कि दूसरे समुदाय के लोगों ने 2010 में अपने घर में सामूहिक नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। मामला तूल पकड़ने पर 17 सितंबर 2010 को कैंट थाने में कई लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उसके बाद 2011 में फिर से नमाज पढ़कर माहौल गरमाने की कोशिश की गई तो फिर से केस दर्ज हुआ था। विहिप नेताओं का आरोप है कि 20 मार्च को अलविदा की नमाज गांव में झोपड़ी डालकर पढ़ने का प्रयास किया गया था। इसे लेकर पुलिस से शिकायत कर नमाज पर रोक लगाने की मांग गई की थी। पुलिस ने शिकायत पर गौर नहीं किया। उल्टा पुलिस ने शिकायत करने वालों को ही धमकाया था। शिकायत में कहा गया कि दूसरे समुदाय के लोगों ने गांव में जुलूस निकालकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। विहिप नेताओं ने कैंट पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन कर हुए सामूहिक नमाज पर रोक लगाने की मांग की है। शिकायत करने वालों में तनुज कुमार, रामाशंकर, अमन, अभिषेक, उज्जवल सिंह, हरीश कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

लालकुआं-कोलकाता साप्ताहिक ट्रेन का संचालन 2 से

बरेली, अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल की ओर से 05060/05059 लालकुआं-कोलकाता-लालकुआं वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन का संचालन लालकुआं से 2 अप्रैल से 25 जून तक किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को कोलकाता से 4 अप्रैल से 27 जून तक शनिवार को चलाई जाएगी।

शिविर में छात्रों ने ग्रामीणों को किया जागरूक

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर के बलदेव वैदिक विद्यालय इंटर कॉलेज की एनएसएस टीम द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ क्षेत्र के ग्राम बुद्धा पुरवा में किया गया। शिविर के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि प्रधान पति त्रिमोहन लाल ने छात्रों को समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य डीएल भार्गव ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर वरिष्ठ शिक्षक अमित शुक्ला, जितेंद्र कुमार मौर्य, सबर अहमद एवं कार्यक्रम अधिकारी अंकुर सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, वृक्षारोपण और जनसंपर्क जैसे कार्यों में भाग लिया। शिविर के पहले दिन ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में जागरूक किया गया।

वाद-विवाद में यश प्रथम सिमरन को दूसरा स्थान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : केन ग्रोअर्स नेहरू पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के समापन पर मंगलवार को आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागी स्वयं सेवकों को पुरस्कृत किया गया।

नगर के लखीमपुर रोड स्थित महाविद्यालय के नेहरू सभागार में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 में आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष लोक अधिकार मंच, पूर्व सदस्य कार्यकारिणी परिषद लखनऊ अनिल कुमार सिंह ने मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कॉलेज की छात्राओं वन्दना, मानसी व साक्षी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। युवा कार्यक्रम विभाग क्षेत्रीय निदेशालय लखनऊ राजेश तिवारी ने युवा संसद डिबेट के नियम प्रतिभागियों को बताए।

आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर हुई डिबेट में यश चौहान प्रथम, सिमरन कनौजिया द्वितीय, शिखरपुरी तृतीय, सविता गोस्वामी चतुर्थ एवं शिव शंकर ने पांचवा स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय में 18 मार्च से शुरू हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें समापन पर मंगलवार को स्वयंसेवक, स्वयंसेविकाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए श्रम, योगदान को राष्ट्र के लिए सदैव बनाये रखने के का संकल्प लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आदर्श पटेल, डॉ. अमित कुमार यादव ने डिबेट प्रतियोगिता में विजेता स्वयंसेवकों को पुरस्कृत किया। संचालन डॉ. रीमा छाबड़ा, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गौरव अवस्थी ने किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. नवनीत कुमार, डॉ. विष्णु कुमार शुक्ल, डॉ. विवेक कुमार सिंह, डॉ प्रशान्त सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राघवेन्द्र सिंह, डॉ. मंजू शूक्ला, डॉ. विश्वनाथ, डॉ. राजीव कुमार शर्मा, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. विकास चौरसिया, डॉ देवानन्द, नीलम शर्मा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

कार्यालय ग्रा.प. जैरण्डा विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक -मिमो/निविदा विज्ञाप्ति/2025-26 **अल्पकालीन निविदा** 24.03.2026

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, अन्त्येष्टि स्थल का विकास, राज्य वित्त, खाद एवं रसद विभाग योजना, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत जरैण्डा विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 27.03.2026को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. धनराशि
1.	ग्राम पंचायत जरैण्डा में अन्त्येष्टि स्थल निर्माण निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	ग्राम पंचायत जरैण्डा मैं आगनबाडी केन्द्र निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

कार्यालय ग्राम पंचायत अटंगा योगी विकास खंड नवाबगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत अटंगा योगी में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है -इंटरलॉकिंग ईट, प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना
1.	रोड से विद्यालय तक इंटरलॉकिंग कार्य	560000	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 25.03.2026 से दिनांक 28.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 28.03.2026 दोपहर 03:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान - श्री डालचंद्र गंगवार सचिव - श्री पुष्पेंद्र शाक्य

ग्राम पंचायत पुरैनिया विकास खंड भदपुरा जिला बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत मनरेगा कार्य योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पुरैनिया को आवंटित उपलब्ध धनराशि से कराये जाने हेतु निम्नांकित विवरणानुसार कार्यो के शासकीय विभाग से पंजीकृत उच्च कोटि की सामग्री आपूर्तिकर्ताओं/फर्मो से उच्च कोटि की ईट, बजरी, सरिया, सीमेन्ट, रोडा, टीन, बजरफुट व अन्य आवश्यक सामग्रियां निर्माण कार्य से प्रस्तुत होती है के लिये निविदायें आमंत्रित की जाती है। सीलबंद निविदायें ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 25.03.2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 27.03.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिनांक समय 4:00 बजे उपस्थित आपूर्तिकर्ताओं के सामने खोली जायेगी। कोई निविदा प्राप्त न होने पर कुटेशन प्राप्त कार्य कराने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत को निहित होगा। मनरेगा के कार्यो का विवरणः

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	शमशान भूमि में शवदाह ग्रह निर्माण कार्य	148778/-

ग्राम प्रधान-सेवाराम सचिव-पुष्पेन्द्र कुमार

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बदायूं

पत्रांकः एस.एस.ए./एम.आई.एस./14198-211/2025-26 दिनांकः 24.03.2026

विज्ञप्ति

एतद्द्वारा अवगत कराना है कि जनपद बदायूं में बेसिक शिक्षा विभाग/माध्यमिक शिक्षा विभाग/अल्पसंख्यक कल्याण विभाग/समाज कल्याण विभाग से संचालित मान्यता प्राप्त/सहायता प्राप्त समस्त प्रबन्धन के विद्यालयों को सूचित किया जाता है कि अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन के पत्रांक महा.नि./एम.आई.एस./9027/2025-26 दिनांक 21 फरवरी 2025 के द्वारा विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक प्रगति और उपलब्धि को ट्रैक किये जाने हेतु Automated Permanent Academic Registry (APAAR ID) को बनाये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया था। अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के पत्र सं. एस.एस.ए./एम.आई.एस./12270-82/2025-26 दिनांक 25.02.2026 के द्वारा राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ के विभिन्न पत्रों के अनुपालन में अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के पत्रों के माध्यम से आपको अपार आई.डी. सृजन हेतु पूर्व में भी विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किये जा चुके हैं। अतः आपके उपरोक्त के सम्बन्ध में पुनः निर्देशित किया जाता है कि विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की अपार आई.डी. सृजन का कार्य यू-डायस पोर्टल पर दिनांक 31.03.2026 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

वीरेन्द्र कुमार सिंह
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
बदायूं

सत्यमेव जयते MINISTRY OF ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY Government of India | Skill India कौशल भारत-कुशल भारत | Digital India Power To Empower | रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT

अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, पीलीभीत, (उ.प्र.)
Atal Bihari Vajpayee National Institute of Electronics and Information Technology, Pilibhit, (U.P.)
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Electronics & Information Technology, Government of India

प्रवेश सूचना

चिप डिज़ाइन एसोसिएट (O-Level)

अवधि : 3 महीने / 450 घंटे / प्रतिदिन 4 घंटे
प्रशिक्षण का माध्यम : ब्लेंडेड (ऑनलाइन + ऑफलाइन)
पात्रता :
- B.Tech/M.Tech (पढ रहे हों या पूर्ण किया हो)
- B.Sc./M.Sc. (Electronics / CS / IT या संबंधित क्षेत्र)
- Polytechnic Diploma (Electronics / CS / IT)
- ITI (संबंधित तकनीकी ट्रेड्स)
- 12th (PCM) - स्क्रीनिंग टेस्ट उत्तीर्ण करने पर पात्र

कोर्स शुल्कः Rs. 20,000/- प्रारंभः अप्रैल, 2026

पंजीकरण और परीक्षा शुल्क अतिरिक्त रूप से देय होंगे।

SC/ST उम्मीदवारों के लिए निःशुल्क

कोर्स की मुख्य विशेषताएँ:
- विशेषज्ञ-नेतृत्व VLSI प्रशिक्षण तथा गाइडेड लैब्स
- OpenSTA, GTKWave, NGSpice, Magic VLSI एवं Yosys जैसे टूल्स पर हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस
- 450 घंटे का इंडस्ट्री पाठ्यक्रम जिसमें RTL, Verilog एवं STA शामिल
- एंट्री - लेवल VLSI के लिए आवश्यक कौशल विकसित करना

अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए स्कैन करें

अटल बिहारी वाजपेई नाइलिट विस्तार केंद्र पीलीभीत में उपलब्ध सुविधाएँ:
- NSQF, NEP और उद्योग आधारित पाठ्यक्रम
- प्लेसमेंट और उद्यमशीलता सहायता आधुनिक प्रयोगशालाएँ, स्मार्ट कक्षाएं
- इंटरनेट सुविधा
- समृद्ध पुस्तकालय सुविधा
- इंटर्नशिप सुविधाएँ

अटल बिहारी वाजपेई राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, ड्रमंड गवर्नमेंट इंटर कॉलेज परिसर, गौहनिया चौराहा के पास, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश - 262001
संपर्क करें - 6203739575 / 9818206760

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना : ओटी-21-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ''खुली'' निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा सं. : ओटी-21-2025, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल अन्तर्गत गोण्डा बुढ़वल तीसरी लाईन परियोजना के अन्तर्गत नव निर्मित प्लेटफार्म भवनों, पीएफ शेल्टर, एफओबी, 11 केवी लाइन शिफ्टिंग कार्य एवं गोण्डा यार्ड जंक्शन में विद्युतीकरण कार्य एवं एफबीडब्लूपी प्लांट में विद्युतीय स्थापनाओं एवं विद्युतीय उन्नयन कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 6,78,62,882.85, **बयाना राशि :** रु. 13,57,300.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. निल, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 18 माह, **निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय :** 15.04.2026 को 15.00 बजे।

नोट : • इस निविदा के विरुद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत-315 पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. एल/कार./इज्जत/ओ.टी./2025-26/08 दिनांक 23.03.2026

निम्नलिखित कार्यो के लिए खुली ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कारखाना/पूवोत्तर रेलवे/इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः- **क्र. सं. 01. कार्य का नामः** इज्जतनगर स्थित मैकेनिकल वर्कशॉप में वैगन पी. ओ.एच इंफ्रास्ट्रक्चर को 60 से बढ़ाकर 120 वैगन करने से संबंधित विद्युत कार्य। **विवरण अनुमानित लागत (रु. में) :** 2,37,76,062.17 **धरोहर राशि रु. में :** 2,68,900.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में :** शून्य **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 22.04.2026 **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 06 माह। **क्र. सं. 02. कार्य का नामः** इज्जतनगर स्थित मैकेनिकल वर्कशॉप के रोलर बेयरिंग सेक्शन के लिए 10 टन क्षमता वाले 2 केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करना। **विवरण अनुमानित लागत (रु. में) :** 11,55,000.00 **धरोहर राशि रु. में :** 23,000.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में :** शून्य **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 22.04.2026 **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 03 माह। ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ● पूर्ण विवरण वेबसाइट, http://www.ireps.gov.in. पर अपलोड कर दिया गया है। ● निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS_पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। ● केवल पंजीकृत निविदादाता ही ई टेण्डरिंग में भाग ले सकते हैं। ● सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/(का)
मुजाधि/विद्युत-316 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

न्यूज ब्रीफ

एसआई परीक्षा में आंसर-की पर मांगी आपत्तियां

अमृत विचार, लखनऊ: यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड ने उप निरीक्षक (एसआई) के लिए हुई लिखित परीक्षा की आंसर-की जारी कर दी है। साथ ही प्रश्नों पर आपत्तियां भी मांगी हैं। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक अभ्यर्थी यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in से आंसर-की डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी अपने उत्तरों का मिलान करके संभावित स्कोर का अनुमान भी लगा सकते हैं। यह आंसर-की प्रोविजनल रूप में जारी की गई है। गौरतलब है कि पुलिस भर्ती बोर्ड द्वार बीते 14 और 15 मार्च को प्रदेश भर के 75 जिलों में 1090 केन्द्रों पर एसआई पद क लिए लिखित परीक्षा कराई गई थी। एसआई के 4,543 पदों के लिए आयोजित परीक्षा में 10 .77 लाख अभ्यर्थियों परीक्षा दी थी, जबकि एक तिहाई ने परीक्षा छोड़ दी थी। दोनों दिनों की परीक्षा में नकल कराने के नाम पर गुमराह करने आठ आरोपियों की गिरफ्तार किया गया था, जबकि दर्जन भर से अधिक मुकदमे कायम किए गए थे।

मिशन शक्ति में 29,193 बालिकाओं से संवाद

अमृत विचार, लखनऊ: 'मिशन शक्ति' के तहत प्रदेशभर में व्यापक अभियान चलाकर 29,193 बालिकाओं से संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान उन्हें आत्मरक्षा, जीवन कौशल और करियर मार्गदर्शन दिया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार बालिकाओं को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अभियान के तहत 6,587 विद्यालयों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र आयोजित हुए, जबकि 6,256 स्कूलों में 'सेल्फ डिफेंस क्लब' बनाए गए। अधिकारियों के अनुसार, इन प्रयासों से बालिकाओं में आत्मबल, जागरूकता और निर्णय क्षमता का विकास हो रहा है।

शिक्षा जागरुकता को लगाया शिविर

अमृत विचार, लखनऊ: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में मंगलवार को महात्मा गांधी विक्रमादित्य वार्ड के चित्ता का पुरवा, नई बस्ती में शिविर लगाया गया। इस दौरान शिक्षा के प्रति जागरुक करते हुए जन भवन स्थित आदर्श माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को अधिक से अधिक दाखिला कराने के लिए अभिभावकों से कहा गया। इस दौरान जन भवन की अधिकारी निधि पांडे ने स्कूल में उपलब्ध उन्नत सुविधाओं, अनुशासित वातावरण एवं उच्च शिक्षण गुणवत्ता के बारे में बताया। कहा कि राज्यपाल के संरक्षण, आशीर्वाद एवं प्रेरणा से संचालित यह स्कूल निजी विद्यालयों से भी बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

यू-राइज पोर्टल से ही संबद्धता विस्तार आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ: प्राविधिक शिक्षा परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए निजी तकनीकी संस्थानों की संबद्धता विस्तार प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए यू-राइज पोर्टल 23 मार्च से खोल दिया गया है और सभी संस्थानों को समयबद्ध आवेदन करने के निर्देश दिए गए हैं। परिषद के सचिव डॉ. संतोष कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि संबद्धता विस्तार के लिए केवल यू-राइज पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन मान्य होंगे। ऑफलाइन या अन्य किसी माध्यम से किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे पोर्टल पर लॉगिन कर अपने शैक्षणिक स्टाफ का पूरा विवरण अपडेट करें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करें। यह संबद्धता विस्तार एआईसीटीई, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया और काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर दिया जाएगा।

सीएसआर कॉन्क्लेव से जुड़ेंगी बड़ी कंपनियां

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए योगी सरकार अब कॉरपोरेट सेक्टर की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने निर्देश दिए हैं कि विभाग की योजनाओं से बड़ी कंपनियों को जोड़ने के लिए सीएसआर कॉन्क्लेव आयोजित किया जाए, ताकि विद्यालयों के विकास में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का सहयोग लिया जा सके। विधानसभा कार्यालय में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर बालक-बालिका तक समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। उन्होंने बालिका शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए कहा कि उन्हें सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

लखनऊ विवि के प्राणी विज्ञान विभाग में हुआ शोध, शोधछात्रा डॉ. प्रियंका अग्रवाल को उनके शोध पर मिला पेटेंट

फेफड़ों के कैंसर की दुश्मन है अनार के दानों की झिल्ली

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: दाड़िम मधुरं स्निग्धं दीपनीयं रुचिप्रदम् आयुर्वेद में दाड़िम अनार को कहा गया है, जो मीठा और स्निग्ध हल्का होता है। जो वात, पित्त और कफ दोषों को संतुलित करता है। लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग में हुए शोध में अनार से फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारी की रोकथाम में बेहद चौकाने वाले परिणाम सामने आए हैं। ज्यादातर अंतिम स्टेज में पता चलने वाली लंग्स कैंसर की बीमारी में प्रयोग की जाने वाली दवा 'डाक्सोरूबिसिन' की कार्यक्षमता को अनार कई गुना बढ़ा देता है। डॉ. प्रियंका अग्रवाल को उनके शोध पर पेटेंट हासिल हुआ है।

विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के शोध में पाया गया है कि अनार के दानों की पीले रंग की झिल्ली फेफड़े के कैंसर (लंग्स कैंसर) की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में सक्षम है। शोध के लिए पुणे के नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंसेज से फेफड़े के कैंसर की ए-549 कोशिकाएं मंगवाई गईं। अनार की झिल्ली को सुखाकर 100 प्रतिशत इथेनॉल में इसका अर्क (एब्सट्रैक्ट) तैयार किया गया। जिससे इथेनॉल में घुलने वाले सारे तत्त्व इसमें आ जाएं। शोध के दौरान जांच में सामने आया कि इस अर्क में '5-हाइड्रोक्सीमैथिलफर्फुरल' नामक तत्व की मात्रा सबसे अधिक (65 प्रतिशत) है, जो कैंसर कोशिकाओं के विरुद्ध बेहद प्रभावी है।

शोधकार्य करती डॉ. प्रियंका अग्रवाल।

शोध के दौरान इकट्ठा किया गया एब्सट्रैक्ट। ● अमृत विचार

इस तरह हुआ मिश्रण तैयार: दो तरह के मिश्रण तैयार किए गए, जिसमें पहले मिश्रण में 35 माइक्रोग्राम अर्क के साथ 1.2 माइक्रोग्राम दवा दी गई तो 65 प्रतिशत कैंसर कोशिका नष्ट हो गई। जबकि दूसरे मिश्रण में 44 माइक्रोग्राम अर्क के साथ 1.5 माइक्रोग्राम दवा देने पर 77 प्रतिशत कैंसर कोशिका खत्म हो गई।

उपचार में कोई साइड इफैक्ट नहीं : इस शोध की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह घातक मिश्रण केवल कैंसर की कोशिकाओं पर प्रहार करता है और शरीर की सामान्य कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। आमतौर पर कीमोथेरेपी के दौरान स्वस्थ कोशिकाएं भी नष्ट हो जाती हैं, लेकिन अनार की झिल्ली का यह प्राकृतिक गुण इस जोखिम को कम कर सकता है।

निष्कर्ष : मुख्य तत्व 5-हाइड्रोक्सी मैथिलफर्फुरल (65 प्रतिशत) दवा के साथ मिलकर 77 प्रतिशत तक कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने की क्षमता रखता है जो पूरी तरह सुरक्षित बिना किसी दुष्प्रभाव के युक्त है।

अनार की झिल्ली के अर्क का कमाल

कैंसर प्रभावित कोशिकाओं पर जब 35 माइक्रोग्राम प्रति एमएल की डोज दी गई, तो इसने लगभग 41 प्रतिशत कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर दिया। इसके अलावा जब इस अर्क (एब्स्ट्रैक्ट) को कैंसर की दवा 'डाक्सोरूबिसिन' के साथ मिलाया गया, तो इसकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ गई।

जर्मन तकनीक से लैस होंगी यूपी की गोशालाएं

गो सेवा आयोग और जीआईजेड के बीच हुआ एमओयू, आत्मनिर्भर मॉडल पर दिया जाएगा जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में गोशालाओं को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब प्रदेश की चयनित गोशालाओं को जर्मन तकनीक से लैस किया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग और जर्मनी की प्रतिष्ठित संस्था जीआईजेड के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्रबंधन, संसाधनों के बेहतर उपयोग और आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर काम किया जाएगा। इसके लिए गोशालाओं का चयन गो सेवा आयोग द्वारा किया जाएगा। इस पहल से प्रदेश की गोशालाएं अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनेंगी। साथ ही, गो सेवा से जुड़े लोगों को नई तकनीकों की जानकारी मिलने से उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। योगी सरकार की मंशा है कि गोशालाओं को आश्रय स्थल तक सीमित न रखकर उत्पादक इकाई के रूप में विकसित किया जाए।

एमओयू का आदान-प्रदान करते गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता व जर्मनी के प्रतिनिधि।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

- सरकार की मंशा गोशालाओं को केवल आश्रय स्थल तक सीमित रखने की नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर इकाई के रूप में विकसित करने की है। इसके तहत गोबर, गोमूत्र और अन्य गो-आधारित उत्पादों के वैज्ञानिक और व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल से न केवल गो सेवा मजबूत होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण को भी नई दिशा मिलेगी।

राज्य गो सेवा आयोग और अधिकारी करेंगे गोशालाओं का निरीक्षण

- अमृत विचार, लखनऊ : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा गाय के संरक्षण को लेकर धर्म युद्ध छेड़ने का ऐलान किया तो राज्य सरकार हरकत में आ गई है। राज्य गो सेवा आयोग और अधिकारी गोशालाओं का निरीक्षण कर गायों के बेहतर रख-रखाव के उपाय करेंगे। वहीं पुलिस से भी कहा गया है कि वह गो तस्करों के खिलाफ रासुका और गैंगस्टर जैसी सख्त कार्रवाई करे, जिससे गोवंश की सुरक्षा हो सके। शंकराचार्य ने बीते दिनों लखनऊ प्रवास के दौरान कहा था कि यूपी में गायों की हालत खासी खराब है। उनका सही संरक्षण नहीं हो पा रहा है। वह गायों की सुरक्षा के लिए धर्मयुद्ध छेड़ेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य गो सेवा आयोग ने गोशालाओं का निरीक्षण करने का प्लान तैयार किया है। आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त ने बताया कि गोशालाओं में गोवंश के संरक्षण, भरण-पोषण, हरा चारा, भूसा, चोकर, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। ये अभियान दो चरणों में होगा। प्रदेश भर के मंडल में आयोग के पदाधिकारी स्वयं स्थलीय निरीक्षण करेंगे। साथ ही जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठकों में भाग लेंगे। प्रत्येक निरीक्षण के बाद रिपोर्ट शासन को को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा झांसी, आगरा, चित्रकूटधाम, देवीपाटन, गोरखपुर, लखनऊ, आजमगढ़, विन्ध्यांचल एवं अयोध्या मंडलों में निरीक्षण किया जाएगा। दूसरे चरण में अन्य मंडलों को लिया जाएगा। इसके अलावा पशुपालन और प्रशासन के अधिकारी भी समय-समय पर गोशालाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट शासन को भेजेंगे।

सरकारी योजनाओं से सोमा अनीता की बदली तकदीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गुड़ उद्योग से सोमा की 90 हजार मासिक कमाई, कई राज्यों में सप्लाई
- स्वयं सहायता समूह से अनीता बनीं 'लखपति दीदी', 4400 को मिला सहारा

अमृत विचार: योगी सरकार की योजनाएं अब जमीन पर असर दिखा रही हैं। आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करते हुए गांवों की महिलाएं रोजगार मांगने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने वाली बन रही हैं। लखीमपुर-खीरी की सोमा गुप्ता और अमरोहा की अनीता देवी इसकी जीवंत उदाहरण हैं।

लखीमपुर-खीरी के सिंगहाखुर्द गांव की सोमा गुप्ता ने 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम' के तहत वर्ष 2022 में 25 लाख रुपये का ऋण लेकर गुड़ कोल्हू उद्योग शुरू किया। आज उनका उद्यम सफलता की नई मिसाल बन चुका है। सीजन में प्रतिदिन करीब 18 क्विंटल गुड़ उत्पादन के साथ उनका उत्पाद यूपी के अलावा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल तक पहुंच रहा है। अपनी 6 एकड़ गन्ने की खेती के साथ अन्य किसानों से खरीद कर उत्पादन बढ़ाने वाली सोमा हर महीने 80 से 90 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं और क्षेत्र के कई लोगों को रोजगार भी दे रही हैं।

वहीं, अमरोहा जिले के सलेमपुर गोसाईं गांव की अनीता देवी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी जिंदगी बदल दी। कभी मजदूरी कर परिवार चलाने वाली अनीता आज "लखपति दीदी" के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने सिलाई कार्य से शुरुआत कर इसे व्यवसाय का रूप दिया और बाद में 'शक्ति ट्रेडर्स' के नाम से किराना दुकान भी शुरू की।

सरकारी सहयोग से उन्हें विभिन्न चरणों में आर्थिक सहायता मिली, जिससे उनका व्यवसाय मजबूत हुआ। आज उनकी मासिक आय 40 से 45 हजार रुपये तक पहुंच गई है। इतना ही नहीं, उनके नेतृत्व में 27 समूह सक्रिय हैं, जिनसे जुड़ी करीब 4400 महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

दोनों कहानियां इस बात का प्रमाण हैं कि सही नीति, आर्थिक सहयोग और प्रशिक्षण मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी उद्यमिता में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं में यूपी बना देश में अग्रणी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 5.76 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड, डिजिटल हेल्थ में शीर्ष पर
- आयुष्मान योजना, मातृ-शिशु योजनाओं से करोड़ों को मिला लाभ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश में अग्रणी स्थान हासिल किया है। बीते नौ वर्षों में प्रदेश ने स्वास्थ्य ढांचे के साथ डिजिटल हेल्थ, आपात सेवाओं और मातृ-शिशु देखभाल में बड़े बदलाव किए हैं।

प्रदेश में अब तक 5.76 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। माइक्रोसाइट प्रोजेक्ट के तहत 35 केंद्र संचालित हो रहे हैं, जहां 4.4 लाख से अधिक रिकॉर्ड पंजीकृत किए गए हैं। यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल के जरिए रोगों की निगरानी और नियंत्रण को भी मजबूत किया गया है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सुधार देखने को मिला है। गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा दी जा रही है, जबकि जननी सुरक्षा योजना से 13.5 लाख से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं। बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 8.79 लाख बच्चों का उपचार किया गया है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 9 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में 6,213 अस्पतालों का नेटवर्क इस योजना से जुड़ा है, जो देश में सबसे बड़ा है। अब तक 13,353 करोड़ रुपये खर्च कर 81.55 लाख मरीजों का इलाज किया जा चुका है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स और एम्बुलेंस सेवाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। 108 एम्बुलेंस सेवा से 4 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिला है, जबकि मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के जरिए 1.80 करोड़ मरीजों का उपचार किया गया है।

एमएसएमई और युवा गैप कम करने की पहल

अमृत विचार: प्रदेश में युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने और एमएसएमई सेक्टर की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देने के लिए नई पहल शुरू हुई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) और इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के बीच हुई बैठक में उद्योग आधारित प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने पर सहमति बनी। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने निर्देश दिए कि औद्योगिक संगठनों को प्रशिक्षण भागीदार के रूप में जोड़ा जाए, जिससे युवाओं को बाजार की मांग के अनुसार कौशल मिल सके और प्रशिक्षण के बाद बेहतर प्लेसमेंट सुनिश्चित हो। बैठक में डिजिटल सशक्तिकरण पर भी जोर दिया गया। एपीआई आधारित डेटा एकीकरण के जरिए प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़ी सूचनाओं को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। इसके अलावा क्यूआर कोड आधारित प्रणाली से एमएसएमई, नियोक्ता और नौकरी चाहने वालों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

औद्योगिक इकाइयों को 2000 करोड़ प्रोत्साहन: नंदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्री ने जताई बजट उपयोग 87% तक पहुंचने की उम्मीद
- वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले 6000 करोड़ की और स्वीकृति संभव

अमृत विचार: प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में बड़ा निवेश किया है। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने विभागीय बजट की समीक्षा करते हुए बताया कि औद्योगिक इकाइयों को करीब 2000 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग को 28,864.98 करोड़ रुपये का बजट आवंटित हुआ था, जिसमें से अब तक 19,218 करोड़ रुपये (66.58%) खर्च की स्वीकृति जारी हो चुकी है। वित्तीय वर्ष समाप्ति से पहले करीब 6000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त स्वीकृति मिलने की संभावना है, जिससे कुल बजट उपयोग 87 प्रतिशत से अधिक पहुंच जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेहतर औद्योगिक नीति, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के चलते उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

प्रमुख सचिव आलोक कुमार के अनुसार, इस वर्ष यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में भूमि खरीद पर 2900 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि एक्सप्रेसवे और औद्योगिक कॉरिडोर विकास पर भी महत्वपूर्ण निवेश हुआ है।

कहां हुआ बड़ा खर्च

- 2000 करोड़ : औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन
- 2900 करोड़ : भूमि खरीद (यमुना प्राधिकरण)
- 550 करोड़ : जेवर व फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे
- 250 करोड़ : औद्योगिक कॉरिडोर विकास
- 250 करोड़ : डिफेंस कॉरिडोर भूमि

मंत्री राकेश सचान को सोलर लाइट-प्रोजेक्शन फ्रेम दिखाता छात्र।

छात्र का 'सोलर लाइट-प्रोजेक्शन फ्रेम' बना स्टार्टअप की राह

- **अमृत विचार, लखनऊ:** एमएसएमई मंत्री राकेश सचान के मार्गदर्शन में एक युवा नवाचार ने नई दिशा पाई है। जीएल बजाज संस्थान के बीटेक छात्र देव मंथन द्वारा विकसित सोलर आधारित रिचार्जेबल लाइट-प्रोजेक्शन फोटो फ्रेम अब तकनीक, रचनात्मकता और स्वच्छ ऊर्जा का अनूठा उदाहरण बनकर उभर रहा है।यह फ्रेम सामान्य स्थिति में साधारण दिखाई देता है, लेकिन प्रकाश पड़ते ही इसमें छिपा चित्र या संदेश उभरकर सामने आता है। हिडेन इन प्लेन साइट अवधारणा पर आधारित यह प्रोजेक्ट शुरुआत में बिजली आधारित बैकलाइट पर निर्भर था, जिससे इसकी उपयोगिता सीमित थी। मंत्री राकेश सचान ने इस प्रोटोटाइप का अवलोकन कर इसे सोलर ऊर्जा से जोड़ने का सुझाव दिया, जिसने इस प्रोजेक्ट को नया आयाम दिया। इसके बाद देव मंथन ने अपने मेंटर विश्वास गुप्ता के साथ मिलकर 15-20 दिनों के प्रयास में इसे सोलर पैनल से संचालित, पूरी तरह वायरलेस उत्पाद में बदल दिया। अब यह फ्रेम कहीं भी आसानी से लगाया जा सकता है और बिजली की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देता है।

राजनीति | **लोकसभा में सबसे अधिक खराब प्रदर्शन रहा वर्ष 2014 और 2024 में**

चार राज्यों के चुनाव में भाग लेने पर बसपा कर रही मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी विधान सभा चुनावों में भी 30 से फिसलकर आ पहुंची 12 फीसदी वोटों पर

अमृत विचार : यूपी में चार बार सत्ता संभालने वाली और कभी लोकसभा में सत्ताधारी दलों से अपनी बात मनवाने की ताकत रखने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अपने सबसे खराब वक्त से जूझ रही है। हालात यह हैं कि बसपा का 403 सदस्यों वाली यूपी विधान सभा महज एक विधायक है, वहीं लोकसभा में एक भी सदस्य नहीं हैं। अब सियासी वजूद बचाने के लिए बसपा वेस्ट बंगाल, तमिलनाडु असम और केरल राज्यों के चुनावों में उतरने पर गंभीरता से मंथन कर रही है।

अनुसूचित जाति के दिग्गज नेता माने जाने वाले कांशीराम ने वर्ष 1984 में बसपा की स्थापना की थी। कठिन संघर्ष के बल पर स्थापना के महज पांच साल के बाद वर्ष 1989 में यूपी विधान सभा के चुनाव हुए। पहली बार में ही 19 सीटें जीतकर बसपा ने 9.41 फीसदी मत प्राप्त कर सभी को चौंका दिया था। उसके बाद बसपा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बसपा ने यूपी को मुख्य फोकस पर रखा तो 1991 में 12 सीटें पाकर 9.44 फीसदी मत, 1993 में 67 सीटें लाकर 11.12 फीसदी, 1996 में फिर 67 सीटें और फिर 2002 में संख्या बढ़कर 98 सीटें हो गई। साथ ही मत प्रतिशत भी बढ़कर 23.06 फीसदी पर जा पहुंचा।

इससे बसपा का हौसला बढ़ा और 2007 में 30.43 फीसदी वोट प्राप्त कर 206 सीटें लाकर यूपी में अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली थी। लेकिन उसके बाद पांच साल बाद हुए 2012 में बसपा का ग्राफ एकाएक गिर गया। 80 सीटें प्राप्त कर पार्टी को 25.91 फीसदी वोटों पर ही संतोष करना पड़ा। उसके बाद ग्राफ इस कदर गिरा कि 2017 में 19 सीटें प्राप्त कीं और 22.23 फीसदी वोट प्राप्त किए, वहीं 2022 में 12.80 फीसदी वोट प्राप्त कर महज एक सीट पर आकर सिमट गई। बसपा के यूपी जैसे हालात अन्य राज्यों में भी रहे। 2022 में पंजाब में एक, 2025 के बिहार चुनाव में एक, राजस्थान के 2023 के चुनाव में दो और उत्तराखंड में हुए 2022 के चुनाव में दो सदस्य ही जीत पाए।

लोकसभा में पार्टी का एक भी सदस्य नहीं

- बसपा का मौजूदा समय में लोकसभा का एक भी सदस्य नहीं हैं। यही हाल वर्ष 2014 के चुनाव में रहा था। उस समय भी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। जबकि 2019 में 10, 2009 में 21, 2004 में 19, 1999 में 14, 1998 में पांच, 1996 में 11, 1991 तीन और 1989 में चार सीटें जीती थीं। राज्यसभा में बसपा के एक सदस्य रामजी गौतम हैं। उनका कार्यकाल नवंबर 2026 तक है। इसके बाद राज्यसभा में भी बसपा का एक भी सदस्य नहीं रहेंगे।

हज-2026: अंतिम किश्त जमा करने का निर्देश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 31 तक जमा करनी होगी शेष धनराशि, देरी पर प्रक्रिया प्रभावित

अमृत विचार: हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के यात्रियों के लिए अंतिम किश्त जमा करने के निर्देश जारी किए हैं। जारी सर्कुलर के अनुसार, हज यात्रियों को पूर्व में जमा की गई 2,77,300 की राशि के अतिरिक्त शेष धनराशि 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी।

यात्री यह भुगतान स्टेट बैंक या यूनियन बैंक के माध्यम से, या हज कमेटी की आधिकारिक वेबसाइट से पे-स्लिप डाउनलोड कर डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई और नेट बैंकिंग के जरिए कर सकते हैं। उड़ान स्थल के अनुसार शेष राशि तय की गई है, जिसमें लखनऊ से जाने वाले यात्रियों को 75,250, दिल्ली से 69,300, मुंबई से 62,950, अहमदाबाद से 55,900 और हैदराबाद से 66,050 जमा करने होंगे। यह राशि कुर्बानी शुल्क से अलग है। जिन यात्रियों ने कुर्बानी का विकल्प चुना है, उन्हें 17,280 अतिरिक्त जमा करना होगा। वहीं शिया हज यात्रियों को जोहफा मीकात के लिए 5,520 अतिरिक्त जमा करने होंगे। हज कमेटी ने स्पष्ट किया है कि इस राशि में हवाई किराया, एयरपोर्ट टैक्स, बीमा और अन्य खर्च शामिल हैं, जबकि कैटरिंग शुल्क बाद में अलग से लिया जाएगा।

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर।

–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

एकपक्षीय युद्धविराम

पश्चिम एशिया में जारी उथल-पुथल के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एकतरफा “पांच दिन के युद्ध विराम” की घोषणा कूटनीतिक पहल के अलावा कई स्तरों पर दबावों का परिणाम है। यह कदम उस समय आया है, जब इजराइल-ईरान तनाव अपने चरम पर है और वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति तथा सामरिक संतुलन सभी खतरे में हैं। ट्रंप के इस निर्णय के पीछे घरेलू राजनीतिक मजबूरियां साफ दिखाई देती हैं। अमेरिका में आगामी मिडटर्म चुनावों की आहट के बीच उनकी लोकप्रियता में गिरावट और संभावित महाअभियोग का खतरा उन्हें जोखिम लेने से रोक रहा है। रक्षा बजट, जो लगभग 19 लाख करोड़ रुपये के समकक्ष है, पर भी दबाव है। ऐसे में लंबा युद्ध अमेरिकी करदाताओं पर भारी पड़ सकता है, जिसे राजनीतिक रूप से उचित ठहराना कठिन होगा। दूसरी ओर इजराइल का ट्रंप के इस फैसले पर आश्चर्य जताना इस बात का संकेत है कि वाशिंगटन और तेल अवीव के बीच इस मुद्दे पर पूर्ण सहमति नहीं है। इजराइल, जो ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद रणनीतिक बढ़त मान रहा था, किसी भी जल्दबाजी में युद्धविराम को अपने हितों के विरुद्ध मान सकता है। अतः यह स्पष्ट है कि अमेरिका की प्राथमिकताएं अब केवल इजराइल की सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक वैश्विक और घरेलू समीकरणों से प्रभावित हैं। ट्रंप का अपने पूर्व आक्रामक बयानों से यू-टर्न लेना भी कई संकेत देता है। खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना के लगभग 40 प्रतिशत के प्रभावित होने से तेल की कीमतों में उछाल आया है। ताइवान में चिप उत्पादन बाधित होने की आशंका ने एप्पल और एनवीडिया जैसी अमेरिकी कंपनियों के हितों को भी खतरे में डाल दिया है। यह आर्थिक दबाव किसी भी सैन्य महत्वाकांक्षा पर भारी पड़ता है। इसके अतिरिक्त, नाटो और अन्य पश्चिमी सहयोगियों का सीमित समर्थन अमेरिका को “अकेले पड़ने” की स्थिति में ला सकता है। यूरोपीय देश पहले ही यूक्रेन संकट से थके हुए हैं और एक नए युद्ध में गहराई से शामिल होने को इच्छुक नहीं दिखते। ऐसे में ट्रंप का युद्ध विराम प्रस्ताव सामरिक पुनर्संतुलन का प्रयास भी हो सकता है।

अमेरिका-ईरान वार्ता में पाकिस्तान की मध्यस्थता और कतर, तुर्किये व मिस्र की सक्रिय भूमिका ने इस धारणा को चुनौती दी है कि भारत ही एकमात्र संतुलनकारी शक्ति है। हालांकि भारत की “रणनीतिक स्वायत्तता” और सभी पक्षों से संवाद की क्षमता उसे अब भी एक महत्वपूर्ण, अनौपचारिक भूमिका देती है। युद्धविराम की आशंकित असफलता हमारी ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति और खाड़ी देशों में फंसे लाखों भारतीयों की सुरक्षित निकासी ली चुनौती बनेगी। होर्मुज जलडमरूमध्य का संभावित बंदी भारत के लिए अस्वीकार्य होना स्वाभाविक है, हमारी लगभग 60 प्रतिशत तेल आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकसभा में दी गई चेतावनी इस मामले में संकेत है कि हमें वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं, सामरिक तेल भंडार और आपातकालीन निकासी योजनाओं को तुरंत सक्रिय करना होगा। इसमें ऊर्जा विविधीकरण, कूटनीतिक सक्रियता, रक्षा सतर्कता और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना शामिल है। भारत को इस अनिश्चितता के दौर में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए संतुलित, व्यावहारिक और दूरदर्शी नीति अपनानी होगी।

प्रसंगवश

पर्यावरण-अनुकूल परिवहन की ओर बढ़ती दुनिया

जलवायु परिवर्तन आज मानव सभ्यता के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। बढ़ते वैश्विक तापमान, चरम मौसम घटनाओं और प्रदूषण ने विकास के मौजूदा मॉडल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संदर्भ में परिवहन क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह आधुनिक जीवन का आधार भी है और प्रदूषण का एक बड़ा स्रोत भी। परिवहन क्षेत्र वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है, जबकि ऊर्जा से जुड़े कार्बन उत्सर्जन में इसकी हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत तक है। यही कारण है कि विश्वभर में परिवहन व्यवस्था को पर्यावरण-अनुकूल बनाने पर जोर बढ़ा है। ‘ग्रीन मोबिलिटी’ या ‘सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट’ की अवधारणा इसी सोच का परिणाम है, जिसका उद्देश्य ऐसे साधनों और ढांचों का विकास करना है, जो कम ऊर्जा उपयोग करें और प्रदूषण घटाएं।

इस दिशा में यूरोप अग्रणी है। नॉर्वे, नीदरलैंड और जर्मनी जैसे देशों ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी नीतियां अपनाई हैं। नॉर्वे में नई कारों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। वहीं एम्स्टर्डम और कोपेनहेगन जैसे शहरों में साइकिल आधारित परिवहन का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है, जिससे प्रदूषण और यातायात दबाव दोनों कम हुए हैं। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वर्ष 2022 में दुनियाभर में एक करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं, जो कुल बिक्री का लगभग 14 प्रतिशत हैं। यह परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। भारत के लिए यह चुनौती और भी बड़ी है, क्योंकि यहां तेजी से शहरीकरण और वाहनों की संख्या में वृद्धि हो रही है। देश के ऊर्जा-संबंधी कार्बन उत्सर्जन में सड़क परिवहन की हिस्सेदारी लगभग 12 से 14 प्रतिशत है। पिछले दो दशकों में परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जन 155.9 मिलियन टन से बढ़कर 368.2 मिलियन टन तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार की फेम योजना के तहत ई-वाहनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पुणे जैसे शहरों में ई-बसों का विस्तार हो रहा है। साथ ही मेट्रो रेल परियोजनाओं के विस्तार ने शहरी परिवहन को नया विकल्प दिया है। पर्यावरण-अनुकूल परिवहन में साइकिल की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी साधन है। भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोग साइकिल का उपयोग करते हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, लेकिन शहरी क्षेत्रों में इसका उपयोग काफी घटा है। जहां 1990 के दशक में 20-30 प्रतिशत यात्राएं साइकिल से होती थीं, वहीं आज यह घटकर 2-5 प्रतिशत रह गई हैं। इसके पीछे साइकिल लेन का अभाव, कार-केंद्रित विकास और सामाजिक धारणाएं प्रमुख कारण हैं।

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए कई चुनौतियां हैं। पहली चुनौती बुनियादी ढांचे की हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन अभी भी सीमित हैं। दूसरी चुनौती लागत से जुड़ी है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआती कीमत अधिक है। तीसरी चुनौती शहरी नियोजन की है, जहां दीर्घकालिक परिवहन दृष्टि का अभाव दिखाई देता है। चौथी चुनौती साइकिल और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्गों की कमी है। यदि शहरों में सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल मार्गों को प्राथमिकता दी जाए, तो प्रदूषण और यातायात दोनों को नियंत्रित किया जा सकता है। भारत यदि इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरी तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा को समन्वित रूप से विकसित करे, तो देश प्रदूषण नियंत्रित करने का साथ ही इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व भी हासिल कर सकता है। इस दिशा में उठाए गए कदम शहरों को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और रहने योग्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

निकट आई लाल आतंक के खात्मे की घड़ी

दिग्विजय सिंह

कानपुर

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद-370 के समापन, आतंकवाद का खात्मा समेत कई बड़े वादों के साथ 2014 में केंद्र की सत्ता में आई भाजपा ने उन तमाम वादों को देर सबेर पूरा किया। इसलिए भाजपा नेताओं के साथ ही आमजन में यह धारणा बनी कि मोदी है तो मुमकिन है। यह धारणा नारे में तब्दील हो गई और अब भाजपा और उसके सहयोगी दलों के मंच पर इसे पूरे जोश से बोला जाता है।

अब मोदी सरकार अपने एक और वादे को पूरा करने जा रही है वह है लाल आतंक यानी नक्सल मुक्त भारत। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। नक्सलियों को डेडलाइन दी गई थी कि वे या तो आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटें अथवा मुठभेड़ में मारे जाएंगे या फिर जेल जाएंगे। इस सख्ती का असर हुआ और तमाम बड़े हार्डकोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में लौटना ही उचित समझा। उनके सहयोगी भी बड़े पैमाने पर हथियार डालने को मजबूर हुए। अब नक्सल मुक्त वादे के पूरा होने में सात दिन बचे हुए हैं। सुरक्षा बलों ने अपने अभियान को तेज कर दिया है। ताकि एक- एक नक्सली की गिरफ्तारी हो जाए या फिर वह हथियार डाल दे। हालांकि अभी तमाम हार्डकोर नक्सली ऐसे हैं, जो सरेंडर करने को तैयार नहीं हैं और सुरक्षा बलों की नजरों से बचकर छिपे हुए हैं, पर सरकार की जो इच्छाशक्ति है, उसे देखकर नहीं लगता कि वे सुरक्षा बलों से बच पाएंगे। भारत सीमा पर पाकिस्तान के पाले हुए आतंकवादियों से तो लड़ ही रहा है।

देश के अंदर मौजूद उग्रवादियों, नक्सलियों के सफाए के लिए भी पूरी ताकत झोंकी जा रही है। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से 1967 में नक्सलवाद की शुरुआत हुई थी। धीरे-धीरे यह लाल गलियारा ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में भी फैल गया। नक्सलियों ने बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों के जवानों, जनप्रतिनिधियों और आमजन को अपनी गोली या बारूद का शिकार बनाया। तमाम कोशिशों के बाद भी कोई सरकार उनके आतंक पर अंकुश नहीं लगा सकी, लेकिन मजबूत इच्छा शक्ति, सुरक्षा बलों को दी गई खुली छूट, मजबूत सर्विलांस सिस्टम और मुखबिर तंत्र बनाकर मोदी सरकार ने नक्सलवाद मुक्त भारत का वादा किया और 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। उम्मीद है कि मोदी सरकार डेडलाइन खत्म होने से पहले ही लाल आतंक का खात्मा कर यह घोषणा कर देगी कि पूरा भारत अब नक्सल मुक्त हो गया है।

> देश के अंदर मौजूद उग्रवादियों, नक्सलियों के सफाए के लिए भी पूरी ताकत झोंकी जा रही है। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से 1967 में नक्सलवाद की शुरुआत हुई थी।

2019 तक देश के 9 राज्यों के 61 जिलों के 245 पुलिस थानों तक नक्सलवाद फैला हुआ था। जनवरी 2026 तक सिर्फ दो राज्यों के 5 जिले और 11 पुलिस थाने ही नक्सल प्रभावित बचे हैं। मोदी सरकार ने सिर्फ सुरक्षा बलों के दम पर ही नहीं, बल्कि विकास की गंगा बहाकर भी नक्सलियों को आत्मसपर्मण के लिए मजबूर किया है। विकास, रोजगार, शिक्षा की बयार बही, तो उनकी मदद करने वाले ग्रामीण भी न सिर्फ कदम पीछे खींचने लगे, बल्कि परिवार वालों पर दबाव डालकर नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए तैयार भी किया।

प्रभावित इलाकों में विकास की बात करें, तो जनवरी 2026 तक 15 हजार किलोमीटर सड़कें बनाई गईं। मोबाइल कनेक्टिविटी के लिए 9233 टॉवर लगाए गए और युवाओं, महिलाओं को दक्ष बनाकर रोजगार दिलाने के लिए 46 आईटीआई और 49 स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की गई। 179 एकलव्य मॉडल स्कूल, 6025 पोस्ट ऑफिस, विभिन्न बैंकों की 1804 शाखाएं और 1321 एटीएम स्थापित किए गए, जो नक्सली आत्मसपर्मण कर रहे हैं, उनके पुनर्वास के लिए भी सरकार खूब धन खर्च कर रही है। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि देश की जनता से जो वादा किया गया है वह निर्धारित अवधि में पूरा हो जाएगा।

अब बात करें आतंकवाद की तो सुरक्षा बलों की सतर्कता, मजबूत खुफिया तंत्र की वजह से इसमें 43 फीसद की कमी आई है। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026 की ताजा रिपोर्ट में भारत इस बार 13 वें स्थान पर है, जबकि पिछले साल 11 वें स्थान पर था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा लांच किए गए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किए जाने और बड़े आतंकियों के मारे जाने से उनके आका डरे हुए हैं।

पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के आकाओं को भी पता है कि भारत ऑपरेशन सिंदूर पार्ट टू कभी भी लांच कर सकता है। ऐसे में वे ऐसी कोई हरकत नहीं कर रहे हैं, जिससे कि हमारी सेना और सरकार को कड़ा कदम उठाना पड़े। हालांकि आईएसआई भारत को अस्थिर करने की हर चाल चल रही है। आईएसआई ने भारत में तेजी से जासूसों का जाल बिछाना शुरू किया है। सोनीपत में स्टेशन के आउटर इलाके में सोलर आधारित सीसीटीवी कैमरे लगवाने का उसका खेल पकड़ में आ गया है।

एनएआई ने उसके स्लीपर सेल और जासूसों की धरपकड़ करके उसके नेटवर्क को ध्वस्त करने का काम तेज किया है, लेकिन आईएसआई ने जासूसी का ये जो नया तरीका निकाला है यह हमारी सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। ईरान के सबसे बड़े धार्मिक नेता अली खामेनेई और सैन्य प्रमुखों की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने ऐसे ही कैमरे ईरान में लगवाए थे। इससे यह पता चलता है कि आईएसआई भी मोसाद के नक्शेकदम पर चल रही है और हमारे प्रमुख स्थलों पर कैमरे लगवाकर निगरानी करना चाहती है। हालांकि उसकी कोई भी चाल सफल नहीं होगी, क्योंकि हमारा खुफिया तंत्र बहुत मजबूत है, लेकिन उसकी यह चाल गंभीर खतरे की तरफ इशारा जरूर कर रही है।

आमने सामने

एक फिल्म ने अतीक अहमद और समाजवादी पार्टी के संबंधों को उजागर कर दिया है कि किस तरह से सपा सरकार में अतीक अहमद देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा था। मैं तो यही कह सकती हूं कि योगी आदित्यनाथ यूपी के धुरंधर मुख्यमंत्री है, जिन्होंने अतीक और मुख्तार जैसे माफियाओं के साम्राज्य का अंत कर दिया।

– **पूजा पाल**, विधायक

पूजा पाल का बयान पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। एक फिल्म धुरंधर आई, जिसमें अतीक अहमद के बारे विदेशी कनेक्शन की बात कही गई। जिस अतीक के नाम पर लोकसभा में शोक सभा हुई, जो सांसद व विधायक रहे, जिनकी पुलिस कस्टडी में हत्या कर दी, लेकिन कभी उनके विदेश से कनेक्शन की बात नहीं आई। अब बजनिए तय करेंगे कौन विदेशी है और कौन हिंदुस्तानी है?

– **इसरार अहमद**, AIMIM नेता

तमिलनाडु विस चुनाव में दिलचस्प होगा मुकाबला

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

दक्षिण भारत की राजनीति में तमिलनाडु हमेशा से एक विशिष्ट प्रयोगशाला रहा है। यहां की राजनीति लंबे समय तक द्रविड़ विचारधारा और क्षेत्रीय अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। पिछले पांच दशकों से सत्ता का केंद्र लगभग दो दलों द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच बंटा रहा है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव इस पारंपरिक द्वंद्व से आगे निकलकर नए राजनीतिक समीकरणों की आहट दे रहा है।

विधानसभा चुनाव को लेकर तस्वीर अब लगभग साफ हो गई है। राज्य में चार-कोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है, जिससे चुनावी संघर्ष और भी दिलचस्प हो गया है। राज्य में 2019 से मजबूत स्थिति में रहे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वाम दल, विदुथलाई चिरूथैगल कच्ची, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और मनिथनया मक्कल कच्ची जैसे दल शामिल हैं। हाल ही में कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम भी इस गठबंधन में जुड़ गए हैं। दूसरी ओर, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन में अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल कच्ची, टी.टी.वी. दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम और जी.के. वासन की तमिल मनीला कांग्रेस भी शामिल हैं।

इस बीच अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्रि कझगम को लेकर कई अटकलें चल रही थीं। कांग्रेस के साथ उनके संभावित गठबंधन की चर्चाएं तेज थीं और यहां तक कहा गया कि राहुल गांधी से उनकी बातचीत भी हुई है। हालांकि कांग्रेस ने अंततः द्रमुक के साथ ही अपना गठबंधन बरकरार रखा। इसके बाद टीवीके के एनडीए में शामिल होने और विजय को उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश जैसी खबरें भी सामने आईं, लेकिन इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए विजय ने एक इफ्तार कार्यक्रम में साफ कर दिया कि उनकी पार्टी किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। उन्होंने घोषणा की कि टीवीके अपने दम पर सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाने का दावा भी किया। वहीं, सीमान की पार्टी नाम तमिलर कच्ची भी हर बार की तरह अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी। इस प्रकार राज्य में चार प्रमुख मोर्चे बन गए हैं।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार के “द्रविड़ मॉडल” पर इस बार एंटी-इनकंबेंसी, कानून-व्यवस्था, हिंदुत्व विरोध और परिवारवाद के मुद्दे हावी हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लगभग दस वर्ष बाद सत्ता में वापसी की थी। उस समय जनता ने तत्कालीन एआईएडीएमके सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी और नेतृत्व संकट को देखते हुए परिवर्तन का फैसला किया था, लेकिन राजनीति में पांच वर्ष लंबा समय होता है। अब वही डीएमके सरकार जनता की कसौटी पर है। क्योंकि इस अवधि की ढेर सारी कमियों का चुनावी हथियार विपक्ष के हाथ लग गया है।

तमिलनाडु की राजनीति में हमेशा से क्षेत्रीय पहचान, भाषा और सामाजिक न्याय के मुद्दे महत्वपूर्ण रहे हैं। द्रविड़ आंदोलन की विरासत ने यहां की राजनीति को इस तरह आकार दिया कि राष्ट्रीय दल लंबे समय तक हाशिये पर रहे, लेकिन हाल के वर्षों में भाजपा ने राज्य में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत बनाई है। भाजपा कार्यकर्ता नेटवर्क के सहारे जमीनी पकड़ और मजबूत करने के कारण आगामी विधानसभा चुनाव केवल दो क्षेत्रीय दलों की लड़ाई नहीं, बल्कि क्षेत्रीय मुद्दे बनाम राष्ट्रीय राजनीति की एक नई परीक्षा बन गया है।

> राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि बीजेपी पिछले चुनाव की तुलना में इस बार बड़ी छलांग लगा सकती है। गठबंधन राजनीति के सहारे उसकी सीटें पहले से बेहतर होकर दो अंकों में पहुंच सकती हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में एंटी-इनकंबेंसी का इतिहास मजबूत रहा है। कई चुनावों में देखा गया कि सत्ता में बैठी पार्टी अगले चुनाव में हार गई। ऐसा परिदृश्य इस बार और पुरजोर अंदाज में दिखाई दे रहा है। खासकर दलित, वंचित, ग्रामीण और गरीब वर्गों के उत्थान के लिए डीएमके सरकार ने कोई करिश्माई काम नहीं किया है। इसके चलते चुनाव में डीएमके को इन वर्गों का व्यापक समर्थन मिलता नहीं दिख रहा है।

तमिलनाडु में बीजेपी की स्थिति धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार और वैचारिक अभियान के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ाने के तेज प्रयास किए हैं। एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन मजबूत होने के चलते कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होने के बजाय सीधे सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के बीच हो सकता है। इस स्थिति में बीजेपी को अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि बीजेपी पिछले चुनाव की तुलना में इस बार बड़ी छलांग लगा सकती है। गठबंधन राजनीति के सहारे उसकी सीटें पहले से बेहतर होकर दो अंकों में पहुंच सकती हैं। असल में तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का संघर्ष नहीं, बल्कि द्रविड़ राजनीति के भविष्य का भी परीक्षण है। भाजपा समेत विपक्ष अप्रत्याशित प्रदर्शन राज्य की राजनीति में नए गठबंधन और नई रणनीतियों का दौर शुरू कर सकता है। इसी कारण आगामी चुनाव को केवल सीटों की गणना के रूप में नहीं, बल्कि तमिलनाडु की सामाजिक-राजनीतिक चेतना की नई परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

दिवा स्वप्न

हिंदी सोशल मीडिया का एक पॉपुलर डे ड्रीम है-पेट्रो डॉलर चौपट हो जाएगा, अमेरिका तबाह हो जाएगा और भारत विश्व का नंबर एक राष्ट्र बन जाएगा। पेट्रोलियम का व्यापार डॉलर में न हो, तो अमेरिका का जो नुकसान हो सो हो। उनके पास अपने देश के लिए पर्याप्त पेट्रोलियम है वह एक्सपोर्टर हैं इंपोर्टर नहीं। इसके अलावा टेक वर्ल्ड- एआई, डिफेंस, एनर्जी इन सबमें वह आने वाले पचीस साल तक की टेक्नोलॉजी में अग्रणी हैं। उनका जो है वैसे चलता रहेगा, उनके पास अनाज पर्याप्त है, फल, तेल सब निर्यात ही करते हैं। आयात जो करते हैं वह भी इसलिए करते हैं कि उनकी कंपनियों का माल बाहर सस्ते में बनता है, बाहर महंगे में बनेगा तो वो कंपनियां अपने देश में बना लेंगी। ऐपल आईफोन फिर भारत में नहीं अमेरिका में ही बनवा लेगा। पर हां भारत के ऐंगल से मान लो कल से ईरान कह दे स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से निकलने के लिए डॉलर नहीं युआन चाहिए और मान लो ईरान यह फोर्स कर ले गया, तो भाई डॉलर तो भारत अमेरिका को एक्सपोर्ट कर कमाता है, सॉफ्टवेयर से कमाता है और एनआरआई भी भेजते हैं। युआन क्लोज्ड करेंसी है। भारत चाइना को माल बेचता नहीं खरीदता है, तो भारत युआन कहां से जुटाएगा? अरुणाचल बेचकर या कश्मीर बेचकर? वैसे डॉलर बंद हो जाएगा तो ये जो चाइना से भी इंपोर्ट में डॉलर पे करते हैं, वह भी युआन में ही करना पड़ेगा? वह कहां से आएगा?

नितिन त्रिपाठी

लेखक

फिर दूसरी मजेदार बात चलती है- ब्रिक्स। इस समय जो युद्ध चल रहा है वह ब्रिक्स के छठे ताकतवर देश यूएई और सातवें ताकतवर देश ईरान के बीच ही है। आपस में युद्ध रुक नहीं रहा है और आपको उम्मीद है कि ये एक दूसरे की मुद्रा उपयोग करेंगे। चाइना हर चार पांच साल में भारत पर चढ़ाई कर देता है, आज भी अरुणाचल को भारत का हिस्सा नहीं मानता, ऑपरेशन सिंदूर में सीधे भारत पर हमला कर रहा था और आपको लगता है वह आपके संचालन में एक करेंसी मानेगा? इसमें दो राय नहीं जैसे-जैसे लोकल कंट्रीज की पॉवर बढ़ेगी आपस में व्यापार लोकल करेंसी में होगा/होता ही आया है। रूस भारत के बीच पेट्रोल का आदान-प्रदान एक लेवल तक रुपये से ही हो रहा था, इसलिए क्योंकि रूस का स्विफ्ट अमेरिका ने बंदकर रखा है वो डॉलर नहीं ले सकता, तो रूस भारत से रुपये में उतनी पेमेंट ले रहा था, जितना वह रुपया कहीं और खर्च कर सके। शेष पेमेंट रूस भी यूएई की मिद्रा में ही ले रहा था, क्योंकि वह डॉलर से लिंक्ड ओपन मुद्रा है। भाई ये सब दिवा स्वप्न हैं जैसे-जैसे भारत/ चाइना का जीडीपी प्रतिशत विश्व के प्रतिशत जीडीपी में बढ़ेगा, उसी अनुपात में धीमे-धीमे इनकी मुद्रा का इनसे व्यापार में प्रचलन बढ़ेगा, जो स्वाभाविक भी है। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

जब समुद्री रास्ते वैश्विक राजनीति का केंद्र बन जाएं

दुनिया के नक्शे पर कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जिनका आकार भले ही छोटा हो, लेकिन उनका प्रभाव बेहद व्यापक होता है। स्टेट ऑफ हॉर्मुज ऐसा ही एक समुद्री मार्ग है, जो आज वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ खड़ा हुआ है। यह केवल एक जलमार्ग नहीं, बल्कि दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस रास्ते से गुजरने वाला तेल और गैस कई देशों की आर्थिक धड़कन से जुड़ा हुआ है। ऐसे में जब इस मार्ग को लेकर किसी प्रकार की अनिश्चितता पैदा होती है, तो उसका असर सीमाओं से निकलकर पूरी दुनिया तक पहुंचता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस समुद्री क्षेत्र का महत्व और भी बढ़ गया है। विभिन्न देशों की रणनीतिक गतिविधियां और बयानबाजी इस बात की ओर संकेत करते हैं कि अब संघर्ष केवल जमीन तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि समुद्र भी उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। आज की वैश्विक राजनीति में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि संसाधनों और मार्गों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति का भी प्रतीक बन गया है। जो देश ऐसे महत्वपूर्ण रास्तों को प्रभावित करने की स्थिति में होते हैं, वे अप्रत्यक्ष रूप से वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर सकते हैं। इस पूरे परिदृश्य में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है-निर्भरता। दुनिया के कई देश ऊर्जा के लिए कुछ सीमित क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भर हैं। यही निर्भरता उन्हें ऐसी परिस्थितियों में अधिक संवेदनशील बना देती है, जहां कोई एक निर्णय या अवरोध व्यापक संकट का रूप ले सकता है।

संध्या अग्रवाल

साहित्यकार

यह स्थिति केवल आर्थिक चुनौती तक सीमित नहीं रहती। इसका असर राजनीतिक संबंधों पर भी पड़ता है। देश अपने हितों को ध्यान में रखते हुए अपने रुख तय करते हैं और कई बार उन्हें ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं, जो आदर्श से अधिक व्यावहारिक होते हैं। ऐसे समय में यह भी देखने को मिलता है कि वैश्विक शक्तियां अपने-अपने तरीके से स्थिति को संभालने या प्रभावित करने की कोशिश करती हैं, लेकिन यह प्रयास हमेशा समाधान की दिशा में हों, यह जरूरी नहीं। कई बार ये प्रयास नए सवाल और नई जटिलताएं भी खड़ी कर देते हैं।

इस पूरी स्थिति का सबसे बड़ा प्रभाव आम जीवन पर पड़ता है। ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव सीधे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करता है। महंगाई बढ़ती है, आर्थिक दबाव बढ़ता है और एक अनिश्चितता का माहौल बनता है। भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है, जहां ऊर्जा की बढ़ती जरूरतें और वैश्विक संबंधों का संतुलन दोनों को साथ लेकर चलना होता है। ऐसे में हर निर्णय सोच-समझकर लेना पड़ता है, ताकि आर्थिक स्थिरता और कूटनीतिक संतुलन दोनों बनाए रखे जा सकें। आज का समय यह संकेत दे रहा है कि दुनिया केवल संसाधनों की लड़ाई नहीं लड़ रही, बल्कि उन रास्तों और माध्यमों की भी, जिनसे ये संसाधन गुजरते हैं। यह संघर्ष प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष, इसका प्रभाव हर देश और हर व्यक्ति तक पहुंचता है। शायद यही वजह है कि अब यह सवाल और भी महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या हम इन घटनाओं को केवल दूर की खबर मानकर नजरअंदाज कर सकते हैं या फिर यह समझना जरूरी है कि इनका असर हमारी जिंदगी से कितना गहराई से जुड़ा हुआ है? क्योंकि जब समुद्री रास्ते संघर्ष का केंद्र बन जाते हैं, तब उनकी लहरें केवल किनारों तक सीमित नहीं रहतीं, वे पूरी दुनिया को प्रभावित करती हैं। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बिहार में प्रचलित टिकुली पेंटिंग एक ऐसी विशिष्ट लोक कला परंपरा है, जिसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक इतिहास में गहराई तक समाई हुई हैं। इसका संबंध केवल चित्रकला से ही नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री-सौंदर्य, सामाजिक परंपराओं और व्यापारिक इतिहास से भी जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि टिकुली कला की प्रेरणा प्राचीन काल से ही मौजूद रही है और इसका इतिहास कुछ विद्वानों के अनुसार बौद्ध काल तक जाता है, हालांकि इसके उद्भव की कोई निश्चित तिथि निर्धारित करना आज भी कठिन है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

टिकुली पेंटिंग: परंपरा से आधुनिक कला तक की रचनात्मक यात्रा

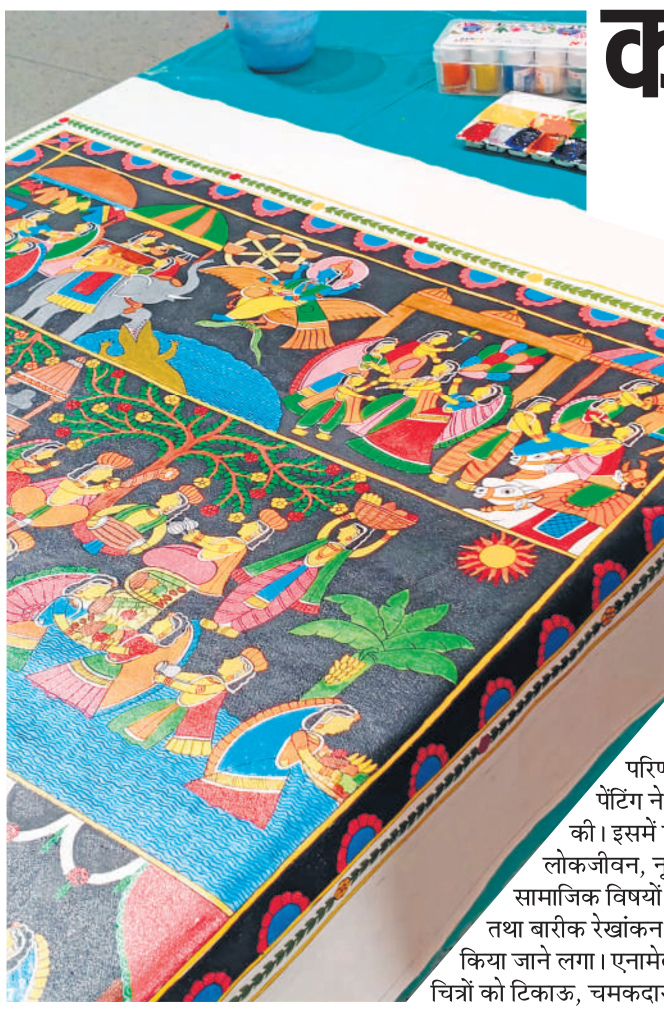

बिंदी या टिकुली लगाने की परंपरा सदियों पुरानी

भारतीय संस्कृति में सुहागन स्त्रियों द्वारा ललाट पर बिंदी या टिकुली लगाने की परंपरा सदियों पुरानी रही है। यह केवल सौंदर्य वृद्धि का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक और धार्मिक पहचान का भी प्रतीक रही है। पुरातत्वविदों को उत्खनन में प्राप्त मौर्यकालीन नारी प्रतिमाओं के ललाट पर बिंदी के अंकन मिलते हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जाता है कि यह परंपरा कम से कम मौर्य काल से चली आ रही है। समय के साथ यह परंपरा समाज में निरंतर बनी रही और धीरे-धीरे इससे संबंधित शिल्प और सजावटी वस्तुओं का भी विकास हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का हिस्सा

मध्यकालीन भारत में बिहार की राजधानी पटना एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभर चुकी थी। प्रसिद्ध फ्रांसीसी यात्री और इतिहासकार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर ने अपने यात्रा विवरणों में उल्लेख किया है कि लगभग 1700 ईसवी तक पटना पूरे बंगाल क्षेत्र का एक प्रमुख महानगर बन गया था। उस समय पुर्तगाली और तिब्बती व्यापारी यहां नियमित रूप से व्यापार के लिए आते थे और स्थानीय उत्पादों जैसे मूंग, कछुए के खोल से बने आभूषण, चूड़ियां तथा सोने-चांदी से सजी टिकुलियां खरीदकर अपने देशों में ले जाते थे। यह तथ्य बताता है कि टिकुली केवल घरेलू उपयोग तक सीमित नहीं रही, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का भी हिस्सा बन चुकी थी। प्रारंभिक दौर में टिकुली मुख्यत: कांच या धातु पर बनाई जाती थी और उस पर सोने की वर्क या रंगीन सजावट की जाती थी, लेकिन आधुनिक टिकुली पेंटिंग का स्वरूप 20 वीं सदी के मध्य में विकसित हुआ। प्रसिद्ध कलाकार और शिल्प पुनरुद्धारक उपेंद्र महारथी ने इस कला को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1960 के दशक में जापान यात्रा के दौरान उन्होंने वहां लकड़ी के पैनलों पर एनामेल पेंट से बिंदुओं को जोड़कर बनाए जा रहे चित्रों को देखा। इस तकनीक से प्रेरित होकर, उन्होंने पटना के कांच पर चित्रकारी करने वाले कारीगरों रामफल गुप्ता, लाल बाबू गुप्ता तथा अन्य शिल्पियों को इस शैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

एक नई पहचान

इस पहल के परिणामस्वरूप टिकुली पेंटिंग ने एक नई पहचान प्राप्त की। इसमें पौराणिक कथाओं, लोकजीवन, नृत्य, प्रकृति और सामाजिक विषयों को आकर्षक रंगों तथा बारीक रेखांकन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाने लगा। एनामेल रंगों के प्रयोग ने इन चित्रों को टिकाऊ, चमकदार और बाजार-उपयुक्त बनाया। महारथी जी के निधन के बाद इस परंपरा को आगे बढ़ाने और पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण दायित्व कलाकार अशोक कुमार विश्वास ने निभाया। उन्होंने न केवल पारंपरिक विषयों को संरक्षित किया, बल्कि आधुनिक डिजाइन और बाजार की मांग के अनुरूप नए प्रयोग भी किए। उनके प्रयासों से टिकुली पेंटिंग राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंची। आज अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शिल्प मेलों के माध्यम से नई पीढ़ी के कलाकार इस कला में दक्ष हो रहे हैं।

वर्तमान संदर्भ में टिकुली पेंटिंग केवल सजावटी वस्तु या स्मृति-चिह्न भर नहीं रह गई है, बल्कि यह बिहार की सांस्कृतिक पहचान और आत्मनिर्भर शिल्प अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डिजाइन नवाचार और सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं ने इसके प्रसार को और गति दी है। इस प्रकार, सुहागिनों के ललाट की शोभा रही टिकुली आज एक सशक्त कला शैली के रूप में विकसित होकर परंपरा और आधुनिकता के सुंदर समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

अनोखी परंपरा

थापों में बसी विदाई: आदिवासी जीवन का सत्य

राजस्थान के दक्षिणी हिस्से में स्थित बांसवाड़ा का आदिवासी जीवन अपनी विशिष्ट परंपराओं और गहरी लोकमान्यताओं के लिए जाना जाता है। यहां जीवन के हर पड़ाव जन्म से लेकर मृत्यु तक संस्कारों की एक अलग ही छवि देखने को मिलती है। विशेष रूप से मृत्यु से जुड़े रीति-रिवाज इस समाज की सांस्कृतिक पहचान को बेहद अनोखे ढंग से सामने लाते हैं। जब किसी व्यक्ति का निधन होता है, तो शोक की सूचना देने का तरीका आधुनिक साधनों से बिल्कुल अलग और पारंपरिक होता है। ढोली समाज का एक सदस्य शोकग्रस्त परिवार के घर पहुंचकर ढोल बजाता है। यह ढोल साधारण नहीं होता, बल्कि इसकी थाप विशेष होती है, जिसे स्थानीय लोग 'मुर्दा ढोल' के नाम से पहचानते हैं। इसकी गूंज पूरे गांव में फैलते ही लोगों को समझ आ जाता है कि किसी के घर शोक हुआ है। इस तरह बिना किसी शब्द के ही सूचना पूरे क्षेत्र में पहुंच जाती है।

ढोल की आवाज केवल सूचना का माध्यम ही नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता का आह्वान भी होती है। जहां तक इसकी ध्वनि सुनाई देती है, वहां तक के ग्रामीण स्वतः ही शवयात्रा में शामिल होने के लिए निकल पड़ते हैं। ढोल बजाने वाला व्यक्ति अर्थी के साथ श्मशान घाट तक आगे-आगे चलता है, मानो वह पूरे गांव को अंतिम विदाई के इस मार्ग में साथ ले जा रहा हो।

अंतिम संस्कार से पहले एक और विशिष्ट परंपरा निभाई जाती है-ढोल की थाप के साथ पटाखे फोड़ना या हवा में बंदूक चलाना। यह दृश्य शोक के बीच भी एक सम्मानजनक विदाई का प्रतीक बन जाता है। आदिवासी समाज में यह मान्यता रही है कि हर व्यक्ति, चाहे वह कितना ही साधारण क्यों न हो, अपने जीवन में एक सिपाही की तरह संघर्ष करता है। इसलिए उसकी मृत्यु पर बंदूक की सलामी देकर उसे श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इन परंपराओं की जड़ें उस समय से जुड़ी हैं, जब संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध नहीं थे। तब ढोल और अन्य वाद्ययंत्र ही सूचना के प्रमुख माध्यम हुआ करते थे। बांसवाड़ा जैसे क्षेत्रों में, जहां बस्तियां दूर-दूर बसी हैं, वहां यह तरीका आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। भले ही नई पीढ़ी इन परंपराओं के मूल कारणों को पूरी तरह न समझती हो, लेकिन वर्षों से इन्हें देख-सुनकर उन्होंने इन्हें अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है। यही कारण है कि बांसवाड़ा की यह आज भी जीवंत है और समाज की सामूहिक चेतना को एक सूत्र में बांधे हुए है।

आर्ट गैलरी

महिषासुर : एक कालजयी कृति

महिषासुर, तैयब मेहता की सबसे चर्चित और ऐतिहासिक कृतियों में से एक है, जिसने भारतीय आधुनिक कला को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पेंटिंग पारंपरिक पौराणिक चित्रणों से अलग एक नई दृष्टि प्रस्तुत करती है। इस चित्र में महिषासुर और देवी दुर्गा को एक अनोखे आलिंगन में दर्शाया गया है। सामान्यत: जहां देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करते हुए दिखाया जाता है, वहीं तैयब मेहता ने इस दृश्य को संघर्ष और सह-अस्तित्व के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है। यह आलिंगन केवल शारीरिक नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक द्वंद्व को दर्शाता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो अच्छाई और बुराई के बीच की सीमाएं धुंधली हो गई हों और दोनों एक-दूसरे में समाहित हो रहे हों। यह पेंटिंग केवल एक पौराणिक कथा का चित्रण नहीं है, बल्कि मानव मन के आंतरिक संघर्षों का प्रतीक है। इसमें हिंसा, करुणा, पीड़ा और सह-अस्तित्व की भावनाएं एक साथ दिखाई देती हैं। यही कारण है कि यह कृति आधुनिक समाज के नैतिक द्वंद्व और जटिलताओं को भी गहराई से प्रतिबिंबित करती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी 'महिषासुर' ने भारतीय कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। यह पहली भारतीय पेंटिंग बनी, जिसने अंतर्राष्ट्रीय नीलामी में एक मिलियन डॉलर से अधिक की कीमत प्राप्त की। इस उपलब्धि ने न केवल तैयब मेहता को वैश्विक ख्याति दिलाई, बल्कि भारतीय समकालीन कला बाजार के महत्व को भी स्थापित किया। इस प्रकार, 'महिषासुर' भारतीय कला इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर उभरी है।

तैयब मेहता के बारे में

तैयब मेहता भारतीय आधुनिक कला के उन अग्रणी कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने भारतीय चित्रकला को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तर-औपनिवेशिक भारत की उभरती कला चेतना में उनका योगदान अत्यंत विशिष्ट रहा। उनकी कृतियां केवल सौंदर्यबोध तक सीमित नहीं हैं, बल्कि गहरे सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक प्रश्नों को भी उजागर करती हैं। तैयब मेहता का संबंध प्रसिद्ध बॉम्बे प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप से रहा, जिसने भारतीय कला को पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकालकर आधुनिक दृष्टिकोण दिया। इस समूह में एम एफ हुसैन, एस एच रजा और एफ एन सूजा जैसे महान कलाकार शामिल थे। इनका उद्देश्य भारतीय कला को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करना था, जिसमें तैयब मेहता का योगदान अत्यंत प्रभावशाली रहा। उनकी कला की सबसे विशिष्ट पहचान 'Diagonal Series' यानी विकर्ण श्रृंखला है। यह शैली संयोगवश विकसित हुई, लेकिन आगे चलकर उनकी हस्ताक्षर शैली बन गई। उनकी पेंटिंग्स में तिरछी रेखाएं जीवन के तनाव, संघर्ष और विभाजन को दर्शाती हैं। आकृतियों का खंडित और दबावपूर्ण स्वरूप आधुनिक जीवन की जटिलताओं और मानव मन के आंतरिक द्वंद्व को गहराई से अभिव्यक्त करता है।

होलकी माई: लोक-आस्था और नारी शक्ति का अनूठा संगम

लोकायन

ग्रामीण भारत में होली का उत्सव केवल रंगों और उल्लास का पर्व नहीं, बल्कि लोकपरंपराओं और आस्था की जीवंत विरासत का भी प्रतीक है। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में प्रचलित 'होलकी माई' की परंपरा इसी सांस्कृतिक विविधता का एक अनूठा उदाहरण है, जिसे विशेष रूप से महिलाएं पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ निभाती हैं।

यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी गांवों में उतनी ही आस्था के साथ जीवित है। जहां एक ओर पुरुष होलिका दहन करते हैं, वहीं महिलाओं की अपनी अलग 'होलकी' होती है। इसमें गोइठा (उपले) और लकड़ियों का उपयोग कर प्रतीकात्मक रूप से 'होलकी माई' तैयार की जाती है। यह केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि महिलाओं की सामूहिक आस्था और सहभागिता का सशक्त रूप है।

होलिका दहन के बाद महिलाएं इस 'होलकी माई' को गांव के तालाब या जलाशय में प्रवाहित करती हैं। यह क्रिया प्रकृति और पंचतत्वों के प्रति सम्मान की भावना को भी दर्शाती है। अगले दिन प्रातः महिलाएं तालाब के किनारे एकत्र होकर रोटी चढ़ाती हैं और विधिवत पूजा-अर्चना करती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में एक गहरा सांस्कृतिक भाव निहित है, जो जीवन, प्रकृति और परंपरा के बीच संतुलन को दर्शाता है।

इस परंपरा का एक विशेष पहलू यह भी है कि इसका संबंध नवरात्र से जुड़ता है। होली के लगभग एक माह बाद, नवरात्र के दौरान 'होलकी माई' को पुनः स्थापित किया जाता है और तीन दिनों के बाद फिर से जल में विसर्जित किया जाता है। इस दौरान भी पूजा और रोटी चढ़ाने की परंपरा निभाई जाती है, जो इस अनुष्ठान को एक विस्तृत सांस्कृतिक चक्र का हिस्सा बनाती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह प्रथा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है। समय के साथ भले ही जीवनशैली में बदलाव आया हो, लेकिन इस परंपरा की आत्मा आज भी वैसी ही बनी हुई है। महिलाएं इसे केवल एक धार्मिक कर्मकांड के रूप में नहीं, बल्कि अपनी पहचान, एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत के रूप में देखती हैं। दरअसल, 'होलकी माई' की यह परंपरा ग्रामीण जीवन की उस गहराई को उजागर करती है, जहां उत्सव केवल आनंद का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक संबंधों और परंपराओं को सहेजने का जरिया भी होता है। बदलते दौर में भी ऐसी परंपराएं गांवों की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूती से थामे हुए हैं और आने वाली पीढ़ियों तक अपनी पहचान बनाए रखे हुए हैं।

रंगमंच की साझा विरासत

हर साल 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस मनाया जाता है। यह दिन उस कला का है, जो बिना किसी पर्दे के दर्शकों से आमने-सामने बात करती है। उत्तराखंड के नैनीताल में रहने वाले रंगकर्मी जहूर आलम को इस कला को आगे बढ़ाने के लिए साल 2023 में 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उनका काम दिखाता है कि रंगमंच सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, संस्कृति और लोगों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

हिमांशु जोशी
लेखक

एक शुरुआत, जो धीरे-धीरे आंदोलन बन गई

युगमंच के बारे में बात करते हुए जहूर आलम बताते हैं कि साल 1976 में 'युगमंच' की शुरुआत हुई। युगमंच को शुरू करने का मकसद यह था कि पहाड़ की लोक परंपराएं, गीत-संगीत और कहानियां भी मंच तक पहुंचें। 'अंधा युग' के साथ इसकी शुरुआत हुई और उसी से 'युगमंच' नाम निकला। खास बात यह रही कि नाटक को उसी रूप में नहीं किया गया, बल्कि उसमें कुमाऊं की लोक शैली, संगीत और परंपराओं को भी जोड़ा गया। इससे नाटक लोगों के और करीब आ गए और युगमंच की एक अलग पहचान बनी।

जब मंच पर दिखने लगी अपनी ही दुनिया

जहूर आलम की हमेशा यह कोशिश रही कि युगमंच के नाटक लोगों के अपने अनुभवों से जुड़े हों। कुमाऊं की लोक गाथाएं, पहाड़ी संगीत और यहां के किस्से नाटकों का हिस्सा बने। उन्होंने आधुनिक और लोक रंगमंच को साथ मिलाकर काम किया, जिससे दर्शकों को मंच पर अपनी ही जिंदगी दिखाई देने लगी। जहूर कहते हैं कि होली में हुड़दंग बढ़ने लगा था, इसके बदलते स्वरूप को देखकर युगमंच ने पहल करते हुए बैठ और खड़ी होली को मंच पर लाने का प्रयास किया। उत्तराखंड के अलग-अलग स्थानों से कलाकार बुलाए गए और महिलाओं को भी मंच पर आने के लिए तैयार किया गया। नई पीढ़ी को सिखाने के लिए कार्यशालाएं की गईं। इसका असर यह हुआ कि नैनीताल की होली फिर से एक सलीकेदार सांस्कृतिक उत्सव की तरह सामने आई, जिसमें आज भी परंपरा और अनुशासन दोनों साथ दिखते हैं।

जहां लोग मिलते हैं, नहीं दिखते भेद

जहूर आलम का काम यह दिखाता है कि कला लोगों को जोड़ती है। एक मुस्लिम परिवार से होने के बावजूद उन्होंने होली जैसे आयोजन को पूरी ईमानदारी से आगे बढ़ाया। उनके लिए यह त्योहार साथ मिलकर रहने का सबसे उम्दा जरिया है। इतिहासकार शेखर पाठक भी कहते हैं कि जहूर ने उस साझा विरासत को आगे बढ़ाया है, जिसमें अलग-अलग धर्म और समुदाय के लोग साथ मिलकर अपनी संस्कृति को जीते हैं और आज के समय में धीरे-धीरे यह दुर्लभ होती जा रही है। पंचायत फेम अभिनेत्री सुनीता रजवार भी जहूर आलम और युगमंच को इसी नजर से देखती हैं। वह कहती हैं कि जहूर दा युगमंच में नाटकों के स्तंभ हैं और उन्होंने नैनीताल में रंगमंच की परंपरा को सहेज कर रखा है। उनके लिए युगमंच सिर्फ एक संस्था नहीं, बल्कि परिवार की तरह है, जहां उन्होंने हमेशा दूसरों के लिए रास्ते बनाए। सुनीता कहती हैं कि वह खुद भी उसी रास्ते से आगे बढ़ने वालों में से एक हैं। युगमंच के साथ पच्चीस साल से ज्यादा के अपने सफर को याद करते हुए नवीन बेगाना बताते हैं कि उनके पिता भी युगमंच से जुड़े थे। किशोरावस्था में वह अक्सर लड़ाई-झगड़ों में उलझे रहते थे। ऐसे समय में जहूर आलम ने उन पर भरोसा जताया और उन्हें युगमंच से जोड़ा। यही वह मोड़ था, जहां से उनकी जिंदगी ने नई दिशा ली। आगे चलकर नवीन ने ओपन यूनिवर्सिटी से संगीत की पढ़ाई की, शिक्षक बने और अपनी एक अलग पहचान बनाई। वह कहते हैं कि जहूर दा और युगमंच ने न सिर्फ नैनीताल का नाम आगे बढ़ाया, बल्कि थिएटर को जीवित और सक्रिय बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाई है। जहूर कहते हैं कि कई मौके ऐसे आए जब लोग बड़े शहरों की ओर गए, लेकिन उन्होंने यहीं रहकर काम करना चुना। उन्होंने खुद अभिनय और निर्देशन किया और नई पीढ़ी को तैयार किया। युगमंच से जुड़े कई कलाकार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और अन्य संस्थानों तक पहुंचे। कुछ ने मुंबई में अपनी अलग पहचान भी बनाई।

थिएटर के लिए जरूरी है सहारा

जहूर आलम यह भी मानते हैं कि रंगमंच को पेशे के रूप में मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कलाकारों को सम्मान के साथ काम करने के लिए आर्थिक और सामाजिक सहयोग मिलना चाहिए। तभी यह कला व मजबूत हो सकती है और नई पीढ़ी भी इसे अपनाएगी।

इंतखाब की दुकान, जहां रंगमंच सांस लेता था

जहूर आलम के लिए नैनीताल और रंगमंच क्या हैं, इसे स्मिता कर्नाटक की किताब 'डीएसबी के गलियारों से' के शब्दों में बेहतर समझा जा सकता है। वह लिखती हैं कि पहली बार वह नैनीताल के सांस्कृतिक अड्डे 'इंतखाब' में जहूर दा से मिलीं, जहां कपड़े की दुकान होने के बावजूद माहौल किसी साहित्यिक बैठक जैसा होता था। परिवार की सलाह पर उन्होंने कपड़े की दुकान जरूर खोली, लेकिन मन उनका रंगमंच में ही लगा रहा। काउंटर पर कपड़ा नापते हुए भी वह उसी दुनिया में रहते थे। 'इंतखाब' में दिनभर ग्राहकों से ज्यादा कवियों, लेखकों और कलाकारों का जमावड़ा लगा रहता। चाय और कॉफी के दौर चलते और उनके साथ गंभीर बातचीत भी। यह दुकान धीरे-धीरे एक सांस्कृतिक अड्डा बन गई, जहां से कई विचार और कलाकार आगे बढ़े। यही वह जगह थी, जहां से युगमंच से जुड़े कई कलाकार आगे निकले। निर्मल पांडे, ललित तिवारी, सुनीता अवस्थी, सुदर्शन जुयाल और इदरीस मलिक जैसे नाम इसी जमीन से जुड़े रहे। छोटे शहर के इस माहौल ने बड़े मंच तक पहुंचने वाले कलाकारों को रास्ता दिया।

जहूर आलम के लिए नाटक सिर्फ मनोरंजन नहीं है। उनका कहना है कि रंगमंच में जीवन के लगभग हर पहलू की झलक मिलती है, इसलिए यह लोगों तक सबसे असरदार तरीके से बात पहुंचाता है। उनके नाटकों में अक्सर ऐसे विषय होते हैं, जो समाज से जुड़े होते हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करते हैं। युगमंच ने नुक्कड़ नाटकों के जरिए भी लोगों के बीच जाकर सामाजिक मुद्दों पर संवाद किया और रंगमंच को सीधे समाज से जोड़ा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	74,068.45	22,912.40
बढ़त	1372.06	399.75
प्रतिशत में	1.89	1.78

सोना 1,44,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,30,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 25 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन – तुलसी 2610, राज श्री 2020, फ़ॉर्चून कि. 2630, रविन्द्रा 2520, फॉर्चुन 13kg 2320, जय जवान 2185, सचिन 2300, सूरज 2185, अवसर 2100, उजाला 2190, गृहणी 13 kg 2160, क्लासिक (kg) 2500, मोर 2390, चक्र टिन 2580, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2480, स्वास्तिक 2565
किराना – निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050
चावल – (प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200
दाल दलहन – मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10300–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800
चीनी – पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280, धामपुर 4260

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम – सोना पक्के आभूषण 142500, सोना–गिन्नी 138500, चांदी (पक्की) 2223 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

मारुति गुजरात में करेगी 10,189 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने मंगलवार को कहा कि वह गुजरात में अपने नए विनिर्माण संयंत्र के पहले चरण में 2.5 लाख वाहनों की उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लिए 10,189 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने गुजरात के खोराज औद्योगिक क्षेत्र स्थित विनिर्माण संयंत्र में सालाना 2.5 लाख वाहनों की पहले चरण की क्षमता जोड़ने को मंजूरी दे दी है।

सुजलॉन को 100 मेगावाट का पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। सुजलॉन समूह ने गेल (इंडिया) लि. से 100 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी के अनुसार, यह वित्त वर्ष 2025–26 में सुजलॉन को मिला चौथा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) ऑर्डर है, जो इसकी मजबूत और समग्र क्षमताओं को दर्शाता है। इस परियोजना से उत्पन्न बिजली महाराष्ट्र के नंदुरबार में गेल के आगामी पेट्रोरसायन संयंत्र को कॉर्बन उत्सर्जन में कटौती करने में मदद करेगी।

बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 1,372 अंक चढ़ा, निफ्टी 400 अंक मजबूत

7.56 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,500 अरब डॉलर हो गई निवेशकों की संपत्ति

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौटी और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 1,372 अंक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी में भी 400 अंक की बढ़त रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले की योजना को अस्थायी रूप से टाले जाने की घोषणा के बाद एशिया के अन्य बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार बढ़त में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,372.06 अंक यानी 1.89 प्रतिशत चढ़कर 74,068.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,793 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 399.75 अंक यानी 1.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,912.40 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन, इटर्नल, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, केवल पावर ग्रिड और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट आई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा बढ़ा दी है। कहा कि वह ईरानी ऊर्जा स्थलों पर हमले पांच दिन के लिए टाल रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद ने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव में संभावित कमी के शुरुआती संकेतों ने निवेशकों का कुछ भरोसा बहाल करने में मदद की है। यह सौदे को पूरा करने को लिवाली और निचले स्तर पर खरीदारी को दर्शाता है। एशिया के अन्य बाजारों में भी तेजी रही। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में ज्यादातर नुकसान में थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों में अस्थायी विराम के बाद घरेलू बाजार में राहत भरी तेजी देखी गई। शेयर बाजार में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 7.56 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,22,78,312.77 करोड़ रुपये (4,500 अरब डॉलर) हो गई। मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 2.77 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप में 2.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,968 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,295 में गिरावट आई। वहीं 168 के भाव अपरिवर्तित रहे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.96 प्रतिशत बढ़कर 101.9 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 10,414.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 12,033.97 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

दिल्लीः एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट पेश करने से पहले, एक ग्रुप फोटो में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता (केंद्र में) व अन्य।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए करीब 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें नवजात शिशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच, 1.3 लाख छात्राओं को मुफ्त साइकिल और मेधावी छात्रों के लिए लैपटॉप सहित कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की गई। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिए 'आपात संचालन केंद्र' के अलावा एक नई सेमीकंडक्टर नीति की भी घोषणा की गई।

दिल्ली विधानसभा में दूसरी बार बजट पेश करते हुए वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रही गुप्ता ने इसे 'हरित बजट'करार दिया और बताया कि कुल आवंटन का 21 प्रतिशत पर्यावरण संरक्षण पहल के लिए रखा गया है। उन्होंने दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय के देश में तीसरे स्थान पर होने का उल्लेख किया और कहा कि 'ट्रिपल इंजन' सरकार के साथ राष्ट्रीय राजधानी तेजी से प्रगति कर रही है। सरकार ने शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,326 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जो कुल बजट का 18 प्रतिशत है। इसके बाद स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 13,034 करोड़ रुपये, परिवहन के लिए 12,613 करोड़ रुपये, शहरी विकास के लिए 11,572 करोड़ रुपये, सामाजिक कल्याण के लिए 10,537 करोड़ रुपये और जलापूर्ति के लिए 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

- **नवजात शिशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच**
- **1.3 लाख छात्राओं को साइकिल और मेधावी छात्रों को लैपटॉप**
- **'आपात संचालन केंद्र' और नई सेमीकंडक्टर नीति की भी घोषणा**

मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए कई कदमों की भी घोषणा की और कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव से पहले जिस 'महिला समृद्धि योजना' का वादा किया था वह जल्द लागू की जाएगी। इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये दिए जाएंगे। इसके लिए जल्द ही पंजीकरण मंच शुरू किया जाएगा।

गैस संकट से जूझ रहा एल्युमिनियम एक्सट्रूजन उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग संगठन एल्युमिनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलईएमए) ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण एलपीजी तथा पीएनजी की आपूर्ति के गंभीर संकट से प्रभावित एल्युमिनियम एक्सट्रूजन उद्योग के लिए सरकार से राहत उपायों की मांग की है। एल्युमिनियम एक्सट्रूज़न एक निर्माण प्रक्रिया है, जिसमें गर्म एल्युमिनियम मिश्र धातु को एक विशिष्ट आकार की डाई के माध्यम से दबाकर ट्यूब, छड़, फ्रेम आदि बनाए जाते हैं। एएलईएमए ने सरकार से ब्याज दरों में कटौती और ऋण भुगतान की अवधि में छूट (मोराटोरियम) जैसे त्वरित राहत उपाय लागू करने का आग्रह किया है।

एचडीएफसी बैंक ने बाहरी विधि कंपनी को सौंपी जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने अपने त्याग पत्र में बैंक संचालन को लेकर उठाए थे गंभीर मुद्दे**

एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के त्याग पत्र में उठाए गए मुद्दों की स्वतंत्र जांच के लिए बाहरी विधि कंपनियों को नियुक्त किया है। बैंक ने कहा कि यह कदम तथ्यों पर आधारित एवं निष्पक्ष आकलन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने कहा कि बाहरी विधि कंपनियों की नियुक्ति एक सक्रिय कदम है, ताकि पत्र में उठाए गए सभी पहलुओं की स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जा सके और वस्तुनिष्ठ एवं तथ्य आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कदम बैंक द्वारा दशकों से अपनाए जा रहे उच्चतम कॉरपोरेट कामकाज मानकों के अनुरूप लगातार समीक्षा एवं तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

उल्लेखनीय है कि देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उनका इस्तीफा 18 मार्च से प्रभावी हुआ।

यह पहली बार है जब बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में इस्तीफा दिया है जिससे बैंक के कामकाज को लेकर सवाल खड़े हो गए। चक्रवर्ती ने 17 मार्च को लिखे अपने इस्तीफे में कहा था-पिछले दो वर्ष में बैंक के भीतर मैंने कुछ ऐसी घटनाएं एवं कार्य प्रणालियां देखीं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों व नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। इसी आधार पर मैंने यह निर्णय लिया है। शासन, नामांकन, पारिश्रमिक समिति के चेयरमैन एच. के. भनवाला को लिखे पत्र में चक्रवर्ती ने कहा था कि उपरोक्त के अलावा मेरे इस्तीफे का कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है

चक्रवर्ती को आर्थिक मामलों के सचिव के रूप में सेवानिवृत्ति के करीब एक वर्ष बाद पांच मई 2021 से अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 में तीन और वर्ष के लिए बढ़ाकर चार मई 2027 तक कर दिया गया था।

चक्रवर्ती 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं और अप्रैल 2020 में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। इससे पहले वह निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव थे। ये दोनों विभाग वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं।

रुपया 35 पैसे टूटकर 93.88 प्रति डॉलर के रिकार्ड निचले स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। रुपया मंगलवार को 35 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 93.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती और वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों में चिंता का माहौल रहने से घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशकों की निकासी ने भी रुपये पर दबाव डाला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.66 पर खुला और पूरे सत्र के दौरान इसमें उतार-चढ़ाव बना रहा। अंत में यह 93.88 (अस्थायी) पर रहा, जो पिछले बंद स्तर से 35 पैसे की गिरावट है।

एथनॉल के लिए पीडीएस में टूटे चावल की मात्रा घटाएगी सरकारः खाद्य सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित अनाज में टूटे चावल के आवंटन को 25 से घटाकर 10% करने का प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष रखेगी। इससे एथनॉल क्षेत्र को करीब 90 लाख टन टूटा चावल उपलब्ध हो सकेगा।

ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) के सम्मेलन में चोपड़ा ने कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य एथनॉल उद्योग को साल भर कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति प्रदान करना है जिससे भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के साबुत अनाज के भंडार पर इसकी निर्भरता कम हो जाएगी। जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो। एथनॉल क्षेत्र को टूटे हुए चावल की निरंतर आपूर्ति यह सुनिश्चित करने में सहायक होगी। पीडीएस के तहत वर्तमान में वितरित अनाज में 25% टूटे हुए चावल होते हैं जो 80 करोड़ लाभार्थियों को प्रदान किए जाते हैं। नई योजना के तहत इसे घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा। प्रतिवर्ष वितरित होने वाले करीब 360-370 लाख टन चावल में से बचे हुए अतिरिक्त टूटे चावल को एथनॉल उत्पादकों, पशु आहार निर्माताओं और अन्य को नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। पांच राज्यों में इसका प्रायोगिक परीक्षण पहले ही किया जा चुका है।

एथनॉल को रसोई ईंधन के रूप में करें विकसित

नयी दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम क्षेत्र ने मंगलवार को उद्योग जगत के दिग्गजों से एथनॉल को भारतीय परिवारों के लिए एक स्वच्छ रसोई ईंधन के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। इससे आयातित एलपीजी पर निर्भरता कम करने और जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों को बल मिलेगा। फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री के निदेशक (डाउनस्ट्रीम) आर एस रवि ने ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह अपील की। उन्होंने एथनॉल आधारित रसोई स्टोव पर जारी शोध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एलपीजी उपकरण अनुसंधान केंद्र (एलईआरसी) और विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में इस दिशा में काफी काम हो रहा है तथा इसके प्रारूप (प्रोटोटाइप) जल्द ही तैयार होने की संभावना है।

आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में 55,837 करोड़ रुपये डाले

मुंबई, एजेंसी। आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में तीन दिवसीय 'वैरिएबल रेट रेपो' नीलामी के जरिये मंगलवार को 55,837 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली। केंद्रीय बैंक के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर डाली गई।

यह राशि एक लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही। अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है। बैंकिंग प्रणाली में 23 मार्च तक अनुमानित नकदी करीब 26,196.36 करोड़ रुपये आंकी गई है। केंद्रीय बैंक ने पिछले कुछ दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में 2,08,208 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली है।

गैर-पंजीकृत क्षेत्रों में रोजगार 6.18% बढ़ा 74.52 लाख नये अवसर सृजितः सर्वेक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी। गैर-पंजीकृत उद्यम क्षेत्र में रोजगार 2025 में 6.18 प्रतिशत बढ़कर 12.80 करोड़ हो गया। इस अवधि के दौरान 74.52 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित हुए। सरकार के एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है। मंगलवार को जारी गैर-पंजीकृत क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई), 2025 के अनुसार, अक्टूबर, 2023 से सितंबर, 2024 की अवधि के दौरान इस क्षेत्र में श्रमिकों की संख्या 12,05,99,800 थी जो 2025 में बढ़कर 12,80,51,800 हो गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जनवरी, 2025 से दिसंबर, 2025 की अवधि के लिए गैर-पंजीकृत क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण के परिणाम जारी किए हैं। इस क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 7.97 प्रतिशत बढ़कर 2025 (जनवरी 2025-दिसंबर 2025) में 7.92 करोड़ हो गई जो 2023-24 (अक्टूबर 2023-सितंबर 2024) में 7.34 करोड़ थी। सर्वेक्षण के अनुसार, 'अन्य सेवाएं' क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की संख्या में 10.29 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। इसके बाद विनिर्माण क्षेत्र में 6.48 प्रतिशत और व्यापार क्षेत्र में 6.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विस्तार को बताती है।

गडकरी बोले-सड़क परियोजनाओं के लिए जुटा सकते हैं आठ लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी। राजमार्ग क्षेत्र में खर्च की धीमी गति पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार सड़क परियोजनाओं के लिए हर साल आठ लाख करोड़ रुपये तक जुटा सकती है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से राजमार्ग निर्माण का बहुत महत्व है। इस पर खर्च करने से देश की आर्थिक वृद्धि को गति मिल सकती है। एनएचएआई द्वारा प्रायोजित राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की बीएसई पर सूचीबद्धता के कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि हमारी समस्या यह है कि हम खर्च करने में असमर्थ हैं। हमारे खर्च करने की गति बहुत धीमी है। उन्होंने कहा कि सरकार राजमार्ग क्षेत्र की मजबूत परिसंपत्तियों के आधार पर बाजार से हर साल पांच लाख करोड़ रुपये जुटा सकती है, इसके अलावा 3.2 लाख करोड़ रुपये का बजटीय सहयोग भी मिलता है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

भाजपा की मुहर से साबित हो गया आयोग को कौन चला रहा : ममता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के पत्र पर कथित तौर पर भाजपा की मुहर लगी होने के बाद यह बात संदेह से परे साबित हो गई है कि कौन सी पार्टी पर्दे के पीछे से आयोग को चला रही है। निर्वाचन आयोग के मार्च 2019 के एक पत्र पर भारतीय जनता पार्टी की केरल इकाई की मुहर लगी पाई जाने के बाद सोमवार को राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

बनर्जी ने चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने के लिए उत्तरी बंगाल के बागडोगरा रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि निर्वाचन आयोग की अधिसूचना पर भाजपा की मुहर लगी होने से यह स्पष्ट हो गया है कि पर्दे के पीछे से आयोग को कौन चला रहा है। पोल खुल चुकी है। उन्होंने अपने दावों को सही साबित करने के लिए इस विवाद पर एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर दिखाई।

मुख्यमंत्री ने आयोग का जिक्र किए बिना कहा कि पर्दे के पीछे से अपने खेल खेलने की कोई जरूरत नहीं है। खुलकर सामने आएं और हमसे आमने-सामने मुकाबला करें। बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा नंदीग्राम के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) का तबादला भवानीपुर में करने के कदम से राजनीतिक साजिश की बू आ रही है। उन्होंने परोक्ष रूप से दावा किया कि बीडीओ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी हैं। भवानीपुर सीट पर बनर्जी और अधिकारी का मुकाबला होगा।

असमः हिमंत के खिलाफ चुनाव लड़े रहे कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन खारिज

गुवाहाटी, एजेंसी। असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के तीन उम्मीदवारों के नामांकन मंगलवार को हुई जांच के दौरान खारिज कर दिए गए, जिनमें से एक का नामांकन जलुकबारी सीट से था, जहां से मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा चुनाव लड़ रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी।

शाम साढ़े चार बजे तक कुल 18 नामांकन पत्र खारिज किए जा चुके थे। हालांकि, नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, ढकुआखाना सीट से कांग्रेस उम्मीदवार आनंद नराह, हाफलोंग सीट से निर्मल लंगथासा और जलुकबारी सीट से विदिशा नेओग के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए हैं। ढकुआखाना सीट पर वर्तमान में भाजपा के पूर्व मंत्री नबा कुमार डोले का कब्जा है। हाफलोंग सीट के लिए भाजपा की कैबिनेट मंत्री नंदिता गारलोसा की कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में उम्मीदवारी स्वीकार कर ली गई है। गारलोसा रविवार रात को विपक्षी दल में शामिल हुईं थीं।

केरलः भाजपा अध्यक्ष के हलफनामे पर विवाद चंद्रशेखर की कांग्रेस को कोर्ट जाने की चुनौती

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के हलफनामे को लेकर सियासी विवाद छिड़ गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चंद्रशेखर ने बेंगलुरु स्थित एक महंगी संपत्ति का विवरण छिपाया है और उसने इस संबंध में निर्वाचन आयोग से शिकायत की है। चंद्रशेखर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संपत्ति छिपाने के दावे निराधार हैं और अगर कांग्रेस में अपने दावों को साबित करने का साहस है तो वह अदालत का रुख कर सकती है। नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव में चंद्रशेखर नेमम सीट से वी. शिवनकुट्टी और पूर्व कांग्रेस विधायक के. सबरीनाथन के खिलाफ मैदान में हैं। सबरीनाथन ने कहा कि हलफनामे से जुड़े आरोप गंभीर हैं।

तमिलनाडु में घोषणा पत्र जारी करते अन्नाद्रमुक के नेता।

तमिलनाडु : मुफ्त फ्रिज, नकद सहायता देगी अन्नाद्रमुक

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व कर रही मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें कुल 297 वादे शामिल हैं। मुफ्त योजनाओं में रेफ्रिजरेटर, एकमुश्त 10,000 रुपये की सहायता, महिलाओं के लिए मासिक सहायता, शिक्षा ऋण माफी, कार्ड धारकों के लिए 1,000 रुपये का पोंगल उपहार पैकेट आदि शामिल हैं। अन्नाद्रमुक के महासचिव और राजग के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने बुधवार को दक्षिण चेन्नई के मायलापुर इलाके में एक बैठक के साथ अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करने की पूर्व संध्या पर मंगलवार को अन्नाद्रमुक कार्यालय में घोषणापत्र जारी किया। मुख्य वादा चावल राशन कार्डधारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर उपलब्ध कराना है। उन्होंने आगे कहा कि गृहिणियों के घरेलू कामों का बोझ कम करने के लिए, चावल राशन कार्डधारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर दिया जाएगा। ईपीएस द्वारा अन्नाद्रमुक के सत्ता में आने पर किए गए वादों की सूची में करों के बोझ और महंगाई से निपटने के लिए प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये की विशेष सहायता, समाज में आर्थिक समानता लाने के लिए कुला विलाक्कु योजना के अंतर्गत सभी कार्डधारक परिवारों को 2,000 रुपये की मासिक सहायता– जो सीधे परिवार की महिला मुखिया के बैंक खाते में जमा होगी। इसकेअलावा महिलाओं के समान पुरुषों के लिए मुफ्त बस यात्रा, ग्रामीण क्षेत्रों में जिनके पास घर या भूखंड नहीं है उनके लिए पक्के मकान बनाकर देंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान ने एक साल बाद अमेरिकी नागरिक को रिहा किया

काबुल। अफगानिस्तान के अधिकारियों ने अमेरिकी शिक्षाविद डेनिस कोएले को एक साल से अधिक समय तक हिरासत में रखने के बाद मंगलवार को रिहा कर दिया। अफगानिस्तान के तालिबान-नियंत्रित विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह रिहाई ईद उल-फितर के अवसर पर हुई, जो मुसलमानों का पवित्र त्योहार है और इस्लामी पवित्र महीने रमजान के समापन का प्रतीक है। मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि अकादमी शोधकर्ता कोएले को देश की राजधानी काबुल में उनके परिवार की अपील के बाद रिहा कर दिया गया। अफगानिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने उनकी कैद अवधि को पर्याप्त माना। कोएले को जनवरी 2025 में कानूनों के उल्लंघन के आरोपों में हिरासत में लिया गया था।

ओडिशा: 55 लाख रुपये के इनामी सुक्रू ने किया आत्मसमर्पण

भुवनेश्वर। ओडिशा के सर्वाधिक वांछित और 55 लाख रुपये के इनामी माओवादी सुक्रू ने मंगलवार को कंधमाल जिले में चार अन्य साथियों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। डीजीपी वाईबी खुरानिया ने बताया कि प्रदेश समिति के सदस्य सुक्रू ने एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण किया। मलकानगिरी जिले के मूल निवासी सुक्रू को राज्य में सक्रिय बचे अंतिम माओवादी नेताओं में से एक माना जाता था। यह आत्मसमर्पण ऐसे समय में हुआ जब केंद्र सरकार द्वारा वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने की 31 मार्च की समय सीमा नजदीक आ रही है।

पंजाब के पूर्व मंत्री भुल्लर को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को मंगलवार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। भुल्लर को पंजाब भंडारण निगम (पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन) के एक अधिकारी की कथित आत्महत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। भुल्लर को मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अमृतसर की एक अदालत में पेश किया गया। हरे रंग की पगड़ी पहने भुल्लर अदालत से बाहर निकलते समय हाथ जोड़े बैठे दिखाई दिए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अदालत ने भुल्लर को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजने को मंजूरी दे दी।

वियतनाम: दो बच्चे पैदा करने पर महिला को मिलेंगे 20 लाख डोंग

हनोई, एजेंसी

- देश में प्रजनन दर बढ़ाने के लिए शुरू की वित्तीय मदद की योजना

वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जन्म दर में भारी गिरावट के बीच प्रतिस्थापन प्रजनन दर बनाए रखने के प्रयासों के तहत एक नया प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत 35 वर्ष की आयु से पहले दो बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं को 20 लाख वियतनामी डोंग (लगभग 76 अमेरिकी डॉलर) की वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक मसौदे का अनावरण किया जिसमें कई वित्तीय सहायता नीतियों का प्रस्ताव है। इनसे प्रतिस्थापन-स्तर की प्रजनन दर को बनाए रखने और जनसंख्या की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है। . मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से नीचे गिर गई है। साल 2025 में यह दर प्रति महिला 2.11 बच्चों से घटकर 1.93 रह गई है, जो 2024 के 1.91 के रिकॉर्ड निचले स्तर से केवल मामूली सुधार है। इस मौजूदा रुझान को देखते हुए 2030 तक प्रतिस्थापन प्रजनन स्तर को बनाए रखने के लक्ष्य को हासिल करना कठिन लग रहा है।

यह अनुमान लगाया गया है कि यदि प्रजनन दर में इसी तरह गिरावट जारी रही तो वियतनाम की स्वर्णिम जनसंख्या की अवधि 2036 तक समाप्त हो जाएगी। इसके साथ ही कार्यबल की आयु वाली जनसंख्या 2044 से कम होने लगेगी।

श्रद्धा-आस्था का अकूत खजाना

हाल ही में ओडिशा सरकार ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को खुलवाकर उसका सूचीकरण करने का फैसला लिया है। रत्न भंडार को खोलने और इसके खजाने की गिनती की निगरानी के लिए ओडिशा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। पुरी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार अपार संपत्ति के लिए जाना जाता है। इससे पहले यहां 1978 में गणना हुई थी जिसके अनुसार यहां तब 128 किलो सोना और 221 किलो चांदी के गहने थे, लेकिन माना जाता है कि वास्तविक मात्रा इससे कहीं अधिक है। सिर्फ पुरी का जगन्नाथ मंदिर ही नहीं, देश के कई और मंदिरों में भी बेहिसाब खजाना है जो देश के लोगों की अपार आस्था और श्रद्धा का प्रमाण है।

भारत के मंदिरों की संपन्नता

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम

- भक्तों के दान के मामले में यह दुनिया का सबसे व्यस्त और संपन्न मंदिर है। यह अपनी वित्तीय पारदर्शिता के लिए भी जाना जाता है।
- मंदिर की संपत्ति 2,50,000 करोड़ से 3,00,000 करोड़ रुपये तक मानी जाती है। विभिन्न बैंकों में 10,258 किलो से ज्यादा सोना जमा है।
- इसके अलावा 16,000 करोड़ की एफडी और 7,123 एकड़ जमीन समेत 960 से अधिक संपत्तियां हैं। वार्षिक आय 5,000 करोड़ से अधिक है।

शिरडी साईं बाबा मंदिर, शिरडी

- यह मंदिर दुनिया भर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और इसे भारत के सबसे अमीर ट्रस्टों में गिना जाता है।
- इस मंदिर की 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक जमा राशि है, 450 किलो सोना और 6,000 किलो चांदी है।
- इसके अलावा बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा और निवेश हैं और सालाना आय 400-500 करोड़ के आसपास रहती है।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, तिरुवनंतपुरम

- यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया का सबसे अमीर मंदिर माना जाता है। 2011 में इसके गुप्त तहखानों को खोलने के बाद इसकी संपत्ति दुनिया के सामने आई थी।
- बिना ऐतिहासिक महत्व जोड़े अनुमानित संपत्ति 1,20,000 करोड़ तक है। प्राचीन कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय कीमत जोड़ने पर ये कई लाख करोड़ हो सकती है।
- संपत्ति में शुद्ध सोने की मूर्तियां, सोने का 18 फुट लंबा हार, हीरे-जवाहरात से जड़े सोने के मुकुट, हजारों सोने के सिक्के और बोरों में भरे कीमती रत्न शामिल हैं।

वैष्णो देवी मंदिर, कटरा

- साल भर करोड़ों श्रद्धालुओं की आमद के कारण यह मंदिर उत्तर भारत का सबसे संपन्न धार्मिक स्थल है जिसकी सालाना 500 करोड़ रुपये से अधिक है।
- श्राइन बोर्ड के पास 1.2 टन सोना है। बोर्ड सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, विश्वविद्यालय, आपदा प्रबंधन सुविधाओं को भी चलाता है।

सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबई

- मुंबई का यह मंदिर बॉलीवुड हस्तियों और उद्योगपतियों के दान के लिए भी जाना जाता है।
- श्री सिद्धिविनायक मंदिर का शिखर यानी गुंबद ही लगभग 3.7 किलो सोने से मढ़ा हुआ है।
- अनुमान के मुताबिक मंदिर ट्रस्ट को हर साल 100 से 150 रुपये करोड़ तक दान मिलता है।
- मंदिर के पास करीब 125 किलो सोने का भंडार और करोड़ों रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट हैं।

इजराइली जेलों में फिलिस्तीनियों का क्रूर नरसंहार

राज्य का सिद्धांत बनी क्रूरता : बिना किसी आरोप 18,500 फिलिस्तीनी हैं कैद जिनमें 1,500 से ज्यादा मासूम बच्चे

- अमानवीय यातनाओं से इन जेलों में अब तक हो चुकी है 100 से ज्यादा फिलीस्तीनियों की मौत

जेनेवा, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट ने इजराइली हिरासत केंद्रों के भीतर छिपे उस खौफनाक सच को बेनकाब कर दिया है, जिसे अब 'राज्य के सिद्धांत' के रूप में अपनाया जा चुका है। अक्टूबर 2023 से जारी जुल्म की यह श्रृंखला अब तक 18,500 से अधिक फिलिस्तीनियों को अपनी चपेट में ले चुकी है, जिनमें 1,500 से ज्यादा मासूम बच्चे शामिल हैं।

ये आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि उन हजारों जिंदगियों की दास्तान हैं, जिन्हें बिना किसी आरोप या मुकदमे के सलाखों के पीछे धकेल दिया गया है। करीब 100 कैदियों की हिरासत में हुई मौतें इस भयावहता की गवाही देती हैं कि इजराइली जेलें सुधार गृह नहीं, बल्कि सोची-समझी क्रूरता की प्रयोगशाला बन चुकी हैं। इन जेलों में जहां कैदियों के साथ ऐसी अमानवीय और घिनौनी हरकतें की जा रही हैं, जो इंसानियत को शर्मसार कर दें। संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि दशकों से मिल रही छूट और राजनीतिक संरक्षण के चलते फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजराइल की व्यवस्थित प्रताड़ना अब कब्जे वाले फिलीस्तीनी क्षेत्र में जारी नरसंहार का परिभाषित हथियार बन गयी है।

सन् 1967 से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत फ्रांसेस्का अल्बानीज ने मानवाधिकार परिषद को सौंपी अपनी नई रिपोर्ट में कहा, नरसंहार की शुरुआत के बाद से इजराइली जेल प्रणाली सोची-समझी क्रूरता की प्रयोगशाला में बदल गई है। अल्बानीज के अनुसार, जो कभी अंधेरे और साये में किया जाता था, वह अब खुलेआम हो रहा है। संगठित अपमान, पीड़ा और अधोगति का यह शासन अब उच्चतम राजनीतिक स्तरों से स्वीकृत है।

यानी जो दर्द पहले छिपाया जाता था, अब उसे सत्ता की शह पर सरेआम अंजाम दिया जा रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्वीर सहित वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से लागू की गई नीतियों ने प्रताड़ना, सामूहिक दंड और हिरासत की अमानवीय स्थितियों को एक संस्थानिक रूप दे दिया है। यह फिलिस्तीनियों को इंसान न समझने की एक सोची-समझी नीति है। विशेष दूत ने स्पष्ट किया है कि मानवाधिकारों के इन जघन्य उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार लोगों को जांच और न्याय का सामना करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध के समय भी इन अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता और अपराधियों को 'अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय' (आईसीसी) के कटघरे में खड़ा होना होगा।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट से खौफनाक सच बेनकाब

ऐसी प्रताड़नाएं कि दहल जाए मानवता... चाकू, लोहे की छड़ों, बोतलों से बलात्कार, कुत्तों से नुचवाकर ऊपर करते हैं पेशाब

इजराइली जेलों में हजारों लोग बिना किसी आरोप या मुकदमे के कैद हैं, कई जबरन गायब कर दिए गए हैं और लगभग 100 कैदियों की हिरासत में मौत हो चुकी है। कैदियों के साथ ऐसी दरिंदगी की गई है जो कल्पना से परे है। रिपोर्ट में बोतलों, लोहे की छड़ों और चाकुओं से बलात्कार, भुखमरी, हड्डियां और दांत तोड़ना, शरीर को जलाना, थूकना और कुत्तों से हमला करवाना व उन पर पेशाब करवाने जैसी भयानक प्रताड़नाओं का जिक्र है। इन अकल्पनीय प्रताड़नाओं का उद्देश्य फिलिस्तीनियों को केवल शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक तौर पर भी पूरी तरह तोड़ देना है। यह संगठित बर्बरता अब अंधेरे में नहीं, बल्कि सत्ता के ऊंचे गलियारों की शह पर खुलेआम अंजाम दी जा रही है।

विडंबना: इस बर्बरता को कई देशों की सरकारों और कानूनी संस्थाओं का समर्थन, मीडिया भी करता है लीपापोती

वर्ष 2025 में प्रताड़ना के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र समिति ने भी संगठित और व्यापक प्रताड़ना की एक वास्तविक ''राज्य की नीति'' की निंदा की थी, जो 7 अक्टूबर 2023 के बाद से बेहद गंभीर हो गई है। इस बर्बरता को दुनियाभर के राजनेताओं से बचाव मिल रहा है। कानूनी संस्थाएं इसे तर्कसंगत बता रही हैं। मीडिया इसे साफ-सुथरा कर पेश कर रहा है। दुनिया की वे सरकारें इसे सहन कर रही हैं, जो इजराइल को हथियार और सुरक्षा देना जारी रखे हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रताड़ना केवल जेल की दीवारों तक सीमित नहीं है। निरंतर बमबारी, जबरन विस्थापन, भुखमरी, घरों-अस्पतालों की तबाही और सैन्य व बसने वाले आतंकी समूहों के खौफ ने पूरे फिलिस्तीनी क्षेत्र को एक 'प्रताड़नाकारी माहौल' में बदल दिया है। अल्बानीज ने भावुक होकर कहा, गाजा, वेस्ट बैंक और पूर्वी येरुशलम में फिलीस्तीनी पीड़ा की अटूट श्रृंखला से गुजर रहे हैं। वहां कोई शरण नहीं है, कोई सुरक्षित कोना नहीं है, जीने के लिए कोई महफूज जगह नहीं बची है।

अमानवीय प्रताड़ना रोके इजराइल, अंतर्राष्ट्रीय अदालत में चले मुकदमा, दोषी अधिकारियों को किया जाए गिरफ्तार

अल्बानीज ने इजराइल से प्रताड़ना के सभी कृत्यों को तुरंत रोकने, अंतरराष्ट्रीय जांचकर्ताओं को प्रवेश देने और कब्जे को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू होने तक दोषियों की जवाबदेही तय करने का आग्रह किया और सदस्य देशों से नरसंहार और प्रताड़ना को रोकने के अपने कानूनी दायित्वों को निभाने की अपील की। इतामार बेन ग्वीर, बेजालेल स्मोट्रिच और इजराइल काट्ज जैसे जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जांच और गिरफ्तारी वारंट जारी करने को कहा गया है।

टेक्सास की रिफाइनरी में भीषण विस्फोट, लोगों को इलाके में जहां हैं वहीं शरण लेने की सलाह

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास राज्य के पोर्ट आर्थर में वैलेरो एनर्जी की रिफाइनरी में सोमवार को जोरदार विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें और घना धुआं उठता दिखाई दिया। स्थानीय प्रशासन ने आसपास के लोगों को एहतियातन घरों में रहने की सलाह दी है।

- जोरदार विस्फोट के बाद उठीं आग की लपटें और घना धुआं, नहीं पता चला घटना का कारण

अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट का संभावित कारण एक औद्योगिक हीटर बताया जा रहा है, हालांकि मामले की जांच जारी है। प्रशासन ने ''शेल्टर-इन-प्लेस'' अलर्ट जारी करते हुए लोगों से कहा है कि वे घरों के भीतर रहें, दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें और बाहरी गतिविधियों से बचें। शहर प्रशासन ने लोगों से अपील की, अपनी सुरक्षा के लिए तब तक अपने स्थान पर बने रहें जब तक आपातकालीन कर्मियों की ओर से सबकुछ सामान्य होने की घोषणा नहीं की जाती।

टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने बताया कि टेक्सास कमीशन ऑन एनवायरनमेंटल क्वालिटी ने स्थल पर वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए उपकरण तैनात किए हैं और स्थानीय तथा राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन किया जा रहा है। पोर्ट आर्थर फायर डिपार्टमेंट ने विशेष रूप से शहर के पश्चिमी हिस्से में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और घरों में रहने की सलाह दी है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में रिफाइनरी परिसर से उठती आग की लपटें और काला धुआं देखा जा सकता है।

बांग्लादेश: पूर्व जनरल मसूद उद्दीन चौधरी गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी

- 2007 में कराया था तख्तापलट मौजूदा प्रधानमंत्री तारिक को हिरासत में लेकर दी थीं यातनाएं

बांग्लादेश में एक प्रभावशाली पूर्व सैन्य जनरल मसूद उद्दीन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसने 2007 में कार्यवाहक सरकार के स्थान पर सेना समर्थित अंतरिम सरकार के सत्तारूढ़ होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। माना जाता है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ओर झुकी हुई थी, जिसका नेतृत्व अब प्रधानमंत्री तारिक रहमान कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने 2007 में सरकार बदलने और एक अंतरिम सरकार स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अंतरिम सरकार ने 2008 के चुनाव तक अगले दो वर्षों तक देश चलाया। जांच शाखा के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने बताया, चौधरी को उनके खिलाफ दर्ज पांच मामलों के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। चौधरी ने बाद में ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश के राजदूत के रूप में कार्य किया और बाद में जातीय पार्टी से संसद सदस्य बने।

जातीय पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की चुनावी सहयोगी थी, जिसने दिसंबर 2008 के चुनाव में दो-तिहाई बहुमत से जीत हासिल की थी। तत्कालीन अंतरिम सरकार के दो साल के शासनकाल के दौरान रहमान को भी गिरफ्तार किया गया था, हिरासत में यातना दी गई थी और उन पर कई आपराधिक और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। बाद में तारिक को निर्वासित कर दिया गया था।

किम जोंग का एलान- उ. कोरिया को बनाएंगे परमाणु शक्ति संपन्न

सियोल, एजेंसी

- दक्षिण कोरिया को घोषित किया सबसे बड़ा दुश्मन, अमेरिका पर आतंकवाद का आरोप

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एलान किया है कि वह अपने देश को स्थायी रूप से परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्थापित करेंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया को आधिकारिक रूप से सबसे बड़े दुश्मन करार दिया और उसके खिलाफ कड़ा रुख अपनाए रखने की चेतावनी दी।

किम ने सोमवार को संसद में अपने भाषण में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का जिक्र करते हुए अमेरिका पर आतंकवाद और आक्रामकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका विरोधी भावनाओं के उभार के बीच उसके खिलाफ संयुक्त मोर्चे में उत्तर कोरिया और मजबूत भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाम नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि उनके दुश्मन चाहे टकराव का विकल्प चुनें या फिर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का, लेकिन वह किसी भी विकल्प का जवाब देने के लिए तैयार हैं। किम का यह बयान पिछले महीने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के सम्मेलन में दिए गए उस बयान से मिलता जुलता है, जिसमें उन्होंने दक्षिण कोरिया पर जमकर निशाना साधा था लेकिन ट्रंप प्रशासन के साथ वार्ता के लिए दरवाजे खुले होने की बात कही थी और वाशिंगटन से आग्रह किया था कि वह वार्ता के लिए पूर्व शर्त के रूप में उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण की अपनी मांग छोड़ दे। सरकारी मीडिया ने बताया कि संसद के दो दिवसीय सत्र के दौरान सोमवार को संविधान संशोधन विधेयक पारित कर दिया गया।

रूस ने यूक्रेन पर दागे 400 ड्रोन, चार लोगों की मौत, 27 घायल

कीव। रूस की ओर से यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों के मुताबिक मॉस्को की सेना ने यूक्रेनी अग्रिम पंक्ति की रक्षा पंक्ति को भेदने के प्रयासों को तेज कर दिया है, जो वसंत ऋतु में होने वाले संभावित जमीनी आक्रमण की शुरुआत हो सकती है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने रात भर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों में सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार सुबह तक जारी रहा, जब दिन के उजाले में भी कई ड्रोन ने राजधानी कीव को निशाना बनाया।

यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि इसके अलावा, रूस ने रात में 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं, जिनसे देशभर में कम से कम 10 स्थान प्रभावित हुए। चार साल से भी अधिक समय पहले रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद यूक्रेनी नागरिक लगातार बमबारी का सामना कर रहे हैं।

कोलंबियाई सैन्य विमान दुर्घटना में 66 की मौत

बोगोटा। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के पुटुमायो प्रांत में सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए वायुसेना के हरक्यूलिस सी-130 परिवहन विमान में सवार 66 सैन्य कर्मियों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

- 125 लोग थे सवार, कई लापता कई को बचाने में मिली सफलता

वायुसेना के मुताबिक दुर्घटना के शिकार हुए कई सैन्य कर्मियों को बचा भी लिया गया है और करीब दो दर्जन लोगों के बारे में कुछ जानकारी नहीं मिल सकी है। इस मालवाहक विमान का उपयोग सैनिकों और साजोसामान की आवाजाही में किया जाता है। वायुसेना कमांडर जनरल कार्लोस फर्नांडो सिल्वा रुएडा के अनुसार, विमान में सेना के 114 जवान और चालक दल के 11 सदस्यों सहित 125 लोग सवार थे। यह विमान पेरू की सीमा के पास उड़ान भरते वक्त हादसे का शिकार हो गया।

रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ ने घटना को देश के लिए बेहद दुखद बताते हुए कहा कि विमान गिरने के बाद लगी भीषण आग के कारण उसमें रखा गोला-बारूद भी फट गया, जिससे बचाव कार्य में अत्यधिक कठिनाई आई और मृतकों की संख्या बढ़ गई।

सुप्रीम फैसला — शॉर्ट सर्विस कमीशन प्राप्त अधिकारियों की 20 वर्ष की अर्हता सेवा पूरी मानी जाएगी

स्थायी कमीशन से वंचित महिला अधिकारी को भी पूर्ण पेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में व्यवस्था दी कि मनमाने मूल्यांकन के चलते स्थायी कमीशन से वंचित की गईं भारतीय सशस्त्र बलों की शॉर्ट सर्विस कमीशन प्राप्त महिला अधिकारी पूर्ण पेंशन लाभ की हकदार हैं। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने फैसला सुनाया कि इन अधिकारियों के संबंध में पेंशन के लिए आवश्यक न्यूनतम 20 वर्ष की अर्हता सेवा पूरी कर ली गई मानी जाएगी, भले ही उन्हें इस अवधि से पहले सेवा से मुक्त कर दिया गया हो।

शीर्ष अदालत ने यह निर्णय विंग कमांडर सुचेता एडन और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनाया, जिनमें 2019 में नीतिगत बदलावों और पिछले सशस्त्र बल अधिकरण (एएफटी) के फैसलों के आधार पर स्थायी कमीशन न दिए जाने को चुनौती दी गई थी। फैसले के मुख्य भागों को पढ़ते हुए सीजेआई ने कहा कि महिला अधिकारियों के लिए वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) को अक्सर इस धारणा के तहत श्रेणी प्रदान की जाती है कि वे करियर में प्रगति या स्थायी कमीशन के लिए पात्र नहीं होंगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, एसीआर इस धारणा के साथ लिखी गई कि उनके करियर में कोई प्रगति नहीं होगी। इससे उनकी समग्र योग्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि पेंशन 20 साल की मानी गई सेवा के आधार पर तय की जाएगी, जो 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगी।

असाधारण शक्तियों का प्रयोग कर सुनाया फैसला

पीठ ने वायुसेना, नौसेना और थलसेना की शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन से वंचित किए जाने के मामले पर अलग-अलग विचार किया। वायुसेना के संबंध में, पीठ ने पाया कि 2019 में पेश किए गए सेवा अवधि मानदंड और न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड को जल्दबाजी में लागू किया गया था, जिससे अधिकारियों को उन्हें पूरा करने का उचित अवसर नहीं मिला। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए पीठ ने कहा कि एक बार के उपाय के रूप में, 2019, 2020 और 2021 में चयन बोर्डों में स्थायी कमीशन के लिए विचार किए गए सभी एसएससी अधिकारियों को 20 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर चुका माना जाएगा, जिनमें 2021 में सेवा से मुक्त किए गए अधिकारी भी शामिल हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज रुके हुए कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

वृष — आज करियर में नए बदलाव के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन — आज सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा के योग बन रहे हैं। मानसिक शांति के लिए अध्यात्म या रचनात्मक कार्यों में रुचि लेंगे।

कर्क — आज घर में मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी। भावुकता पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

सिंह — आज पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। समाज में नेतृत्व की क्षमता निखरेगी। धन लाभ के प्रबल योग हैं।

कन्या — आज धैर्य से काम लेना हितकारी होगा। बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं।

तुला — आज नई योजनाएं सफल होंगी। दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यापार में विस्तार की संभावना है।

वृश्चिक — आज चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने के आसार हैं। अपनी गुप्त योजनाओं को किसी को न बताएं।

धनु — आज संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त होगा। धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

मकर — आज भूमि या वाहन खरीदने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कार्यभार अधिक रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ — आज पराक्रम और पुरुषार्थ में वृद्धि होगी। छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। करियर में उन्नति के द्वार खोलेंगे।

मीन — आज का दिन आर्थिक निवेश के लिए उत्तम है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। किसी उत्सव में शामिल हो सकते हैं।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

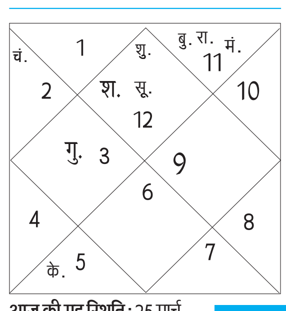

आज की ग्रह स्थिति : 25 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 13.50 तक तत्पश्चात अष्टमी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मृगशिरा 17.33 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

सुडोकू - 98 का हल

3	6	9	4	8	2	5	7	1
7	2	4	5	1	9	3	6	8
8	1	5	3	6	7	4	9	2
2	7	1	9	3	8	6	5	4
6	4	8	2	7	5	1	3	9
5	9	3	6	4	1	8	2	7
9	3	7	1	5	4	2	8	6
1	5	2	8	9	6	7	4	3
4	8	6	7	2	3	9	1	5

सुडोकू -99

				2		6		8
		9	1			4		
	8			7			1	
	1	6				3		
	7						8	
		5		6		7		
	5			4			9	
		3			5	2		
4		1		3				

> पहले दिन से ही हमारी सोच साफ़ रही है, हम यहां हिस्सा लेने नहीं आए हैं। हम यहां मुकाबला करने और जीतने आए हैं। एक नई टीम के लिए, यह सोचना आसान है कि इसमें समय लग सकता है, लेकिन हमारा नज़रिया कभी ऐसा नहीं था।
> –आशीष नेहरा, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 25 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ऑस्ट्रेलिया ने विंडीज पर किया क्लीन स्वीप

सेंट विन्सेंट, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को डीएलएस मेथड से वेस्टइंडीज को 40 रन से हराकर महिला टी 20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। बारिश ने वेस्टइंडीज के 212 रन के लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल कर दिया, जिससे 10 ओवर में उनका स्कोर 61/3 हो गया। इसी दौरान किंग्सटाउन बारिश होने लगी। बाद में मैच का नतीजा डीएलएस मेथड से तय किया गया। ऑस्ट्रेलिया के टोटल में जॉर्जिया वोल का 52 गेंदों पर पहला टी20 शतक सबसे ऊपर रहा। वह मेग लैनिंग (दो बार), बेथ मूनी (दो बार) और एलिसा हीली के साथ ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 शतक बनाने वालों में शामिल हो गईं। नौ चौके और छह छक्के लगाकर, उन्होंने 17वें ओवर में अपना शतक पूरा किया।

खेल पत्रकार एस त्यागराजन का निधन

चेन्नई, एजेंसी। नामचीन खेल पत्रकार एस त्यागराजन (85) का सोमवार शाम को निधन हो गया। त्यागराजन "त्यागु सर" के नाम से भी मशहूर थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं। एक गाइड और मेंटर के तौर पर, उन्होंने इस रिपोर्टर को भी यूएनआई के एक जाने-माने जर्नलिस्ट के तौर पर बनाने में अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने 1984 में स्पोर्ट्स कवर करके अपना सफ़र शुरू किया था। मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट्स लिखने में माहिर होने के कारण, बाद में उन्होंने इंडियन हॉकी को कवर करना शुरू किया और इंडियन टीम के लगभग सभी इवेंट्स को कवर करते हुए बहुत यात्रा की, जिसमें सुल्तान अज़लान शाह, एशिया कप और दूसरे इवेंट्स शामिल हैं।

बारानिका ने कायम किया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भुवनेश्वर, एजेंसी। तमिलनाडु की बरनिका एलंगोवन ने राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप के शुरुआती दिन महिला पोल वॉल्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस 29 वर्षीय एथलीट ने 4.22 मीटर की ऊंचाई पार कर यह नई उपलब्धि हासिल की। बरनिका का यह प्रयास पहले से कायम आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 4.21 मीटर से भी बेहतर रहा, जो 2022 से राजी मीणा पौलराज के नाम दर्ज था। यह राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप पहली बार आयोजित की जा रही है, इसलिए महिला पोल वॉल्ट के लिए आधिकारिक तौर पर कोई इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड पहले से मौजूद नहीं था।

खेलो इंडिया में 1300 खिलाड़ी लेंगे भाग

रायपुर, एजेंसी। देशभर के लगभग 1300 खिलाड़ी बुधवार से शुरू हो रहे खेलो इंडिया जनजातीय खेलों (ट्राइबल गेम्स) में 106 स्वर्ण पदकों के लिए नौ स्पर्धाओं में दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। इन खेलों का आयोजन छत्तीसगढ़ के तीन स्थलों (रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा) में होगा। ओडिशा ने 125 खिलाड़ियों के साथ सबसे बड़ा दल भेजा है, जबकि मेजबान छत्तीसगढ़ (121), झारखंड (107) और असम (106) की भी मजबूत भागीदारी रहेगी। इस प्रतियोगिता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती में पदक दांव पर होंगे, जबकि पारंपरिक खेलों में मल्लखंब और कबड्डी का आयोजन प्रदर्शनी खेल के रूप में होगा। आयोजन में खिलाड़ियों, कोच और अधिकारियों सहित लगभग 3800 प्रतिभागी शामिल होंगे। यह खेल तीन अप्रैल तक चलेंगे।

टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे ऋषभ पंत : एलएसजी कोच जस्टिन लैंगर

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर को उम्मीद है कि ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज एक क्रिकेटर के रूप में तब और भी बेजोड़ बन जाता है जब खेलते समय उनके चेहरे पर मुस्कान होती है। एलएसजी ने पिछले साल पंत को 27 करोड़ रुपये की मोटी कीमत पर खरीदा था, जिससे वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे।

लेकिन आईपीएल 2025 में पंत और एलएसजी के लिए खुश होने का कोई खास कारण नहीं था, क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। लैंगर ने कहा कि हालांकि पंत पिछले साल अपना प्रभाव छोड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे तथा इस दौरान उनके साथ बिताए गए समय से फ्रेंचाइजी और कोचिंग स्टाफ को उनके बारे में और अधिक समझने में मदद मिली। एक न्यूज चैनल से बातचीत में लैंगर ने बताया कि इस बार हम ऋषभ को पहले से अधिक सहज देख रहे हैं। वह अब खिलाड़ियों को अच्छी तरह से जानता है और हम उसका पूरा समर्थन करते हैं। उसके चेहरे पर मुस्कान है और वह खूब मस्ती कर रहा है। जब वह क्रिकेट खेलता है तो उससे अधिक रोमांचक खिलाड़ी कोई दूसरा नहीं होता है।

यश दयाल बाहर, लेकिन हटाए नहीं गए: आरसीबी

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मंगलवार को पेसर यश दयाल का साथ दिया, जबकि उन्होंने कन्फर्म किया था कि वह इस समय आने वाले इंडियन प्रीमियर लीग सीजन के लिए टीम में शामिल नहीं होंगे। रिपोर्ट्स में उनकी गैरमौजूदगी को चल रहे कानूनी मामलों से जोड़ा जा रहा है। आरसीबी के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबट ने कहा कि दयाल एक "पर्सनल सिचुएशन" से जूझ रहे हैं, उन्होंने दोहराया कि फ्रेंचाइजी खिलाड़ी को सपोर्ट करती रहेगी और उनके साथ रेगुलर कॉन्टैक्ट में रहेगी।

आकाशदीप और एडवडर्स की जगह दुबे व पेन विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल से पहले चोटिल आकाशदीप और जैक एडवडर्स की जगह सौरभ दुबे और डेविड पेन को शामिल किया है। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं। वह बेंगलुरू में उत्कृष्टता केंद्र में बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में रहेंगे। आईपीएल मीडिया बयान में कहा गया कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ केकेआर में आकाश की जगह लेंगे। वह 30 लाख रुपये में केकेआर से जुड़ेंगे। वहीं, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज पेन को एसआरएच ने जैक एडवडर्स की जगह लिया है जो पैर की चोट के कारण बाहर हैं। उन्हें पहले एसआरएच ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। वह डेढ करोड़ रूपये में एसआरएच से जुड़ेंगे। इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स ने चोटिल नाथन एलिस की जगह उनके हमवतन ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया है। इससे पहले गुजरात टाइटन्स और केकेआर के लिए खेल चुके जॉनसन 1.5 करोड़ रुपये में सीएसके में शामिल होंगे।

पांच खिलाड़ियों को लक्ष्मण, छह को रानी लक्ष्मीबाई अवार्ड

लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांस्य प्रतिमा के साथ दिए प्रशस्ति पत्र और चेक

3.11 लाख रुपये, कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र लक्ष्मण व रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार में दिए गए

06 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को नौकरी के नियुक्ति पत्र भी दिए गए, क्रिकेटर रिंकू सिंह नहीं पहुंच सके

1.64 करोड़ रुपये से 14 अन्य खिलाड़ियों को नकद धनराशि देकर किया गया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन करने वाले पांच खिलाड़ियों को लक्ष्मण अवॉर्ड और चार खिलाड़ियों को रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 14 अन्य खिलाड़ियों को 1.64 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई। छह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को नौकरी के नियुक्ति पत्र भी दिए गए। योगी ने बटन दबाकर एकलव्य क्रीड़ा कोष से खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता का अंतरण भी किया।

लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई एवार्ड में प्रत्येक खिलाड़ी को 3.11 लाख रुपये, कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को हर स्तर पर सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। नियुक्ति पत्र पाने वालों में हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल और पैरालंपिक ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार को डीएसपी पद पर नियुक्ति दी गई। अजीत सिंह और सिमरन को जिला पंचायत राज अधिकारी, प्रीतिपाल को खंड विकास अधिकारी तथा क्रिकेटर रिंकू सिंह को क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी पद दिया गया है। रिंकू सिंह समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

लोकभवन में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य। अमृत विचार

14 खिलाड़ियों को नकद प्रोत्साहन

- पदक विजेताओं में विनय (पैरा पावरलिफ्टिंग) को 40 लाख रुपये, विक्रांत बालियान (वुशु), सागर दांगी (शूटिंग), दीपक कुमार व ले. कर्नल भानु पाठक (पर्वतारोहण) को 15-15 लाख रुपये दिए गए। इसके अलावा अन्य खिलाड़ियों को 2 लाख से 14 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

चेक लेतीं तनुश्री पांडेय।

लक्ष्मण अवॉर्ड

- उत्तम सिंह (हॉकी), अभिजीत कुमार (जिम्नास्टिक), जोंटी कुमार (कुश्ती), यश कुमार (पैरा कैनोइंग) और प्रवीण कुमार (पैरा एथलेटिक्स)।

रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड

- प्राची (एथलेटिक्स), तान्या चौधरी (एथलेटिक्स), प्रगति केसरवानी (पैरा टेबल टेनिस) और वंतिका अग्रवाल (शतरंज) को सम्मानित किया गया।

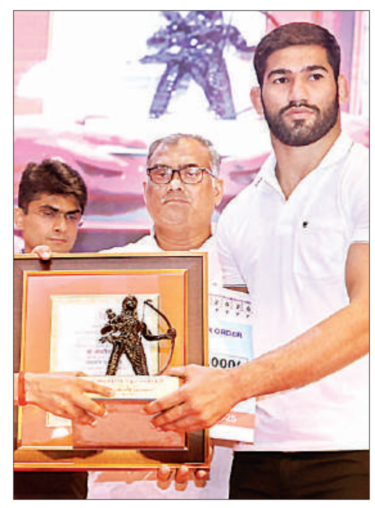

लोकभवन में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को लक्ष्मण अवार्ड देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राजस्थान रॉयल्स को 1.63 अरब डॉलर में खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स को अमेरिका स्थित सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम (समूह) को 1.63 अरब डॉलर (लगभग 15,290 करोड़ रुपये) में बेचे जाने की तैयारी है। इस कंसोर्टियम में वॉलमार्ट परिवार से जुड़े रॉब वॉलटन और फोर्ड परिवार से जुड़े हैम्प परिवार के सदस्य भी शामिल हैं।

एरिज़ोना स्थित टेक उद्यमी कल सोमानी ने इन्ट्राएज, 'ट्रूयो डॉट एआई' और एकेडेमियन जैसी कंपनियों की स्थापना की है। इस बोली में टाइम्स इंटरनेट के नेतृत्व वाला कंसोर्टियम, आदित्य बिड़ला समूह और आर्सेलरमित्तल के सीईओ आदित्य मित्तल के नेतृत्व वाला मित्तल परिवार भी दावेदारों में शामिल थे। यह सौदा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मंजूरी के अधीन होगा और 2026 आईपीएल सत्र के बाद प्रभावी होगा। वर्तमान में ब्रिटिश-भारतीय कारोबारी मनोज बादले के पास टीम में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सूत्रों के अनुसार इस सौदे पर बीसीसीआई की मंजूरी के बाद जल्द ही हस्ताक्षर किया जाएगा। 1.63 अरब डॉलर की कीमत दर्शाती है कि आईपीएल एक ब्रांड के रूप में कितना आगे बढ़ चुका है। एक अन्य सूत्र ने 2021 में आरपीएसजी समूह द्वारा एलएसजी की सात हजार करोड़ रुपये से कुछ अधिक में हुई बिक्री से तुलना करते हुए कहा कि अगर आप आईपीएल में हाल ही में शामिल हुई लखनऊ सुपर जायंट्स की बिक्री को देखें, तो यह उससे कहीं अधिक है। उम्मीद है कि अगले चार से पांच दिनों में इस समझौते की घोषणा कर दी जाएगी। आईपीएल की एक और प्रमुख फ्रेंचाइजी, मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, भी बिक्री के लिए उपलब्ध है और इस सौदे का मूल्य दो अरब डॉलर (लगभग 18,749 करोड़ रुपये) से अधिक होने की संभावना है। सोमानी निवेशक और खेल उद्यमी के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वह डेट्रॉइट स्थित मोटर सिटी गोल्फ क्लब के सह-मालिक हैं।

लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार राशि होगी 10 लाख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि हर मेडल के पीछे संघर्ष, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की कहानी होती है। जितना पसीना बहेगा, जीत उतना ही निकट आएगी।

खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र, लक्ष्मण एवं रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार और पदक जीतने पर बधाई देते हुए ऐलान किया कि इन दोनों प्रतिष्ठित पुरस्कारों की राशि 3.11 लाख रुपये से बढ़ाकर 10-10 लाख रुपये की जाएगी। इसके लिए उन्होंने खेल विभाग को प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेरठ में बन रहे मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का लोकार्पण मई-जून में किया जाएगा। इसके साथ ही हर मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज और हर विकासखंड स्तर पर मिनी स्टेडियम विकसित किए जा रहे हैं। सांसद और विधायक निधि से भी खेल मैदान और ओपन जिम को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 9 वर्षों में खिलाड़ियों को 200 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि दी गई है। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 6 करोड़ रुपये, रजत पर 4 करोड़ और कांस्य पर 2 करोड़ रुपये दिए जाते हैं। अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी भी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले जहां खेल उपेक्षित थे, वहीं अब बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी व्यवस्था और प्रोत्साहन के कारण खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

लक्ष्मण पुरस्कार लेता खिलाड़ी।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग

मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंची कप्तान हरमनप्रीत कौर

भारत की सलामी बल्लेबाज मंधाना दूसरे स्थान पर कायम

दुबई, एजेंसी।

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना के अलावा आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा शीर्ष 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने अपना छठा स्थान बरकरार रखा है, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त 11वें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजी विभाग में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर छठे स्थान पर बनी हुई हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर खिसक गई है।

दीप्ति ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतकों ने उन्हें सूची में दो स्थान ऊपर18वें स्थान पर पहुंचने में मदद की। रवांडा की 15 वर्षीय फैनी उटागुशिमानिंदे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने पदार्पण मैच में (घाना के खिलाफ) शतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बनी। यही नहीं वह पुरुष और महिला क्रिकेट में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनी। इससे उन्होंने 66वें स्थान पर रैंकिंग में प्रवेश किया है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए काशवी भारतीय टीम में शामिल

- **नई दिल्ली, एजेंसी:** तेज गेंदबाज़ ऑलराउंडर काशवी गौतम को अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर काशवी ने टेस्ट और वनडे दोनों सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन अब तक उनका टी20 डेब्यू नहीं हुआ है। चयनकर्ताओं ने उमा छेत्री को भी दल में ऋचा घोष के बैकअप के रूप में शामिल किया है। छेत्री ने 17 साल की जी कमालिनी की जगह ली है जिन्होंने दिसंबर में श्रीलंका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ में टी20 डेब्यू करने के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। दक्षिण अफ़्रीका का ये दौरा डरबन में शुरू होगा जहां 17 और 19 अप्रैल को पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद 22 और 25 अप्रैल को जोहान्सबर्ग में अगले दो मैच तथा 27 अप्रैल को बेनोनी में दौरे का आख़िरी मैच खेला जाएगा।
- **भारतीय टीम:** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफ़ाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल, काशवी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा।

काशवी गौतम।